@Qpatrika   @qaumipatrika hindi   instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

वीरवार, 28 नवंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 18 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भाजपा के लोगों ने कम प्रशासन ने ज्यादा मेहनत की: अखिलेश यादव

अंबेडकरनगर, 27 नवंबर। अंबेडकरनगर जिले के दौरे पर पहुंचे पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि कटेहरी का परिणाम शासन-प्रशासन ने छीना है। यह सपा की जीती हुई सीट थी जिसे भाजपा ने बेईमानी से जीता है। जब भाजपा को लगा कि खुद नहीं जीतेंगे तो अफसरों को आगे कर दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें चुनाव लड़ने का नया तरीका सिखाया है। कोचिंग दी है। हमारी सरकार आने पर हम अफसरों को देखेंगे। उन्होंने कहा कि इन चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कम प्रशासन ने ज्यादा वोट डाला। उन्होंने कहा कि यह उपचुनाव लखनऊ और दिल्ली के बीच की लड़ाई थी, जिसमें लखनऊ को दिखाना था कि हम जीत गए। इस चुनाव में लोकतंत्र और संविधान पर चोट की गई। एनटीपीसी और निजी कंपनियों के सीएसआर का उपयोग कर जिले में स्कूटी और सिलाई मशीन बांटी गई। प्रधान और कोटेदार के साथ क्या हुआ सबको पता है। संभल की घटना को साजिश बताते हुए कहा कि जिस तरह कुछ लोग माहौल खराब कर दिल्ली तक पहुंचे। अब उसी राह पर यूपी में चलने की कोशिश हो रही है। अखिलेश ने सुप्रीम कोर्ट से मामले का स्वत: संज्ञान लेने की मांग की। कहा कि चुनावी बेईमानी से ध्यान हटाने के लिए भी संभल कांड कराया गया। दूसरे सर्वे में भाजपा के लोग नारे लगाते चल रहे थे उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

आज चौथी बार सीएम पद की शपथ लेंगे हेमंत सोरेन

सिम्मी कौर बब्बर

रांची, 27 नवंबर। झारखंड में आज नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जिसमें झामुमो नेता और कार्यवाहक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। हेमंत सोरेन ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के गमलील हेम्ब्रोम को 39 हजार 791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट बरकरार रखी हैं। वहीं उनके शपथ ग्रहण लेकर राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में भव्य तैयारियां भी की जा रही है। शपथ ग्रहण समारोह के समय की बात करें, तो राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शाम 4 बजे हेमंत सोरेन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। जबकि इससे पहले हेमंत सोरेन ने खुद तैयारियों का जायजा भी लिया है। इस दौरान उन्होंने कहा, इस महत्वपूर्ण अवसर पर ऐसे सम्मानित नेताओं का हमारे साथ होना खुशी की बात है। कल होने वाले अबुआ सरकार के शपथ ग्रहण समरोह कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया तथा उपस्थित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इससे पहले मंगलवार को हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जिस बारें में उन्होंने कहा, कि मैंने प्रधानमंत्री के साथ एक रचनात्मक बैठक की, जहां हमने झारखंड के विकास और प्रगति पर चर्चा की। हमारी योजनाओं के साथ आगे बढ़ने के लिए उनका समर्थन मूल्यवान है। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी कल्पना भी थीं, जो हाल के चुनावों में विधायक के रूप में चुनी गई थीं। हेमंत सोरेन ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के साथ-साथ आप के अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात की और उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, झारखंड और इसके लोगों की बेहतरी के लिए काम करने के हमारे लक्ष्य में हम एकजुट हैं। जानकारी के अनुसार, शपथ समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा, पंजाब के सीएम भगवंत मान और हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू शामिल होंगे। वहीं अन्य प्रमुख नेताओं में सीपीआई (एमएल) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, आप नेता अरविंद केजरीवाल, शिवसेना

(यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती, तमिलनाडु से उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के शामिल होने की संभावना है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में हेमंत सोरेन के जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें हासिल करके जीत दर्ज की, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 24 सीटें मिलीं। वहीं कांग्रेस ने 16, राजद ने 4 और भाकपा (माले) ने विपक्षी इंडिया गठबंधन में 2 सीटें जीतीं। विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत पर हेमंत सोरेन ने कहा, मैं झारखंड के लोगों का हमारे नेतृत्व पर निरंतर भरोसा करने के लिए आभारी हूं। उन्होंने कहा, यह जीत लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाती है और हम उन्हें पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। हेमंत सोरेन ने भाषण में कहा, यह लोगों की जीत है और एक शांतिपूर्ण और प्रगतिशील झारखंड के लिए उनके दृष्टिकोण की जीत है।

बहुत शालीनता से अपना लक्ष्य साध गए कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 27 नवंबर। महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी प्रेसवार्ता के अंत में जो कहा वह होना ही था। उनकी पार्टी भाजपा के मुख्यमंत्री और सरकार बनाने के प्ररुप का समर्थन करेगी। एकनाथ शिंदे ने प्रेसवार्ता में यह घोषणा प्रस्तावित समय से करीब एक घंटे देर से की। इससे पहले शिवसेना (शिंदे) के सांसद संसद भवन परिसर में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले। बंद कमरे में चर्चा भी हुई। खबर है कि अमित शाह ने मुख्यमंत्री शिंदे को फोन किया, बात की और इसके बाद शिंदे प्रेसवार्ता में दूध का दूध, पानी का पानी कर दिया। शिवसेना के नेता अरुण सावंत कहते हैं कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुरू आनंद दिघे थे। शिंदे जमीन से उठे नेता हैं। उनको अपना लक्ष्य हमेशा याद रहता है। महाराष्ट्र की राजनीति को समझने वाले बीडी चतुर्वेदी का कहना है कि बहुत चतुराई और शालीनता से मुख्यमंत्री शिंदे अपना और पार्टी का लक्ष्य साध गए। दिल्ली और महाराष्ट्र की मीडिया इसमें भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुख्यमंत्री शिंदे की डील का सूत्र खोज रही है। इस बारे में लोकमत अखबार के पूर्व सहयोगी कहते हैं कि शिंदे जमीनी नेता हैं। जमीनी नेता हार्ड पॉलिटिकल बार्गेनर होता है। आखिर उसके भी भविष्य, पार्टी और पार्टी के नेताओं का सवाल है। दूसरे शिंदे जैसा नेता, जिसके सामने अभी

शिवसेना (यूबीटी) है और वह उससे बगावत करके आए हैं। बसंत पाटील महाराष्ट्र का चुनाव नतीजा आने के बाद से दावे के साथ कह रहे थे कि शिंदे मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। न ही उनकी पार्टी का कोई नेता बनेगा। बसंत ने कहा कि इसमें अचंभित होने की जरूरत नहीं है। यह तो शिंदे भी जानते हैं कि 145 विधायकों की संख्या होने पर कोई भी पार्टी महाराष्ट्र में सरकार बना सकती है। इसमें भाजपा के विधायकों की संख्या 132 है। महायुति के कुल 235 उम्मीदवार जीते हैं। 57 उम्मीदवारों की जीत के साथ उनकी पार्टी है और 41 के साथ अजीत पवार की एनसीपी। इसलिए शिंदे ने अपने स्तर से पूरी समझदारी दिखाकर पद से इस्तीफा भी दिया और घोषणा भी की। महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री की घोषणा ने सरकार के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने का संदेश दे दिया है। शिंदे की घोषणा के बाद तमाम सवाल के जवाब अपने आप आ गए हैं। समझा जा रहा है कि जल्द ही भाजपा का शीर्ष नेतृत्व राज्य में अपना पर्यवेक्षक भेजने की घोषणा करेगा। पार्टी विधायक दल की बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा। महायुति के सहयोगी दल भी विधायक दल का नेता चुनने की तेजी दिखाएंगे और भाजपा विधायक दल का नेता राज्यपाल के पास समर्थन पत्र सौंपकर सरकार बनाने का दावा पेश करेगा। समझा जा रहा है कि इस बार ताज पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के सिर पर सज सकता है।

कुछ नहीं चाहिए तो राहुल गांधी को लेकर मंगल ग्रह पर चले जाएं: संबित पात्रा

नई दिल्ली, 27 नवंबर। ईवीएम हटाकर मतपत्र लाने की कांग्रेस की मांग पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को ईवीएम नहीं चाहिए।

आपको न्यायिक प्रक्रिया भी नहीं चाहिए। आपको चुनाव आयोग भी नहीं चाहिए। ईडी और सीबीआई भी नहीं चाहिए। आपको भारत सरकार भी नहीं चाहिए। जब आपको कुछ नहीं चाहिए तो आपके लिए सर्वोच्च और उपयुक्त स्थान मंगल ग्रह है। वहां कोई नहीं है। वहां कुछ भी नहीं है। वहां आप राहुल गांधी को कुर्सी पर बैठाइये और चैन से रहिये। संबित पात्रा ने कहा कि संविधान दिवस पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमें ईवीएम हटाना है और बैलेट पेपर वापस लाना है। मल्लिकार्जुन खरगे ईवीएम को साइड में रखें या न रखें, लेकिन जनता ने कांग्रेस को दरकिनार कर दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं। लगभग हर राज्य के चुनाव में कांग्रेस को दरकिनार कर दिया गया है। झारखंड में भी यही हुआ। आज कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी के पीछे है। महाराष्ट्र में तो उसका पूरी तरह सफाया हो गया है। महाराष्ट्र में कांग्रेस केवल 16 सीटें लेकर आई। एक तरफ महाराष्ट्र में महायुति ने बहुत बड़ी जीत हासिल की है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस का सफाया हो गया है। इसलिए राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं के चेहरे पर हार की हताशा साफ दिख रही है। संबित पात्रा ने कहा कि मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि मल्लिकार्जुन खरगे जैसे वरिष्ठ नेता ने कहा कि ईवीएम की वजह से एससी-एसटी और ओबीसी और गरीब लोगों के वोट बर्बाद हो रहे हैं। क्या मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस पार्टी के लोग सोचते हैं कि एससी-एसटी और ओबीसी समुदाय के लोग इतने अनपढ़ हैं कि उन्हें ईवीएम में वोट डालना नहीं आता? कांग्रेस की ऐसी सोच एससी-एसटी और ओबीसी समुदाय का अपमान है। मुझे नहीं लगता था कि मल्लिकार्जुन खरगे जैसे व्यक्ति ऐसा कहेंगे। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे जान लें कि प्रधानमंत्री मोदी के घर में ईवीएम है। भाजपा ईवीएम की वजह से जीत रही है। ई- ऊर्जा, वी- विकास एम- मेहनत।

कांग्रेस सरकार से तंग आ चुकी है तेलंगाना की जनता: पीएम मोदी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 27 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना की जनता वहां की कांग्रेस सरकार से तंग आ चुकी है और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कुशासन की भयानक यादें अब भी उनके मन में ताजा हैं, लिहाजा वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर बड़ी उम्मीद से देख रही है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के भाजपा विधायकों और सांसदों के साथ एक बैठक के बाद यह बात कही। भाजपा विधायकों से मुलाकात के बाद तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, तेलंगाना भाजपा के विधायकों और सांसदों के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। उन्होंने कहा, राज्य में हमारी पार्टी की उपस्थिति तेजी से बढ़ रही है। तेलंगाना के लोग पहले ही कांग्रेस से तंग आ चुके हैं और बीआरएस कुशासन की भयानक यादें हैं। वे बड़ी उम्मीद से भाजपा की ओर देख रहे हैं।प्रधानमंत्री ने

कहा कि कांग्रेस और बीआरएस की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा लगातार आवाज उठाती रहेगी। पीए मोदी ने कहा, हमारे कार्यकर्ता विकास के एजेंडे पर विस्तार से काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वालों में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार तथा वरिष्ठ नेता के लक्ष्मण सहित कई सांसद और विधायक शामिल थे। बता दें कि, पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा सीट में से कांग्रेस ने 64 सीट जीतकर सरकार बनाई थी। जबकि सत्तारू? बीआरएस 39 सीट पर सिमट गई थी। तेलंगाना में भाजपा ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए आठ सीट जीती थी।

अजमेर दरगाह में हिंदू मंदिर होने का दावा!

अजमेर, 27 नवंबर। अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में हिंदू शिव मंदिर होने के दावे का वाद बुधवार को न्यायालय ने स्वीकार करते हुए पक्षकारों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। दिल्ली निवासी हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष वादी विष्णु गुप्ता ने विभिन्न साक्ष्य के आधार पर अजमेर दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा पेश किया था। बता दें कि मामले में कल यानी मंगलवार को भी सुनवाई हुई थी। आज भी न्यायालय में सुनवाई हुई और न्यायालय ने वाद को स्वीकार करते हुए दरगाह कमेटी, अल्पसंख्यक मामलात व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण धरोहर को नोटिस जारी करने के आदेश जारी करने का फैसला दिया है। वादी विष्णु गुप्ता की ओर से हरदयाल शारदा की ओर से लिखी पुस्तक का हवाला देते हुए वाद प्रस्तुत किया गया था, जिसमें उन्होंने अजमेर की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 20 दिसंबर 2024 को की जाएगी।

हल्के में न लें मुझे, बंगाल में उल्टा लटकाया था: प्रशांत किशोर

पटना, 27 नवंबर। मुजफ्फरपुर में तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अपने प्रत्याशी के जन समर्थन में पहुंचे जन सुराज के प्रशांत कुमार भारतीय जनता पार्टी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि मुझे डाटा इकट्ठा करने वाला कहने वाले पहले जहां के इंचार्ज बने हैं, उदाहरण देख लें, बंगाल में मैने ही भाजपा को उल्टा लटकाया था। हम हारने वाले में से नहीं हैं। हमारे साथ में जन बल है जो हमेशा ही धन बल पर भारी रहता है। इतना ही नहीं प्रशांत किशोर ने जनता दल यूनाइटेड और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी खूब बोले। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय पर बयान देने वाले लोग यूपी दंगा और वक्फ बोर्ड पर चुप्पी साध लेते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि जिस तरह से आम लोगों का सहयोग मिल रहा है, यह जीत का संकेत है। मैं हारने वालों में से नहीं बल्कि जीतने वालों में से हूं। मेरी पार्टी की लड़ाई 20 वर्ष और 30 वर्ष की पुरानी पार्टी से है। अभी तो मेरी पार्टी महज दो माह पुरानी है जो कि विश्वास के साथ जुड़ा है। अभी मेरे साथ मुजफ्फरपुर जिले में 80 हजार से अधिक कार्यकर्ता हैं, जिसको कोई धन से बंदूक से तोड़ नहीं सकता है। हमारी विचार धारा बिहार के विकास के लिए पूरी तरह से संकल्पित है और अंत तक लड़ाई लड़ते हुए रहेंगे। भाजपा के मंत्री मंगल पांडे ने प्रशांत किशोर को डाटा इकट्ठा करने वाला बताया था। उस बयान पर पलटवार करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि राजनीति में ऐसे लोग आते जाते रहते हैं और वह कभी नेता नहीं बन सकते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि मंगल पांडे मुझे हल्के में ले कर बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो बंगाल के प्रभारी बने हुए हैं वो यह भूल गए हैं कि बंगाल में ही हमने भाजपा को उल्टा लटकाने का काम किया था, वो भूल गए हैं क्या? जदयू नेता राजीव रंजन उ? ललन सिंह के द्वारा मुस्लिम पर दिए गए बयान को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि यह लोग एक सिक्के के दो पहलू हैं। मुस्लिम समुदाय के हितैषी होने का दावा करते हैं।

गौतम अदाणी को बचा रही सरकार: सुप्रिया श्रीनेत

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 27 नवंबर। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को अदाणी मामले को लेकर भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर ये आरोप किसी और पर लगा होता तो क्या सीबीआई इसी तरह चुप रहती? सब चुप हैं क्योंकि अदाणी का नाम आया है। ये सच है कि उन्हें यहां बचाया जा रहा है। उन्हें कैसे बचाया जा रहा है? कोई एजेंसी उनसे पूछताछ नहीं कर रही है। अगर संसद में चर्चा के लिए उनका नाम आता है तो सदन स्थगित हो जाता है और स्पीकर कहते हैं कि कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। उनके लिए नियम बदले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि झूठ बोलना एक बड़ी कला है, लेकिन झूठ तब तक बोलो जब तक पकड़े न जाओ। उन्होंने बड़ी चतुराई से कहा कि गौतम अदाणी नाम स्न्ष्टक्क में नहीं है। जबकि वास्तविकता यह है कि स्न्ष्टक्क में केवल उन्हीं का नाम हो सकता है जो अमेरिकी नागरिक हैं। लेकिन उनकी पार्टनर कंपनी अजोर पावर का नाम इसमें है। उनके खिलाफ सबूतों की भरमार है। उन्होंने कहा कि दस्तावेज में उल्लेख है कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी रिश्वत देने की योजना बना रहे थे। उन्होंने रिश्वत दी है और उन्होंने ऐसे वादे भी किए हैं। मुद्दा यह है कि

दस्तावेज में एक क्क्र का नाम है। गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। गौतम अदाणी और उनकी पूरी मशीनरी झूठ भी मूखतापूर्ण तरीके से बोल रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अदाणी के खिलाफ हमारी चार प्रमुख मांगें हैं। हम मांग करते हैं कि अदाणी की गिरफ्तारी होनी चाहिए। सेबी, ईडी, आयकर और सीबीआई को इसकी निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। सदन में इस पर चर्चा की जानी चाहिए। भाजपा को अदाणी का बचाव करने से बचना चाहिए। गौतम अदाणी के खिलाफ केन्या, बांग्लादेश, अमेरिका, स्विट्जरलैंड, श्रीलंका, आस्ट्रेलिया समेत तमाम देशों में तफ्तीश हो रही है। टेंडर निरस्त हो रहे हैं। मगर हमारे देश में इस पर सन्नाटा है। संभल हिंसा को लेकर सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि यूपी सरकार के अंतर्गत कानून व्यवस्था पूरी ध्वस्त हो चुकी है। आप चप्पलों में एनकाउंटर कर सकते हैं, लेकिन आपकी पुलिस कहीं शांति व्यवस्था नहीं देख सकती है। शांति बहाली नहीं कर सकती है। दंगों में कौन मर रहा है। इसमें आम जनता और उनके बच्चे मर रहे हैं। हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजोगे तो कैसे चलेगा? इससे तो हालात बिगड़ेंगे ही।

कोविड का दौर अलग था, अब राशन की मुफ्तखोरी बढ़ती जा रही: सुप्रीम कोर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने राशन की मुफ्तखोरी को लेकर तल्ख टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राशन की मुफ्तखोरी बढ़ती जा रही है। कोविड का दौर अलग था, तब प्रवासी श्रमिकों को राहत देने के लिए मुफ्त राशन दिया गया था। मंगलवार को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सभी प्रवासी श्रमिकों के लिए मुफ्त राशन की मांग करने वाले एक एनजीओ की ओर दायर याचिका पर सुनवाई की। एनजीओ के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत सभी श्रमिकों को मुफ्त राशन और राशन कार्ड देने के निर्देश दिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। इस पर न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि राशन कार्ड एक महत्वपूर्ण आधिकारिक दस्तावेज है जो किसी व्यक्ति की पहचान और अधिकार से जुड़ा होता है। मुश्किल तब आती है जब हम मुफ्तखोरी में लिप्त हो जाते हैं। अब यह बढ़ रही है। कोविड का समय कुछ अलग था, लेकिन अब हमें इस पर विचार करना होगा। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर

जनरल तुषार मेहता ने याचिकाकर्ता के वकील भूषण की दलील पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार 2013 के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से बंधी हुई है और जो भी वैधानिक रूप से अधिकार प्रदान किया गया है, वह दिया जाएगा। कोविड के दौरान कुछ ऐसे एनजीओ थे जिन्होंने महामारी के दौरान जमीनी स्तर पर काम नहीं किया और वह हलफनामे पर बता सकते हैं कि याचिकाकर्ता उन एनजीओ उनमें से एक है। पीठ ने कहा कि यह मुकदमा विरोधात्मक नहीं है और अदालत दोनों पक्षों को समायोजित करने के लिए एक सामान्य आधार खोजने की कोशिश करेगी। मामले की अगली सुनवाई नौ दिसंबर को होगी। मामले में दो सितंबर को शीर्ष अदालत ने केंद्र से एक हलफनामा दाखिल करने को कहा था जिसमें प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड और अन्य कल्याणकारी उपाय प्रदान करने के लिए उसके 2021 और उसके बाद के निर्देशों के अनुपालन के बारे में विवरण दिया गया हो। इस पर केंद्र ने कहा था कि वह उन सभी लोगों को राशन मुहैया करा रहा है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पात्र हैं।

सपा और ओवैसी फैला रहे गलत जानकारी, मिलने लगी है धमकी: विष्णु शंकर जैन

संभल, 27 नवंबर। जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताने वाले याचिकाकर्ता वकील विष्णु शंकर जैन ने सपा, ओवैसी और अन्य पर झूठा प्रचार करने और धमकियां देने का आरोप लगाया। वहीं, क्वछ्वक्क प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा नेताओं पर पथराव भड़काने और इसे राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई करार दिया। पुलिस मामले की जांच और उपद्रवियों की पहचान में जुटी है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने घटना को और संवेदनशील बना दिया है। संभल हिंसा के मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता और याचिकाकर्ता विष्णु शंकर जैन ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, संभल के सपा सांसद, सपा के मीडिया सेल और ज्ञानवापी मस्जिद समिति के सचिव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जैन ने कहा, इन लोगों ने झूठा प्रचार किया है कि मैं जय श्री राम के नारे लगाते हुए भीड़ के साथ वहां पहुंचा, जिससे दंगा भड़का। यह पूरी तरह से झूठा आरोप है। जैन ने अपनी सफाई में कहा कि वह सर्वे के दौरान प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के साथ थे। सर्वे खत्म होने के बाद पुलिस ने उन्हें एक ऐसे रास्ते से वापस भेजा, जो हिंदू आबादी वाले क्षेत्र से गुजरता था। इस दौरान कुछ लोग नारेबाजी कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया, मैंने कोई नारा नहीं लगाया, लेकिन मुझे देखकर लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाए। जैन ने दावा किया कि इस गलत जानकारी के कारण उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा, इन धमकियों के लिए अखिलेश यादव, ओवैसी, सपा के मीडिया सेल, संभल के सपा सांसद और ज्ञानवापी मस्जिद समिति के सचिव जिम्मेदार हैं।संभल हिंसा के बाद मामले की जांच जारी है। पुलिस और प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है और दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा रही है।

जयशंकर ने ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय बैठक की

एजेंसी
रोम। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर इटली के फिउग्गी में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। एक्स पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों ने वैश्विक स्थिति और भारत-अमेरिका साझेदारी पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मिलकर हमेशा अच्छा लगता है, इस बार इटली के फिग्गी में। वैश्विक स्थिति और भारत-अमेरिका साझेदारी पर चर्चा हुई, जो लगातार आगे बढ़ रही है। यह संभवतः विदेश मंत्री और ब्लिंकन के बीच आखिरी बैठक हो सकती है क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी, 2025 को देश के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेगें जो अपने साथ नए अधिकारियों को लेकर आएंगे।

दक्षिण कोरिया :14 वर्षों में रिकॉर्ड की गई उच्च जन्म दर

सोल । लगातार घटती आबादी से परेशान दक्षिण कोरिया के लिए सितंबर गुड न्यूज देकर गया। लगभग 14 साल में ऐसा पहली बार हुआ कि इस महीने में बड़ी संख्या में नवजात जन्मे। घटते जन्म दर और तेजी से बढ़ती उम्र के गंभीर जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से निपटने को लेकर दक्षिण कोरिया संघर्ष कर रहा है। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया स्टैस्टिक कोरिया द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार सितंबर में कुल 20,590 बच्चे पैदा हुए, जो एक साल पहले की तुलना में 10.1 प्रतिशत (1,884 नवजात शिशुओं की वृद्धि) अधिक है। बता दें कि यह जनवरी 2011 के बाद से सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है, जब बच्चों के जन्म में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।एजेंसी के एक अधिकारी इम यंग-इल ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया, यह वृद्धि कोविड-19 महामारी के शुरुआती चरणों के दौरान शादियों में देरी होने के बाद 2022 की दूसरी छमाही से 2023 की पहली छमाही तक अधिक शादियां करने के कारण हुई है। एजेंसी ने बताया कि इस साल की तीसरी तिमाही में कुल 61,288 बच्चे पैदा हुए, जो पिछले साल की इसी अवधि से 8 प्रतिशत अधिक है। यह संख्या 2012 की तीसरी तिमाही के बाद से सबसे बड़ी तिमाही वृद्धि को भी दर्शाती है। देश में तीसरी तिमाही में कुल प्रजनन दर 0.76 रही, जो कि एक महिला के जीवनकाल में होने वाले औसत बच्चों की संख्या को दिखाती है। जनवरी-सितंबर अवधि के लिए यह दर 0.74 रही। नौ महीने का यह आंकड़ा 2023 के पूरे वर्ष के लिए दर्ज 0.72 से अधिक है, जो 1970 के बाद का सबसे निम्नतम स्तर है।

इजरायल ने इन तीन वजहों के कारण बनाई हिजबुल्लाह के साथ युद्ध विराम पर सहमति

तेल अवीव । इजरायली सुरक्षा कैबिनेट ने लेबनान में उग्रवादी समूह हिजबुल्लाह के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए युद्धविराम समझौते के पक्ष में मतदान किया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में युद्ध विराम समझौते के तीन प्रमुख कारण बताए हैं।एक इजरायली अधिकारी ने पीएम नेतन्याहू के हवाले से मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने युद्ध विराम पर सहमति के तीन मुख्य कारण बताए हैं, जिसकी वजह से वह चाहते हैं कि अब युद्ध विराम हो। नेतन्याहू ने कहा, अमेरिका के साथ पूरी समझ के साथ, हम सैन्य कार्रवाई की पूरी स्वतंत्रता बनाए रखते हैं। यदि हिजबुल्लाह समझौते का उल्लंघन करता है और खुद को हथियारों से लैस करने की कोशिश करता है तो हम हमला करेंगे। अगर वह सीमा के पास आतंकवादी बुनियादी ढांचे को फिर से बनाने की कोशिश करता है तो उस पर हमला किया जाएगा। इतना ही नहीं, अगर वह रॉकेट लॉन्च करता है या फिर सुरंग खोदता है या रॉकेट ले जाने वाला ट्रक लाता है तो हमला किया जाएगा।÷पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने तीन कारणों का जिक्र करते हुए कहा,पहला कारण यह है कि वे ईरान के खतरे पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

तंजानिया में 16 नवंबर को ढही थी इमारत, मरने वालों की संख्या बढ़कर 29

दार एस सलाम । दार एस सलाम के करियाकू उपनगर में एक इमारत के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 29 हो गई है।एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मौत की संख्या संबंधी जानकारी दी। तंजानिया सरकार के मुख्य प्रवक्ता थोबियास मकोबा ने भी इस दुखद दुर्घटना के 10-दिवसीय बचाव अभियान को स्थगित करने की घोषणा की, जिसमें इमारत के मलबे में फंसे 85 से अधिक लोगों को बचाया गया था। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन द्वारा पिछले सप्ताह बुधवार को 20 शवों की अंतिम गिनती की घोषणा के बाद से नौ और शव बरामद किए गए हैं। हसन ने ब्राजील में जी20 शिखर सम्मेलन से लौटने के तुरंत बाद ढही इमारत के स्थल का निरीक्षण कर 20 मृतकों संबंधी जानकारी साझा की। चार मंजिला इस इमारत में दुकानें और अन्य व्यवसाय थे। यह 16 नवंबर को ढह गई थी। इसे तंजानिया की वाणिज्यिक राजधानी के तौर पर भी जाना जाता है। शुरुआत में 13 लोगों की मौत की खबर थी। सरकार ने कहा था कि जब तक इमारत के अंदर फंसे सभी लोगों को बचा नहीं लिया जाता।

ट्रंप ने कोलकाता में जन्मे जय भट्टाचार्य पर जताया भरोसा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ का निदेशक नामित किया

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलकाता में जन्मे भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. जय भट्टाचार्य पर भरोसा जताते हुए उन्हें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के निदेशक के रूप में नामित किया है। इसके अलावा जैमीसन ग्रीर को अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के रूप में चुना। साथ ही केविन ए. हैसेट को व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद का निदेशक नियुक्त किया है।द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान एवं वित्त पोषण संस्थानों में से एक है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. जय भट्टाचार्य एनआईएच प्रमुख होंगे। इसके साथ ही भट्टाचार्य शीर्ष प्रशासनिक पद के लिए नामित होने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बन गए हैं।इससे पहले नवनिर्वाचित

राष्ट्रपति ट्रंप ने टेस्ला के मालिक एलन मस्क के साथ नवगठित सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व करने के लिए भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी को चुना था। यह एक स्वैच्छिक पद है और इसके लिए अमेरिकी सीनेट से पुष्टि की आवश्यकता नहीं है।ट्रंप ने सोशल मीडिया में घोषणा की, %%मुझे जय भट्टाचार्य एमडी, पीएचडी को एनआईएच के निदेशक के रूप में नामित करके बहुत प्रसन्नता हो रही है। डॉ. भट्टाचार्य रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के साथ मिलकर राष्ट्र के चिकित्सा अनुसंधान की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे और स्वास्थ्य में सुधार लाने तथा लोगों का जीवन बचाने वाले महत्वपूर्ण खोज को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करेंगे।%%ट्रंप ने दूसरी पोस्ट में कहा कि आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष केविन ए. हैसेट ने 2017 के कर कटौती और रोजगार अधिनियम को पारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ट्रंप ने वकील और अपने पूर्व अधिकारी जैमीसन ग्रीर को यूएसटीआर के रूप में चुने जाने पर कहा कि ग्रीर उनके पहले कार्यकाल में व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट ई. लाइटहाइजर के स्टाफ प्रमुख के रूप में कार्य कर चुके हैं। जय भट्टाचार्य का प्रोफाइलजय भट्टाचार्य का जन्म पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ। वह उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गए। उन्होंने 1990 के दौर में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स और फिर मास्टर ऑफ आर्ट्स किया। इसके बाद डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) की डिग्री हासिल की और 2000 में अर्थशास्त्र से पीएचडी की। वो इस समय स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में स्वास्थ्य नीति के प्रोफेसर हैं।

इजरायली ने सीरिया-लेबनान सीमा क्रॉसिंग को बनाया निशाना

एजेंसी
दमिश्क। इजरायली युद्धक विमानों ने बुधवार आधी रात के बाद सीरिया और लेबनान के बीच आधिकारिक और अनौपचारिक 10

सीमा क्रॉसिंग को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक अन्य घायल हो गए। सीरियाई राज्य मीडिया और निगरानी समूहों ने यह जानकारी दी। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इजरायली विमानों ने पहली बार उत्तर-पश्चिमी प्रांत टार्टस के ग्रामीण इलाकों में अल-अरिदा में आधिकारिक क्रॉसिंग पर हमला किया, साथ ही होम्स के केंद्रीय प्रांत के ग्रामीण इलाकों में दबौसिह और जौसिह पर भी हमला किया। निगरानी समूह के अनुसार, ग्रामीण होम्स में वादी खालिद में अनौपचारिक क्रॉसिंग और अल-कबीर नदी पर तीन पुल, जो सीरिया और लेबनान को अलग करती है, को भी निशाना बनाया गया। सीरियाई राज्य टेलीविजन ने बताया कि अल-अरिदा क्रॉसिंग पर 18 लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। शाम एफएम रेडियो की एक रिपोर्ट में होम्स में दबौसिह क्रॉसिंग पर छह लोगों की मौत और 15 लोगों के घायल होने की सूचना दी गई।

ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे बाइडेन: व्हाइट हाउस

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने वादे के अनुसार श्री डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के वरिष्ठ उप प्रेस सचिव एंड्रयू बेट्स ने सोमवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ÷राष्ट्रपति ने वादा किया था कि जो भी चुनाव जीतेगा, वह उसके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। वह और प्रथम महिला उस वादे का सम्मान करेंगे तथा शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि श्री बिडेन इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन मानते हैं। गौरतलब है कि श्री ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह 20 जनवरी, 2025 को होगा।

भारत से नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे दो चीनी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। भारत से अवैध रूप से नेपाल में प्रवेश करने वाले दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाली सुरक्षाकर्मियों ने इन्हें नेपाल-भारत सीमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए एक चीनी नागरिक रोबिन पासपोर्ट ही यात्रा कर रहा था। इनको सीमा पार कराने के आरोप में एक मुस्लिम युवक भी पुलिस हिरासत में है। कपिलवस्तु जिला के पुलिस एसपी मोहनमणि अधिकारी ने कहा कि जिले के सीमावर्ती इलाके में तैनात नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस की एक संयुक्त गश्ती टीम ने उन्हें तब गिरफ्तार किया जब वे अवैध रूप से भारत से नेपाल में प्रवेश कर रहे थे। मुख्य सीमा नाका से प्रवेश ना करते हुए ये दोनों गांव की पगडंडियों को पार कर नेपाल में प्रवेश कर रहे थे। इन दोनों चीनी नागरिक को सीमा पार

करने में सहायता के लिए एक भारतीय मुस्लिम नागरिक को भी सुरक्षा बलों ने अपने नियंत्रण में लिया है। पुलिस एसपी अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार चीनी नागरिक 32 वर्षीय लिगुआ गुई और 35 वर्षीय ताओ हैं। गिरफ्तार 2 चीनी नागरिकों के साथ आए उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर जिले ककरहवा के रहने वाले 23 वर्षीय अरबाज शेष को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सुरक्षा बलों ने इन तीनों को पहले तो रुपंदेही जिला में रहे इमिग्रेशन विभाग में पूछताछ के लिए भेज दिया है। इनमें से गिरफ्तार 2 चीनी नागरिकों को आगे की कार्रवाई के लिए काठमांडू भेजा जा रहा है जबकि इनको सहायता करने वाले अरबाज शेष को आगे की जांच के लिए जिला पुलिस मुख्यालय कपिलवस्तु भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार चीनी नागरिक लिगुआंगुई के पास चीनी पासपोर्ट है, लेकिन एक अन्य चीनी नागरिक ताओ के पास चीनी पासपोर्ट नहीं है। पुलिस एसपी मोहनमणि अधिकारी ने बताया कि इनके पास से 2 लैपटॉप, विभिन्न कंपनियों के 6 मोबाइल फोन और 14,750 भारतीय रुपये नकद मिले। जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, जब्त की गई सभी वस्तुओं को आगे की जांच के लिए इमिग्रेशन कार्यालय भेज दिया गया है।

बंगलादेश ने हिंदू साधु की गिरफ्तारी के विरोध में भारत के बयान को किया खारिज

एजेंसी
ढाका। बंगलादेश की अंतरिम सरकार ने मंगलवार रात एक प्रमुख हिंदू साधु की गिरफ्तारी और जमानत से इनकार के विरोध में भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान का खंडन किया और कहा कि ÷इस तरह के निराधार बयान न केवल तथ्यों को गलत रूप से पेश करते हैं बल्कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच दोस्ती और समझ की भावना के विपरीत भी हैं।

एक बयान में, बंगलादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने बंगलादेश के आंतरिक मामलों से संबंधित मामले पर भारत के बयान पर गौर किया है। मंत्रालय ने इसे बेहद निराशाजनक और गहरी चोट की भावना कहा। उसने कहा कि हिंदू साधु चिन्मय कुमार दास की विशिष्ट आरोपों में हुई गिरफ्तारी को कुछ हलकों द्वारा गलत समझा गया है।बंगलादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत का बयान सभी धर्म के लोगों के बीच मौजूद सद्भाव और इस संबंध में सरकार और लोगों की प्रतिबद्धता और प्रयासों को प्रतिबिंबित नहीं करता है। बयान में कहा गया कि भारत का बयान इस बात की पूरी तरह से अवहेलना करता है कि बंगलादेश सरकार बंगलादेश के लोगों के खिलाफ घोर मानवाधिकार उल्लंघन करने वाले अपराधियों के लिए माफी की संस्कृति को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है, इस प्रकार धार्मिक बहुसंख्यक और अल्पसंख्यकों के साथ समान व्यवहार कर रही है। इसने कहा कि अपने नागरिकों, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के इले सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है, जो पिछले महीने पूरे बंगलादेश में दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण आयोजन से साबित हुआ है।बयान में कहा गया कि सरकार सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, और कहा कि वह चट्टोग्राम में एक वकील की क्रूर हत्या से चिंतित है, जो हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में हुई थी। इससे पहले दिन में भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में प्रमुख बंगलादेशी हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और जमानत से इनकार किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। चिन्मय कृष्ण दास ने बंगलादेश में अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए सक्रिय अभियान चलाया है और वह बंगलादेश सम्मिलित सनातन जागरण जोट के प्रवक्ता भी हैं।इस्कॉन के पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास को एक महीने पहले उन पर लगाए गए राजद्रोह के विवादास्पद आरोप के बाद गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने बंगलादेश के राष्ट्रीय ध्वज के बदले चटगांव में भगवा झंडे के साथ रैली का नेतृत्व किया था। उन्हें ढाका हवाई अड्डे से उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह चटगांव के लिए उड़ान भरने वाला था।

चटगांव में चिन्मय की रिहाई को लेकर झड़प में एक की मौत, छह घायल

एजेंसी
ढाका । बंगलादेश के चटगांव में इस्कॉन धर्मगुरू चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान शैफुल इस्लाम अलीफ के रूप में हुई है। जो पेशे से एक प्रशिक्षु वकील था। ढाका में एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आपातकालीन विभाग में ड्यूटी डॉक्टर डॉ. निबेदिता घोष के हवाले से इसकी पुष्टि की और घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों के नाम श्रीबास दास, शरकू दास, छोटन, सुजीत घोष, उत्पल और एनामुल हक शामिल हैं। आज अपराह्न अदालत द्वारा धर्मगुरु चिन्मय को जेल भेजने का आदेश दिये जाने के बाद कोतवाली थाने के लालदिघी इलाके में प्रदर्शकारियों की झड़प हो गयी। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी और अन्य छह लोग घायल हो गये। अदालत की कार्यवाही के दौरान चिन्मय कृष्णा की बचाव टीम ने

जमानत याचिका दायर की। हालांकि, सुनवाई के बाद अदालत ने याचिका खारिज कर दी और उन्हें तुरंत जेल भेजने का आदेश दिया। अदालत ने उनके वकीलों की याचिका के बाद जेल अधिकारियों को उन्हें विभागीय सुविधाएं प्रदान करने और उनकी धार्मिक प्रथाओं का पालन करने की अनुमति देने का भी निर्देश दिया। जब चिन्मय कृष्णा दास को पुलिस वैन में ले जाया जा रहा था, तभी उन्होंने हैंड माइक के माध्यम से भीड़ को शांत रहने और देश को अस्थिर करने वाले कृत्यों से बचने का आग्रह किया। गौरतलब है कि सोमवार दोपहर इस्कॉन धर्मगुरु चिन्मय को राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा क्षेत्र से हिरासत में लिया गया था।

इस्लामाबाद में भारी बवाल के बीच बुशरा बीबी और गंडापुर डी-चौक से पीछे हटे

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद का डी-चौक आज सुबह करीब तीन दिन बाद टकराव की टीस से मुक्त हुआ। खूनखराबे का गवाह बने इस चौक के आसपास के महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा के लिए तैनात फौजी यहां से पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के हजारों समर्थकों के चले जाने से कुछ सुकून में हैं। करीबन 34-35 हजार प्रदर्शनकारियों के काफिले का नेतृत्व कर रहे खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और पीटीआई संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बीवी बुशरा बीबी के यहां से चले जाने पर हुकूमत ने भी राहत की सांस ली है।

झड़पों के बीच सुनी गई गोलियों की आवाजएआरवाई न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, डी-चौक पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्ती देखकर पीटीआई संस्थापक की पत्नी बुशरा बीबी और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर कथित तौर पर भाग गए। इस दौरान फौज और पुलिस ने लगभग 450

पीटीआई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रशासन ने बुले क्षेत्र, खैबर चौक और कुलसुम प्लाजा को पीटीआई समर्थकों को खदेड़कर खाली करा लिया है। सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों के बीच पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। इस दौरान गोलियों की आवाज भी सुनी गई।इस चैनल ने सूत्रों के हवाले से कहा कि बुशरा बीबी और मुख्यमंत्री गंडापुर एक ही वाहन से भाग गए। इससे पहले संघीय सरकार के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने घोषणा की कि पुलिस पीटीआई प्रदर्शनकारियों से अपने स्तर पर निपटेगी। नकवी ने बुशरा बीबी पर इस्लामाबाद में जान-माल का नुकसान करने वाली सारी अराजकता को अंजाम देने का आरोप लगाया। आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि डी-चौक से प्रदर्शनकारियों को सफलतापूर्वक हटा दिया गया है। तीन दिन, छह की मौतडॉन समाचार पत्र की वेबसाइट पर अपडेट किए गए विवरण के अनुसार, संघीय राजधानी में सुरक्षा बलों और पीटीआई प्रदर्शनकारियों के बीच दिन भर की तीखी लड़ाई आज तड़के रेड जोन (डी-चौक) से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और समर्थकों के हटने के साथ समाप्त हो गई। अधिकारियों और अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि तीन दिनों के विरोध प्रदर्शन में कम से कम छह लोगों की जान चली गई। इसमें एक पुलिसकर्मी और तीन रेंजर्स शामिल हैं। बुशरा बीबी, मुख्यमंत्री गंडापुर सहित पीटीआई नेतृत्व ने देररात यहां से वापसी की। इससे पहले उन्होंने प्रदर्शनकारियों से 'घर जाने, रात का खाना खाने और कल वापस आने' का आग्रह किया।

यूरोपीय संघ की 45 से अधिक रूसी तेल टैंकरों पर प्रतिबंध लगाने की योजना

एजेंसी
मॉस्को। यूरोपीय संघ रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के 15वें पैकेज के हिस्से के रूप में 45 से अधिक रूसी तेल टैंकरों पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहा है।

ब्लूमबर्ग ने दस्तावेजों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट में कहा कि यूरोपीय संघ 50 से अधिक व्यक्तियों और लगभग 40 संगठन पर प्रतिबंध लग सकता है। इसके अलावा, यूरोपीय बंदरगाहों में प्रवेश और 45 से ज़्यादा रूसी तेल टैंकरों के लिए जोखिम भरे शिपिंग तक पहुँच पर प्रतिबंध भी शामिल है। प्रतिबंधों के अगले पैकेज में मुख्य रूप से रूसी सैन्य निर्माताओं के साथ-साथ कई चीनी कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई गई है, जो कथित तौर पर उन्हें ड्रोन के उत्पादन के लिए कुछ पुर्जे मुहैया कराती हैं।

रूसी कंपनियों के साथ-साथ सेना और कंपनी के अधिकारियों पर भी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

इसके अलावा, यूरोपीय संघ सर्बिया, ईरान, भारत, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उन संगठनों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है, जो कथित तौर पर रूसी संघ को सैन्य तकनीक हासिल करने में मदद करते हैं।

यूरापीय संघ को अंत में, उत्तर कोरिया के उन सैन्य अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है जो कथित तौर पर रूस में अपने सैनिकों को भेजने में शामिल हैं। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के स्थायी प्रतिनिधि बुधवार को एक बैठक में रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के 15वें पैकेज पर चर्चा शुरू करेंगे।

रब्बी मौत मामले में जारी की गई गिरफ्तार संदिग्धों की तस्वीरें

अबू धाबी । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने यहूदी धर्मगुरु रब्बी जवी कोगन की हत्या मामले में तीन संदिग्धों के नाम और तस्वीरें जारी की। रब्बी जवी कोगन का शव पिछले सप्ताह मिला था। द टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने इस हत्या को यहूदी विरोधी आतंकवादी घटनाबताया है। यूएई के अनुसार, तीनों व्यक्ति उज्बेक नागरिक हैं।

चीन, कनाडा और मेक्सिको पर लगाएंगे आयात शुल्क : ट्रंप का बड़ा ऐलान

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि वह जनवरी में कार्यभार संभालने के पहले दिन ही ऐसे आदेशों पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके तहत मेक्सिको और कनाडा से आने वाले सभी सामानों पर 25 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप का कहना है कि वो ऐसा तब तक करेंगे जब तक ये देश अपने अमेरिका में अवैध अप्रवासियों और फेंटेनाइल दवाओं के प्रवाह को बंद नहीं करते। ट्रंप ने यह भी घोषणा की कि अगर चीन ने अमेरिका में आ रहे फेंटेनाइल को रोकने के लिए निर्णायक कार्रवाई नहीं की तो वह चीन से आने वाले सामानों पर मौजूदा दरों के अलावा 10 प्रतिशत का टैरिफ लगा देंगे। राष्ट्रपति-चुनाव के दौरान ट्रंप ने अक्सर कहा था कि वह अमेरिकी हितों की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए टैरिफ का उपयोग करेंगे। हालांकि, अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि इन टैरिफ से अमेरिका में कीमतें बढ़ेंगी, क्योंकि आयातक और जिन देशों में उत्पाद बनाए जाते हैं, वहां की कंपनियां अक्सर टैरिफ बढ़ने का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल देती हैं, और इस मामले में यह बोझ अमेरिकी खरीदारों पर पड़ेगा।ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 20 जनवरी को, अपने कई पहले कार्यकारी आदेशों में से एक के रूप में मैं सभी आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करूंगा ताकि मेक्सिको और कनाडा पर संयुक्त राज्य अमेरिका में आने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सके और इसके बेतुके खुले बॉर्डर्स को बंद किया जा सके। उन्होंने आगे लिखा, यह टैरिफ तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि ड्रग्स, विशेष रूप से फेंटेनाइल और सभी अवैध प्रवासी हमारे देश पर आक्रमण करना बंद नहीं कर देते! मेक्सिको और कनाडा को लंबे समय से चले आ रहे इस समस्या को हल करने का पूर्ण अधिकार और शक्ति है। हम उनसे यह मांग करते हैं कि वह अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल करें और जब तक वह ऐसा नहीं करते, तब तक उन्हें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी!ट्रंप ने ट्रुथ पर एक दूसरे पोस्ट में चीन पर निशाना साधा, उन्होंने पोस्ट में लिखा, मैंने चीन से संयुक्त राज्य अमेरिका में भेजी जा रही ड्रग्स, विशेष रूप से फेंटेनाइल के बारे में कई बार बातचीत की, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। चीन के प्रतिनिधियों ने मुझसे कहा था कि वह इस काम में शामिल किसी भी ड्रग तस्कर को मौत की सजा देंगे, लेकिन अफसोस, उन्होंने कभी इसे लागू नहीं किया और ड्रग्स हमारे देश में मुख्य रूप से मेक्सिको के जरिए भारी मात्रा में आ रही हैं। जब तक यह नहीं रुकता, हम चीन पर उनके सभी उत्पादों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में आयात हो रहे हैं, किसी भी अन्य टैरिफ के ऊपर होगा।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आआपा ने मनाया स्थापना दिवस, पार्टी नेताओं ने संघर्ष के दिनों को याद किया

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने अपना स्थापना दिवस मनाया।पार्टी मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में आआपा के नेता शरीक हुए। इस अवसर पर आआपा नेत्री एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि इस देश के नेताओं ने हमें उस समय चुनौती दी थी लेकिन उन्हें क्या पता था कि अरविंद केजरीवाल इस देश की राजनीति में चमत्कार लेकर आयेंगे। अरविंद केजरीवाल वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने न सिर्फ इस देश में बदलाव का सपना देखा बल्कि उस सपने को साकार करके भी दिखाया। आतिशी ने कहा कि जब 12 साल पहले संविधान दिवस पर आम आदमी पार्टी की शुरुआत हुई थी, तब लोग हम पर हंसते थे और कहते थे कि तुम लोग राजनीति करोगे। तुम्हारे पास न मनी पॉवर है, न मसल पॉवर है, न तुम जात-पात-धर्म की बात करते हो, इस देश में ऐसे राजनीति नहीं होती है। मुझे आज भी याद है जब दिल्ली के चुनाव लड़ने का समय आया और अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली से तीन बार की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के सामने चुनाव लड़ने गए तो लोगों ने कहा कि अगर अरविंद केजरीवाल किसी और सीट से लड़ते होते तो शायद आम आदमी पार्टी की एक सीट आ जाती लेकिन अब आम आदमी पार्टी की एक भी सीट नहीं आएगी। यह 2013 के दिन थे।

डेंगू का कहर और सरकारी अनदेखी ले रही है लोगों की जान

चंडीगढ़, संजय अरोड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने डेंगू के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि डेंगू का सरकारी आंकड़ा करीब 6000 पर पहुंच गया है। लेकिन हकीकत में मामले इससे कई गुना ज्यादा हैं। अस्पतालों की ऐसी हालत है कि मरीज को भर्ती करने के लिए बेड तक मुहैया नहीं हो रहे हैं और ना ही उनका उचित इलाज हो पा रहा है। लगातार बीमारी लोगों की जान ले रही है लेकिन सरकार कुंभकरनी नींद में सो रही है। डेंगू का कहर और सरकारी अनदेखी लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रही है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि डेंगू ऐसी बीमारी है, अगर वक्त रहते इसकी रोकथाम की जाए, तो इससे बचा जा सकता है। लेकिन बीजेपी ने वक्त रहते ना फॉगिंग करवाई और ना ही स्वास्थ्य विभाग में डेंगू के लार्वा को खत्म करने के लिए किसी तरह की सक्रियता दिखाई। बीजेपी नई सरकार के जश्न में डूबी रही और लोगों की जान जाती रही। अब भी सरकार की तरफ से ऐसे कोई कदम नहीं उठाए जा रहे, जिससे बीमारी कम हो। क्योंकि जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की बजाय एक के बाद एक घोटाले को अंजाम देने का काम किया है। ऐसा करके ना सिर्फ सरकार ने जनता का करोड़ों रुपया लूटा है, बल्कि लोगों की जिंदगी से भी खिलवाड़ किया है। ये खुलासा खुद कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं और डॉक्टर मुहैया करवाने की बजाय सरकार करोड़ों रुपए के घोटालों को अंजाम देने में लगी हुई है। रिपोर्ट ने बताया है कि मात्र 42 से 209 किलोमीटर का सफर, कई एंबुलेंस ने 1,05,000 से लेकर 5 लाख रुपए में तय किया। यानी लगभग 2500 रुपये प्रति किलोमीटर में एंबुलेंस ने अपनी सेवाएं दीं। हमारी मांग है कि ऐसी एंबुलेंस चलाने की बजाए बीजेपी सरकार हेलीकॉप्टर चलवा दे, क्योंकि वो भी इससे सस्ता पड़ेगा। इतना ही नहीं एंबुलेंस के मरीजों तक पहुंचने के समय में भी जमकर झोल किया गया है। मरीज की कॉल और मरीज तक एंबुलेंस पहुंचने का टाइम बिलकुल एक ही है। यानी 0 सेकेंड, 0 मिनट में एंबुलेंस मरीज के पास पहुंच गई, मानो मरीज ने एंबुलेंस में बैठने के बाद ही कॉल किया हो। सीएजी रिपोर्ट में कहा है कि लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करते हुए सरकार ने ब्लैक लिस्टेड कंपनियों से भी दवाइयां और उपकरण खरीदे। इतना ही नहीं, सरकार ने ऐसी 15 एजेंसियों को 5.67 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया है, जिनकी दवाएं कई बार घटिया साबित हो चुकी हैं। जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने प्रदेश के शिक्षा व स्वास्थ्य तंत्र को पूरी तरह नजरअंदाज किया है। यही वजह है कि आज प्रदेश में लगभग 30% डॉक्टरों और 42 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों के पद खाली पड़े हुए हैं।

धन्यवाद दिवस- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

अमेरिका में 'धन्यवाद दिवस' का अपना ही महत्व है। यह दिन यूरोप और दूसरे देशों से आए लोगों ने अमेरिका के लोगों की सहायता देने के उपलक्ष्य में शुरू किया था, परंतु समय के साथ-साथ यह दिन 'धन्यवाद दिवस' के रूप में प्रचलित हो गया। कई बार जब हमें किसी से कोई भी चीज़ मिलती है तो हम उन्हें धन्यवाद करते हैं। चाहे यह हमारे परिवार, मित्रों, शिक्षकों, समाज और देश से मिले। इसके अलावा हम प्रभु से मिले सभी उपहारों के लिए भी उनका धन्यवाद करते हैं। हमें अपने जीवन में सबसे पहले पिता-परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि उन्होंने हमें ये मानव शरीर दिया है। चौरासी लाख जियाजून में केवल इस शरीर में ही हम अपने आपको जान सकते हैं और पिता-परमेश्वर को पा सकते हैं। इसके अलावा हमारे जीवन में प्रभु ने हमें अनेक बरकतें दी हैं। यदि हम एक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं तो हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जो किसी गंभीर बीमार से पीड़ित हैं। यदि हमें प्रत्येक दिन भोजन मिल रहा है तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि बहुत से लोगों को दो वक्त का भी भरपेट भोजन नसीब नहीं है। यदि हम देख, सुन और बोल पा रहे हैं तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि इस दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो देख पाते हैं, न ही सुन पाते हैं और न ही बोल पाते हैं। यदि हम आर्थिक रूप से संपन्न है तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि हम यह देखते हैं कि गरीबी के कारण जीवन में अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यदि हम अपने परिवार के साथ रह रहे हैं तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जोकि अनाथ हैं। इस तरह हम देखते हैं कि हमारे जीवन में प्रभु की अपार दयामेहर है तो इसलिए न सिर्फ धन्यवाद दिवस पर बल्कि हर रोज़ हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए। धन्यवाद दिवस पर हम केवल प्रभु का धन्यवाद करने तक ही सीमित न रहें बल्कि इस दिन हम यह भी प्रण करें कि प्रभु से मिली इन खुशियों को हम सबके साथ बाटेंगे और दूसरों की सेवा करेंगे। हम कई तरह से अपना सहयोग दे सकते हैं

सीएमएस द्वारा राष्ट्रीय मीडिया परामर्श का सफल आयोजन

नई दिल्ली। आर्द्रभूमि संरक्षण के मीडिया जुड़ाव हेतु आयोजित राष्ट्रीय मीडिया परामर्श का तीन दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया परामर्श कार्यक्रम का आज ग्रेटर नोएडा स्थित सूरजपुर आर्द्रभूमि पर क्षेत्रीय भ्रमण के साथ सफल समापन हुआ। इस कार्यक्रम में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जीआईज़ के इंडो-जर्मन जैव विविधता कार्यक्रम एवं आर्द्रभूमि संरक्षण के प्रति मीडिया के जुड़ाव को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर परिचर्चा की।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मिलीं मप्र की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की नगरीय प्रशासन एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने नई दिल्ली के प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के आर्थिक उत्थान और स्वावलंबन को प्रोत्साहन देने के लिए दो महत्वपूर्ण मांगें रखीं। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने आग्रह किया कि समर्थन मूल्य पर संचालित खरीदी केंद्रों में महिला स्वसहायता समूहों को 33% आरक्षण दिया जाए। वर्तमान में, स्वसहायता समूहों को केवल उन खरीदी केंद्रों का संचालन सौंपा जाता है, जो शेष रह जाते हैं। इस नीति में संशोधन कर महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने से समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त

बनने का अवसर मिलेगा। साथ ही महिला स्वसहायता समूहों के आर्थिक बोझ को कम करने के लिए उन्होंने सहकारी बैंकों से जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देने की योजना प्रारंभ करने का भी मांग रखी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में महिलाएं उच्च ब्याज दर पर ऋण लेकर कार्य कर रही हैं, जिससे उनके लाभ का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है। सहकारी बैंकों से जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देने की योजना के माध्यम से महिलाओं को अपने व्यवसाय और योजनाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने का अवसर मिलेगा। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन से महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकेंगी और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश की महिलाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी की सौजन्य भेंटमप्र की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी सौजन्य भेंट की।

आप का रोहतास नगर में हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन

एजेंसी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने रोहतास नगर विधानसभा में कार्यकर्ता सम्मेलन किया। यहां से प्रत्याशी सरिता सिंह के समर्थन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली की जनता को काम करने वाली सरकार चाहिए। इसलिए सबने यह संकल्प लिया कि अरविंद केजरीवाल को फिर दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि रोहतास नगर में भाजपा का पार्षद, विधायक और सांसद है। साथ ही केंद्र में भी उसकी सरकार है। लेकिन रोहतास नगर की बिडंबना है कि पिछले पांच साल में यह इलाका लगातार पिछड़ता गया है। इसलिए इस बार यहां की जनता ने ठाना लिया है कि दिल्ली में केजरीवाल की सरकार बन रही है, तो यहां से विधायक भी आम आदमी पार्टी का ही चुना जाए।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर ली हैं। पार्टी ने 11 विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। जहां-जहां उम्मीदवार घोषित हुए हैं, वहां-वहां पूरे दिल्ली में कार्यकर्ता सम्मेलन हो रहे हैं। आज रोहतास नगर विधानसभा में आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी सरिता सिंह के समर्थन में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

मप्र के किसान देवेन्द्र परमार दिल्ली में गोपाल रत्न राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 से सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में स्थित शुजालपुर कैंप की पटलावदा दुग्ध समिति के डेयरी किसान देवेन्द्र परमार को 'गोपाल रत्न' राष्ट्रीय पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर कृषक देवेन्द्र परमार को मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। जनसम्पर्क अधिकारी पंकज मित्तल ने बताया कि पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में उपलब्धि के लिए मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के किसान देवेंद्र परमार का केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2024 के लिए चयन हुआ है। उन्हें बेस्ट डेरी फार्मर वर्ग में देसी पशु नस्ल सुधार के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि

कृषक देवेंद्र परमार शाजापुर जिले के पटलावदा के दुग्ध उद्यमी किसान हैं, जो भोपाल दुग्ध संघ के अंतर्गत शुजालपुर दुग्ध उत्पादन समिति के सदस्य हैं। वे बड़ी संख्या में दुधारू पशुओं का पालन करते है और देसी गायों की नस्ल सुधार में उल्लेखनीय कार्य किया है। वे देव डेयरी के नाम से पैकेज्ड दूध बेचते हैं। उन्होंने अपने खेत में गोबर गैस संयंत्र भी लगा हुआ है, जिससे बड़ी मात्रा में गोबर गैस उत्पन्न करते हैं, साथ ही जैविक खाद बेचकर भी अच्छी आमदनी लेते हैं।

हेमंत सोरेन ने अरविंद केजरीवाल से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। झारखंड विधानसभा चुनाव संपन्न होने और भारी मतों से चुनाव जीतने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन ने आज आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। चुनाव में जीत के बाद दिल्ली दौरे पर आए हेमंत सोरेन अरविंद केजरीवाल के घर आए। दोनों नेताओं की यह मुलाकात आज शाम हुई। साथ केजरीवाल को रांची में मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण समारोह में आने का निमंत्रण भी दिया। इससे पहले मनी लांड्रिंग के मामले में जेल से जमानत पर बाहर आए हेमंत सोरेन जब दोबारा मुख्यमंत्री बने थे, तब उसके बाद 13 जुलाई को दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की थी। उस समय केजरीवाल जेल में थे। उनकी जमानत नहीं हुई थी। तब केजरीवाल

के सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास पर पत्नी कल्पना के साथ हेमंत सोरेन पहुंचे थे। उस समय वहां सुनीता केजरीवाल के साथ आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी थे। मुख्यमंत्री आवास में हेमंत सोरेन और सुनीता केजरीवाल के बीच कई मुद्दों पर बातें हुई थी।

काला जठेड़ी गैंग का शूटर हथियार के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। काला जठेड़ी गैंग के एक शार्प शूटर को छावला थाना पुलिस टीम ने हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान इकबाल उर्फ मिक्कू के रूप में हुई है। इसके पास से चोरी की स्कूटी, जिंदा कारतूस और कंट्री मेड पिस्टल बरामद किया गया। पता चला कि यह दिल्ली पुलिस का घोषित बदमाश है और इसके ऊपर कई मामले चल रहे हैं। यह हत्या के प्रयास, एक्सटॉर्शन, आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल रहा है। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि एसीपी रिछपाल सिंह की देखरेख में एसएचओ राजेश शर्मा, हेड कांस्टेबल महेंद्र और हेतराम की टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर इसके बारे में जानकारी इकट्ठा की। इसे रविवार शाम पपरावट गांव के एक क्रिकेट ग्राउंड के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार 2022 में इसने बाबा हरिदास नगर इलाके में एक्सटॉर्शन मनी डिमांड करने के लिए कारोबारी के यहां गोली चलाई थी।

आईसीजी ने अंडमान सागर में म्यांमार की नाव से जब्त की छह हजार किलो ड्रग्स

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने दो दिनों के भीतर अंडमान सागर में म्यांमार की मछली पकड़ने वाली म्यांमार की नाव से 6,016 किलोग्राम से अधिक मेथमफेटामाइन जब्त करके अब तक के सबसे बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई हजार करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स की यह जब्ती आईसीजी के इतिहास में सबसे बड़ी ड्रग बरामदगी है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी से निपटने में भारत की बढ़ती भूमिका के साथ-साथ समुद्री सीमाओं की सुरक्षा जटिलताओं को भी उजागर करती है। कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि यह ऑपरेशन 23 नवंबर को तब शुरू हुआ, जब आईसीजी के डोर्नियर विमान ने एक नियमित निगरानी उड़ान के दौरान भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में एक अज्ञात मछली पकड़ने वाली नाव का पता लगाया। संभावित खतरे को पहचानते हुए आईसीजी ने तेजी से एक समन्वित प्रतिक्रिया शुरू की। प्रतिकूल मौसम की स्थिति में श्री विजयापुरम से तेज गश्ती पोत अरुणा

आसफ अली को भेजा गया। संदिग्ध नाव पर घंटों नजर रखने के बाद आईसीजी ने सुबह होने के इंतजार में रात भर निगरानी बनाए रखी। इसके बाद 24 नवंबर को सुबह 6ः30 बजे चालक दल ने म्यांमार में पंजीकृत सो वेई यान हू नाव को रोक लिया। उन्होंने बताया कि नाव पर सवार चालक दल के छह सदस्यों ने घेराबंदी देख तुरंत लाल झंडे उठा दिए। इसके बाद जहाज को गहन जांच के लिए श्री विजयपुरम बंदरगाह ले जाया गया, जहां अधिकारियों ने क्रिस्टलीय मेथामफेटामाइन से भरे 222 बैग बरामद किए, जिनका कुल वजन 6,016.87 किलोग्राम था। ड्रग्स के साथ आईसीजी ने एक सैटेलाइट फोन और 633,850 क्यात मूल्य की म्यांमार मुद्रा जब्त की। दो दिनों तक चलाए गए इस ऑपरेशन में विदेशी जहाज को रोकने के लिए हवाई और समुद्री संपत्तियों ने बेहतरीन समन्वय के साथ काम किया। कमांडर उनियाल ने बताया कि यह सफल ऑपरेशन आईसीजी के चल रहे ड्रग तस्करी विरोधी प्रयासों का हिस्सा है, जो तस्करी करने वाले सिंडिकेट का सामना करने के भारत के संकल्प को भी उजागर करता है।

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
Mr. Birendra Singh s/o Padam Singh and Mrs. Vijay Kumari w/o Birendra Singh are absolute Woner of Plot No. 136 (Property ID-P07002190065) area measuring 98.21 Sq. Yds., and Plot No. C-135 (Property ID-P07002190064) area measuring 64.47 Sq. Yds. part of Khewat/Khata No. 117, 113/128, 129 Khasra No. 44/16, 17/1, 24/2, 25/1 situated at Village Fatehpur Chandila Tehsil and District Faridabad, Haryana. I Have Lost Original Release Deed vide Document No. 6173, dated 03.11.2021, Original SMC of Babu Lal Sharma, and Original SMC of Rakesh FIR for has been Done vide FIR No. 2344424/2024, dated 27/11/2024 if anybody found above mentioned deed kindly contact on- 9540419009 within 7 Days.
(Advocate Deepak Malik)
Off: -Shop no. 2, 1st First floor
Kataria complex, Near Axis Bank,
New Railway Road
Gurugram-122001

NAME CHANGE
It is for general information that I, PRAMOD SHAH MAHAJAN S/o VINDA SHAH, R/o 351, New Priyanka Camp, Madanpur Khadar, South Delhi, Delhi - 110076, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as and PRAMOD MAHAJAN and SEEMA DEVI MAHAJAN in my minor son namely NEERAJ SHAH, aged 16 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my wife are PRAMOD SHAH MAHAJAN and SEEMA DEVI respectively, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री **मनोज कुमार जैन** प्लॉट नं. 3 ए, 3 बी, खसरा नंबर 89 मिन, कुल क्षेत्रफल 300 वर्ग गज, जो की ब्लॉक-सी साईं धाम राज सिटी कॉलोनी ग्राम खानपुर जसी लोनी गाजियाबाद में स्थित संपत्ति क्षेत्र के मालिक हैं। उन्होंने उक्त संपत्ति 2 विक्रय विलेख के माध्यम से खरीदी हैं जो की विक्रय विलेख दिनांक 11.01.2024 जिसका क्रमांक 772 हैं जिसका क्षेत्र प्लॉट नं. 3 बी, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज, जो की श्रीमती रश्मी जैन द्वारा निष्पादित किया गया है और विक्रय विलेख दिनांक 27.03.2024 जिसका क्रमांक 5849 हैं जिसका क्षेत्र प्लॉट नं. 3 ए, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज जो की श्री सचिन जैन द्वारा निष्पादित किया गया है। **श्री मनोज कुमार** जैन उक्त संपत्ति को **हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड** के पास गिरवी रखने की प्रक्रिया में हैं। इस लेनदेन के संबंध में कोई भी आपत्ति या चिंता इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से 07 दिनों की अवधि के भीतर उठाई जानी चाहिए। इस 07 दिन की अवधि के पूरा होने के बाद प्रस्तुत की गई कोई भी आपत्ति उक्त संपत्ति या हमारे ग्राहक के हितों के संबंध में बाध्यकारी नहीं मानी जाएगी।
यदि कोई आपत्ति उठाना चाहता है, तो कृपया निर्धारित 07 दिनों की अवधि के भीतर
लॉ वेरिटासः उत्तर
(अधिवक्ता और कानूनी सलाहकार) से
कार्यालय संख्या 11, पहली मंजिल, भवन संख्या ए-44/ए, सेक्टर- में संपर्क करके ऐसा करें। 16, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301;
लैंडलाइनः +910120-3101683,
ई-मेलः accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE
It is for general information that I YOGESH KUMAR S/O BHAYRAM R/O H. No.-B-13 C, Street No- 1, Amar Colony, East Gokul Pur, North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine and my father name have been wrongly written as YOGESH KUMAR GAUTAM and BHAIYRAM in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father name are YOGESH KUMAR and BHAYRAM respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JAGDEEP SAINI S/o LATE RAMKISHAN SAINI R/o A-12, Gali No.-9, Harijan Basti, Nasirpur Colony, Palam, Distt. South West Delhi, Delhi-110045 declare that name of my mother has been wrongly written as MANJU in my 10th and 12th class Educational Documents and Service Record. The actual name of my mother is ANGREJO DEVI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJKUMAR YADAV S/o VISHAMBHER DAYAL YADAV R/o H.No. 16/12/1, 19/1/22/2, G/F, Near Murgi Farm, Qutab Vihar, Ph-I Goela Dairy, Taj Pur Khurd, Chhawla, South West Delhi, Delhi - 110071, declare that name of mine and my minor Son has been wrongly written as RAJ KUMAR and DEEPANSHU in my minor Son namely DEEPANSHU YADAV aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my minor Son are RAJKUMAR YADAV and DEEPANSHU YADAV, Which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, hitherto known as BEBY alias TILAK RANI W/o LAXMAN, Residing at 43, Gali No. 9, Ambedkar Colony, Haiderpur, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as BEBY.

NAME CHANGE
I, No-15147652L Rank-HAV Name-JAYANTA KUMAR BEHERA Father of PRIYANKA BEHRA Presently residing at VILL-VILLA, PO-DWARIKA, TEH-SORO, DIST-BALASORE, ODISHA-756044 have changed my minor daughter's name from PRIYANKA BEHRA to PRIYANKA BEHERA for all future purposes vide Affidavit dated 28/09/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-8886642P Rank-UDC Name-ARVIND KUMAR R/O 440H BLOCK, SOUTH MOTI BAGH, NANAKPURA, NEW DELHI-110021 have changed my wife's name from AMITA BHADOURIA to REEMA for all future purposes vide Affidavit Dated 27/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANEESH GARG S/O RAJPAL GARG R/O RZ-113 Santosh park Uttam nagar New Delhi-110059 have changed my name to Manish Garg

NAME CHANGE
I Raj Kumar Satija S/o Lajpat Rai R/o 206/1B, Gali No. 10, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi - 110032, have changed my name to Raj Kumar for all future purposes.S

NAME CHANGE
I MUDASSAR ALI s/o Late HAIDER ALI R/O H.No- 3, Kh. No-635, Upper Ground Floor Devli Village, South Delhi, Delhi-110080, do hereby solemnly affirm and declare that I have Embraced HINDUISM and renounced ISLAM Religion with effect from 05.07.2022.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHYAM SUNDER alias SHYAM SUNDER SHARMA S/o JAGESHWAR SHARMA R/o A-53/1, Harkesh Nagar, Okhla Industrial Estate, South Delhi, Delhi-110020, have changed my name and shall hereafter be known as SHYAM SUNDER SHARMA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SAGAR GIROTRA S/O SANJAY GIROTRA residing at 16 & 17, PANDIT PARK, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to SAGAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I Aakanksha Kaushik W/o Vineet Verma R/o J-1/13 DLF Phase - 2, opposite Sahara Mall, Sikanderpur, Ghosi (68) DLF QE Gurgaon Haryana 122002 have changed my name to Aakanksha Kaushik Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VASNAVA KAILAS BOKARE is daughter of No.GS-188975W Rank-DVRMT GDE-II Name-BOKARE KAILAS SHANKAR presently residing at Qtr No. G-59, TYPE-II, NANAKPURA, SOUTH MOTI BAGH, NEW DELHI-110021 have changed my name from VASNAVA KAILAS BOKARE to VAISHNAVI KAILAS BOKARE for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL922814 26675760W Dated 26/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VIVEKANAND alias VIVEKANAND MEVAL S/o RAMRATAN Permanent R/o 46, Railway Line KePass, Jatav Colony, Nadbai, Bharatpur, Rajasthan - 321602 Presently residing at House No. 230-231, F/F, Pocket -5 , Rohini, Sector -25 , Delhi - 110085 have changed my name and shall hereafter be known as VIVEKANAND MEVAL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as AVINASH S/o GOPAL SHARMA residing at WZ-586, Near by Holi Chowk, Naraina Village, South West, Delhi - 110028 have changed my name and shall hereafter be known as AVINASH SHARMA.

NAME CHANGE
I MUDASSAR ALI s/o Late HAIDER ALI R/O H.No- 3, Kh. No-635, Upper Ground Floor Devli Village, South Delhi, Delhi-110080, have changed my name MUDASSAR ALI to ANIRUDH SINGH and shall hereafter be known as ANIRUDH SINGH.

NAME CHANGE
I,Sunil bindal S/o-khem Chand Aggarwal R/o S-67 Parm Puri, Uttam Nagar nagar,D.k.Mohan Garden west delhi - 110059 have changed my name from Sunil bindal to Sunil kumar bindal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUSHILA Wife of NO-16011779K Rank-HAV Name-DEVI LAL residence of VPO-SESAM, TEH-DANTA RAM GARH, DISTT-SIKAR, RAJASTHAN-332023, have changed my name from SUSHILA to SUSHILA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 27/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,KULVINDER SINGH, S/O TEJPAL SINGH, R/O B-108, THIRD FLOOR, KALKA JI, NEW DELHI-110019,HAVE CHANGE MY NAME TO KULWINDER SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Shitiz Singh S/o Sh. Siyaram Singh R/o H. NO - C-1/4, Street No 18, Khajuri Khas, Sher Pur, North East Delhi, Delhi 110094 have changed my name from Shitiz to Shitiz Singh for all future purposes.That both names Shitiz & Shitiz Singh are the names of the same person.

NAME CHANGE
I Arjun Kumar S/O Deena Nath Gupta R/O-House NO-E-671, Gali NO-10 West Vinod Nagar, East Delhi-110092 have changed my name to Arjun Kumar Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Priyaranjan Parashar S/o Shree Bhagwan Prasad Verma R/o LP-43/D, First Floor, Maurya Enclave, Pitampura, North West Delhi-110034, have changed the name of my minor son BHUVANESH AMBASHTHA (DOB:- 19.01.2010 aged 14 years) and he shall hereafter be known as BHUVNESH PARASHAR for all purposes. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.PRIYARANJAN PARASHAR

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 सीआरपीसी देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) शंकर लाल, पुत्र मोहन लाल निवासी खड्डा कॉलोनी, बुरामपुर, लोनी, गाजियाबाद, यूपी (2) तरूण अरोड़ा पुत्र राम लाल अरोड़ा निवासी मकान नंबर 369 जे-ब्लॉक जहांगीरपुरी, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 243/2019 भा.द.सं. की धारा 380/457/411/34 के तहत, थाना मुखर्जी नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **शंकर लाल** और **तरूण अरोड़ा** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **शंकर लाल** और **तरूण अरोड़ा** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 243/2019 भा.द.सं. की धारा 380/457/411/34 के तहत, थाना मुखर्जी नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शंकर लाल** और **तरूण अरोड़ा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.01.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हों।
आदेशानुसार
सुश्री निहारिका कुमार शर्मा
एलडी. अतिरिक्त मुख्य महानगर दण्डाधिकारी, उत्तर
दि.पु./15410/उत्तर पश्चिम/2024 **कमरा नं. 117, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली**

NOTICE
Public at large is hereby informed that our client M/s S.P Kapoor & Sons through its Karta Sh. Sanjay Kapur is the owner of Plot no. 464, area measuring 200.00sq. mtr. In PKT-C, In IFC Gajipur Scheme in the layout Plan of Gajipur vide Conveyance deed dated 13.07.2015 executed by POI in favour of M/s S.P Kapoor & Sons (HUF) through its Karta Sh. Shashi Prakash Kapoor (vide doc no. 11059 pages no. 5589 pages no. 180-182 SR VII)in respect of Plot no. 464, area measuring 200.00sq. mtr. Initially, Initially, DDA allotted said Plot in favour of M/s S.P Kapoor & Sons Thereafter, Registered Perpetual Lease Deed dated 13.02.2007 exceuted by DDA in favour of M/s S.P Kapoor & Sons (HUF) (vide doc no. 3412 Book No.1 Vol no. 2420 pages no. 179-184) Finally, registered Conveyance deed dated 13.07.2015 executed by POI in favour of M/s S.P Kapoor & Sons (HUF) through its Karta Sh. Shashi Prakash Kapoor (vide doc no. 11059 pages no. 5589 pages no. 180-182 SR VII)in respect of Plot no. 464, area measuring200.00sq. mtr.Now, SMC late Sh. Shashi Prakash Kapoor in favour of Smt. Kiran Kapoor & Ms. Richa Sakhuja & Sh. Sanjay Kapur & Ms. Shruti Anand & Ms. Upasna Khanna wherein Sanjay Kapur became the karta of M/s S.P Kapoor & Sons after demise of previous karta Shashi Prakash Kapoor and now our abovementioned client intends to mortgage the said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI **PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE**
DATE: 27/11/2024 Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Gagan Thukral S/o Mr. Atam Prakash Thukral is the owner of Freehold Residential Property Bearing No. 203/10-11, area measuring 50 Sq. Yds., out of total area measuring 200 Sq. Yds., out of Khasra No. 147 Min., & Khewat/Khata No. 43/66. Situated in the revenue estate of Village Garhi Jharia, Maria, Colony known as Amritpuri-B, Garhi, East of Kailash, New Delhi-110065. by Virtue of Sale Deed dated 19.03.2024 duly registered in the office of SR- South East Defence Colony, Vide Doc. No. 2024/9/I/1631, Vol. No. 3744, Book No. 1, On Pages 55-76, dated 19.03.2024. in the Chain Documents below mentioned not available i.e. Death Certificate & SMC of Mr. Mohan Lal Died, SMC of Mr. Ramji Lal, Death Certificate & SMC of Mr. Om Prakash, Death Certificate & SMC of Mrs. Meenu, Death Certificate & SMC of Mr. Dhani Ram, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Second Floor without roof rights Sold too be Mr. Manas Maity and Same property is Finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Kalkaji, Delhi.If any person(s) has any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

जनकार्यों को बेवजह लंबित रखने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई:अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने कहा कि जनकार्यों को बेवजह लंबित रखने तथा बिना किसी ठोस कारण के नागरिकों के अपने कार्यालयों में चक्कर लगवाने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों पर नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह बात लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर के दौरान आमजन की शिकायतें सुनते हुए कही। उन्होंने अधिकारियों को शिविर के दौरान आने वाली शिकायतों पर आगामी कार्रवाई करने की हिदायत दी। समाधान शिविर के दौरान सात शिकायतें मिली, जिनके समाधान के लिए उपायुक्त अभिषेक मीणा ने समय सीमा निर्धारित करते हुए विभाग अध्यक्षों की जिम्मेवारी तय की है।

उन्होंने कहा कि शिकायत का समाधान करने की दिशा में गंभीरता से कार्य किया जाए। हरियाणा सरकार और ज़िला प्रशासन का यही लक्ष्य है कि नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर मुहैया कराई जाएं। समाधान शिविर में पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित, एसडीएम सुरेंद्र सिंह, सीईओ विकास यादव, सीटीएम प्रीति रावत सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

लोक अदालत में आपसी समझौते पर किया जाएगा केस का निपटाराः सीजेएम वर्मा

रेवाड़ी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 14 दिसंबर को रेवाड़ी स्थित न्यायिक परिसर सहित बावल व कोसली में भी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसी के साथ उपभोक्ता न्यायालय में व स्थाई लोक अदालत में 13 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी राष्ट्रीय एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव अमित वर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि परिवादी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह व समझौते के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से केस का निपटारा करा सकते हैं। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव अमित वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करा सकता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा व समय की बचत जैसे लाभ मिलते हैं।

उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश, खेल सुविधाओं का हो विस्तार

रेवाड़ी। उपायुक्त एवं जिला खेल परिषद् के अध्यक्ष अभिषेक मीणा ने जिला खेल परिषद् के अधिकारियों व सदस्यों की बैठक ली। उन्होंने जिला में खेल सुविधाओं के विस्तार तथा आधारभूत सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।बैठक में राव तुलाराम स्टेडियम में राव तुलाराम की मूर्ति स्थापित करने, हुड्डा बाईपास वाले गेट को मैन गेट बनाकर उसका भव्य निर्माण करवाने, लॉन टेनिस मैदान के लिए प्रशिक्षक नियुक्त करने, मशीनरी एवं टूल की खरीद, पीने के पानी के लिए टैंक का निर्माण, स्टेडियम की दुकानों के सामने से सर्विस व स्लिपरोड के निर्माण, शॉपिंग काम्पलैक्स की दुकानों के हस्तांतरण की प्रक्रिया, नए शौचालय का निर्माण, खाली पड़े स्थान के उपयोग, जिला में गुरावड़ा, मनेठी, पांचौर व नेहरूगढ़ खेल नर्सरियों में फ्लड लाईटें लगवाने, गुरावड़ा, मनेठी, पांचौर नेहरूगढ़, कोसली व बावल खेल परिसरों में बुशकटर खरीदने, यूथ हॉस्टल को सैनिक स्कूल प्रबन्ध से चार्ज में लेने, रेड क्रॉस सोसाईटी द्वारा वर्तमान में बैडमिन्टन खेल हेतु संचालन किए जा रहे कम्यूनिटी हाल को परिषद् के अधीन करने व जिला में बैडमिन्टन खेल की नर्सरी के आवेदन बारे भी विचार विमर्श किया गया। इसी प्रकार से राजीव गांधी व खण्ड स्तरीय खेल परिसरों में खिलाडियों को पीने के पानी की व्यवस्था हेतु वाटरकूलर लगवाने, राजीव गांधी खेल परिसर, धारूहेडा तथा बावल को किसी इच्छुक कम्पनी को रख-रखाव हेतु गोद देने बारे भी चर्चा की गई।

किसान आंदोलन की चौथी बरसी पर मजदूरों व किसानों ने किया प्रदर्शन

जींद। संयुक्त किसान मोर्चा एवं ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर ऐतिहासिक किसान आंदोलन की चौथी बरसी एवं संविधान दिवस के अवसर पर किसान, मजदूरों नें शहर में चेतावनी प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने लघु सचिवालय पहुंच कर उपायुक्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन सौंपा। इससे पहले किसान-मजदूर के नेहरू पार्क में एकत्रित हुए और जनसभा की। जिसकी अध्यक्षता सयुंक्त रूप से किसान सभा की नेता अनीता कर्मगढ़, किसान यूनियन से रामफल कंडेला, सतबीर खरल, आजाद आदि ने की। मजदूर व किसान ने बताया कि चार साल पहले आज ही के दिन लामबांदी के माध्यम से मजदूर विरोधी चार लेबर कोड के विरोध में राष्ट्रव्यापी हड़ताल की थी और किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ संसद की ओर ऐतिहासिक मार्च शुरू किया था। लंबे संघर्ष के बाद कृषि कानून वापस लिए जाने पर किसानों से किए गए वादे आजतक पूरे नहीं हुए हैं। श्रम की आउटसोर्स और ठेकाकरण की नीति खत्म हो।

लाडवा को मॉडल विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रही सरकारः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लाडवा हल्का को मॉडल विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए सरकार योजना बना रही है और इस योजना के अनुसार धीरे-धीरे लाडवा को विकसित करने का काम किया जाएगा। इस हल्का के हर गांव और वार्डों का लोगों के सुझावों के अनुसार विकास किया जाएगा और नागरिकों की सभी सामूहिक मांगों को सबसे पहले पूरा किया जाएगा।मुख्यमंत्री देर सायं लाडवा विधानसभा क्षेत्र के गांव मथाना व लाडवा में आयोजित धन्यवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री का गांव मथाना व लाडवा में पहुंचने पर लोगों ने स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव

मथाना के विकास के लिए 21लाख रुपये देने की घोषणा करने के साथ-साथ और लाडवा व मथाना की सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडवा हल्का के नागरिकों के आशीर्वाद से प्रदेश के लोगों की सेवा करने की उन्हें दूसरी बार और प्रदेश सरकार को तीसरी बार सेवा करने का अवसर मिला है। अब सरकार नॉन स्टॉप गति से लाडवा के साथ-साथ हरियाणा प्रदेश का विकास करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने का काम किया जाएगा और इस प्रदेश के हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने पिछले 10 सालों में समाज के अंतिम व्यक्ति की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाने का काम किया है। सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 30-30 गज के 15430 प्लाट देने का काम किया है और अन्य योग्य प्रार्थियों को भी जल्द प्लाट की सौगात दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 70वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हर श्रेणी के व्यक्ति को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये का निशुल्क इलाज व निशुल्क डायलिसिस की सुविधा भी दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने लोगों को लूटने का काम किया है।

जमीन रिलीज करने के एवज में पांच लाख रिश्वत लेते हुए कानूनगो व दलाल गिरफ्तार

एजेंसी

कैथल। एंटी क्रप्शन ब्यूरो ने जमीन रिलीज करने की एवज में लैंड एक्यूजेशन डिपार्टमेंट पंचकूला में कार्यरत कानूनगो व दलाल को पांच लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों के गिरफ्तार किया है। एसीबी ने रात यह कार्रवाई की है।

आरोपी कानूनगो कर्मबीर सिंह ने शहर के सेक्टर-18 में जमीन को रिलीज करने के एवज में 30 लाख रुपए रिश्वत मांगी थी। वह 20 लाख रुपए पहले ही ले चुका है। वह शिकायतकर्ता से बकाया रूपयों? की बार-बार मांग कर रहा था। इंस्पेक्टर सुबे सिंह ने बताया कि राजकुमार ने विजिलेंस को शिकायत दी थी कि उसने सेक्टर- 18 में जमीन खरीदने के लिए मालिकों से इकरारनामा किया हुआ है। उसके पास जमीन मालिकों की तरफ से जारी की गई पावर ऑफ अटॉर्नी भी है

राजकुमार ने बताया कि उसने जमीन की निशानदेही को लेकर पंचकूला के लैंड एक्विजिशन विभाग के कानूनगो कर्मबीर से बातचीत की। कर्मबीर ने इसके लिए 30 लाख रुपए मांगे। इस पर उन्होंने 20 लाख की राशि दे दी। बाद में आरोपी ने निशानदेही के लिए पांच लाख रुपए की और मांग की। आरोपी कानूनगो कर्मबीर और दलाल चरण सिंह ने भूमि की निशानदेही करने के बाद दस्तावेज देने से पहले 5 लाख रुपए देने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने विजिलेंस में शिकायत की और दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

सी एंड डी वेस्ट के निस्तारण के लिए चार नए प्लांट लगाएंः राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में गुरुग्राम के विकास से जुड़े 40 विभिन्न बिंदुओं के संबंध में पुलिस विभाग, गुरूग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए), नगर निगम गुरुग्राम व मानेसर, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण व एचएसआईआईडीसी की समन्वय बैठक ली।बैठक में जीएमडीए के सीईओ ए. श्रीनिवास, डीसी अजय कुमार व निगमायुक्त अशोक गर्ग ने गुरुग्राम से जुड़ी मौजूदा विकास परियोजनाओं और उनकी प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कैबिनेट मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से शहर में जलभराव, पेयजल की समस्या, सी एंड डी वेस्ट, कूड़े के निस्तारण, प्रमुख चौक चौराहों व मार्गों पर जाम की समस्या, अवैध पार्किंग जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अधिकारियों को गुरुग्राम की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय व कार्य गुणवत्ता को मंत्र बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कैबिनेट मंत्री ने बैठक में कहा कि ऐसा संज्ञान में आया है कि गुरुग्राम में करीब 132 मिक्सचर प्लांट्स संचालित किए जा रहे है। जिसमें से केवल 65 के

पास ही वैध लाइसेंस है। उन्होंने कहा कि इन मिक्सचर प्लांट्स में डम्पर के आवगमन से सडक़ों का नुकसान हो रहा है। साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से भी यह ठीक नहीं है। राव नरबीर सिंह ने फैक्टरियों द्वारा बादशाहपुर ड्रेन में छोड़े जा रहे कैमिकल वेस्ट के विषय पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि पर्यावरण की दृष्टि से यह बहुत ही गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसी फैक्टरियों पर सख्त कार्रवाई की जाए जोकि अन्य के लिए उदाहरण बने। कैबिनेट मंत्री ने शहर में जलभराव की निकासी के लिए पंप व्यवस्था पर असंतुष्टि जाहिर करते हुए कहा कि यह एक दूरगामी समस्या है। जिसके लिए हमें स्थायी समाधान खोजना होगा। इस दौरान जीएमडीए के सीईओ ए. श्रीनिवास ने बताया कि शहर की इस प्रमुख समस्या के लिए एक एजेंसी को हायर किया गया है, जो गुरुग्राम की एक विस्तृत स्टडी रिपोर्ट बनाएगी। राव नरबीर ने इस संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि शहर के विकास व समस्या के निवारण से जुड़ी परियोजनाओं में आमजनता व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की राय भी अहमियत दी जाए। कैबिनेट मंत्री ने शहर में बढ़ते सी एंड डी वेस्ट व उसके उठान के लिए किए जा रहे।

हरियाणा में पांच झोला छाप डाक्टरों का पंजीकरण रद्द, मामला दर्ज करने के आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा मेडिकल काउंसिल ने एक आदेश जारी करके पांच डाक्टरों का पंजीकरण रद्द करते हुए धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं। दो अन्य का रजिस्ट्रेशन रद्द करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। सभी सात आरोपित डाक्टरों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। हरियाणा मेडिकल काउंसिल की तरफ से इस संबंध में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. मनीष बंसल और डा. कुलदीप को भी पत्र लिखकर जानकारी मुहैया करायी गई है। हरियाणा मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार मनदीप सचदेवा ने आज बताया कि जिन पांच डॉक्टरों ने फर्जी एनओसी के आधार पर रजिस्ट्रेशन के लिए काउंसिल के पास आवेदन किया था। उनका रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। इनमें डॉ. प्रवेश कुमार ने फर्जी एनओसी दी थी, जिसकी मध्य प्रदेश से सत्यता पता लगाई गई। मध्य प्रदेश ने यह एनओसी फर्जी होने की बात कही। इसी तरह से डॉ. अंकित त्यागी की फर्जी एनओसी को पता लगाने के लिए एमएमयू मुलाना भेजा गया था। जहां से उसके फर्जी होने का पता चला। डॉ. शत्रुघन यादव की एनओसी को मध्य प्रदेश ने फर्जी बताया है। डॉ. प्रदीप कुमार जयसवाल की एनओसी को एमएमयू मुलाना ने फर्जी बताया है। इसके अलावा डॉ. कुणाल की एनओसी को भी उड़ीसा ने फर्जी बताया है। मामले में काउंसिल से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अगर किसी की एनओसी फर्जी पाई जाती है तो एक तरह से वह फर्जी डॉक्टर ही होता है। काउंसिल आगे इस निष्कर्ष तक भी पहुंचने का प्रयास करेगी कि आखिर ऐसे गलत लोगों को फर्जी एनओसी कौन जारी करता और इसमें कौन लोग शामिल हैं। जांच के बाद ही रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

युवाओं को संविधान के बारे में होनी चाहिए पूरी जानकारी : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल एवं कानून और विधायी राज्य मंत्री हरियाणा सरकार गौरव गौतम ने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह हम सब देशवासियों के लिए गर्व की बात है। हमारे युवाओं को संविधान के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। डा. भीमराव अंबेडकर ने देश के संविधान को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल एवं कानून और विधायी राज्य मंत्री हरियाणा सरकार गौरव गौतम नेताजी सुभाषचंद्र बोस इंडोर स्टेडियम में 75वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि युवाओं सहित वहां उपस्थित सभी को संबोधित कर रहे थे। समारोह में 75वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन का भी लाइव प्रसारण दिखाया व सुनाया गया। वहीं संविधान दिवस पर आधारित लघु फिल्म को भी लोगों के समक्ष प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। इससे पहले खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय उच्च विद्यालय सल्लागढ़ में स्थापित बााब साहिब डा. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर होडल के विधायक हरिंद्र सिंह, जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ और अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी ने भी बाबा साहिब अमर रहें के जयकारों के बीच उनकी प्रतिमा पर माला अर्पण की। इसके पश्चात खेल राज्य मंत्री गौतम नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंडोर स्टेडियम तक निकाली गई संविधान स्वाभिमान पदयात्रा में शामिल हुए।

दानवीर सेठ छाजू राम ने देश में शिक्षा की लौ जगाकर लोगों को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का किया कामः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि दानवीर सेठ छाजू राम ने देश में शिक्षा की लौ जलाकर कर लोगों को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का काम किया। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र के विकास में उनके द्वारा दिया गया योगदान हमेशा रहेगा अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिले में जाट शिक्षण संस्था के 100 वर्ष पूरा होने व चौधरी छाजू राम जी की 159वीं जयंती के उपलक्ष्य में छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय में आयोजित समारोह में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय में योगा एवं इनडोर एक्टिविटी मल्टीपर्पज हॉल का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने

ऐच्छिक कोष से जाट शिक्षण संस्था को 31 लाख रुपये का अनुदान देने की भी घोषणा की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हम जो विकसित हरियाणा देख रहे हैं, उसे बनाने में ऐसी संस्थाओं ने महान योगदान दिया है। जाट शिक्षण संस्थाओं जैसी सभी संस्थाओं ने प्रदेश तथा देश के विकास में अहम योगदान दिया है। सेठ छाजूराम शिक्षा के महत्व को भली भांति जानते थे, इसीलिए उन्होंने शिक्षा पर बल देते हुए अनेक शिक्षण संस्थान स्थापित किये, इन शिक्षण संस्थाओं ने देश को अनेक आईएएस अधिकारी, न्यायाधीश, खिलाड़ी, वैज्ञानिक तथा राजनेता दिए हैं, जिन्होंने भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित करने का काम किया है।नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो उन्हें रोजगार सक्षम बनाए, चरित्रवान बनाए और उनमें नैतिक गुणों का समावेश करे। इसी दिशा में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। केन्द्र सरकार ने इस नीति को वर्ष 2030 तक लागू करने का लक्ष्य रखा है, परन्तु हरियाणा में इसे वर्ष 2025 तक ही पूरी तरह से लागू कर दिया जाएगा। यह नीति लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है।

बिना पंजीकरण के चल रहे बाल संरक्षण गृह के खिलाफ होगी कार्रवाईः अनुपमा अंजलि

एजेंसी

रेवाड़ी। जिला में कोई भी बाल संरक्षण गृह बिना पंजीकरण के संचालित नहीं होना चाहिए। जिला में सभी बाल गृह जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत पंजीकृत होने चाहिएं। अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डा. दिव्या गुप्ता की वीसी के बाद जिला के बाल गृह से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जिला में कोई भी बाल गृह बिना पंजीकरण के संचालित पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण गृहों का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है, जहां वे अच्छे नागरिक के रूप में विकसित हो सकें। बाल संरक्षण गृहों में बच्चों को न केवल रहने की सुविधाएं दी जाएं, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य होना चाहिए कि बाल संरक्षण

गृह में रहने वाला कोई भी बच्चा असुरक्षित या उपेक्षित महसूस न करे। बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि वे देश का भविष्य हैं। बाल संरक्षण गृहों में बच्चों को उनकी उम्र और जरूरतों के हिसाब से सेवाएं दी जाएं, ताकि वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें। इस मौके पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी दीपिका यादव, पीओआईसी सरस्वती यादव, काउंसिल नीतू सैनी सहित जिला बाल संरक्षण विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ललित बतरा बने राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार ने बगैर नेता प्रतिपक्ष के लिया फैसलासेवानिवृत्त जिला जज कुलदीप जैन व एडवोकेट दीप भाटिया सदस्य नामित चंडीगढ़, 26 नवंबर (हि.स.)। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट की फटकार के बाद राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ललित बतरा को हरियाणा राज्य मानव अधिकार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। सरकार ने इस आयोग के लिए दो सदस्यों को भी नामित किया है। अब हरियाणा सरकार इस संबंध में हाई कोर्ट में सकारात्मक जवाब दाखिल करेगी।

दरअसल, हरियाणा में करीब 14 माह से राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों के पद रिक्त चल रहे थे। राज्य सरकार ने मंगलवार को विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए राज्यपाल के पास अध्यक्ष तथा सदस्यों के नाम का पैनल भेज दिया। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद गृह सचिव अनुराग रस्तोगी ने एक अधिसूचना जारी करके पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश ललित बतरा को हरियाणा राज्य मानव अधिकार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। इसके अलावा सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुलदीप जैन तथा एडवोकेट दीप भाटिया को मानव अधिकार आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। दीप भाटिया पहले भी आयोग के सदस्य रह चुके हैं। कैथल के एक व्यक्ति की याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने इस संबंध में सरकार को फटकार लगाते हुए अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति करने के निर्देश जारी किए थे। इस बीच हरियाणा में पहले लोकसभा और फिर विधानसभा चुनाव आ गए, जिसके चलते यह नियुक्तियां सिरे नहीं चढ़ सकी। हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार को 28 नवंबर तक का समय दिया था। सरकार ने पिछले सप्ताह सर्च कमेटी की बैठक बुलाई थी लेकिन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर कोई भी शामिल नहीं हुआ, जिसके चलते यह मामला और गहरा हो गया। सर्च कमेटी की बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री, विधानसभा स्पीकर तथा गृह सचिव शामिल हुए। कांग्रेस ने इस बैठक में शामिल होने के लिए किसी भी विधायक को नामित नहीं किया था। अब हरियाणा सरकार के वकील इस अधिसूचना के आधार पर हाई कोर्ट में अपनी रिपोर्ट दाखिल करेंगे।

प्रदेश की एक हजार ग्राम पंचायतों में खोल जाएंगी ई-लाइब्रेरीः पंवार

एजेंसी

कैथल। हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने आरकेएसजी कॉलेज में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उसके बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। आरकेएसजी कॉलेज में कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री कृष्ण लाल पवार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्राम सचिव के पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और बीडीपीओ के पदों को भी जल्द भरा जाएगा।

प्रदेश की एक हजार ग्राम पंचायतों में ई-लाइब्रेरियां खोली जाएंगी, जिनमें ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करेंगे और अच्छी उपलब्धि हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में बीजेपी सरकार ने एक लाख 46 हजार युवाओं को बिना खर्ची व पर्ची के मैरिट के आधार पर नौकरी देने का काम किया है। अभी संकल्प पत्र में हमनें फैंसला किया है कि इन 5 सालों में दो लाख नौकरियां और दी जाएंगी। इसके साथ ही 1000 गांव में सांस्कृतिक केंद्र खोले जाएंगे, जहां महिलाएं एक साथ बैठकर भजन-

कीर्तन कर सके। एक हजार गांव की फिरनी को पक्का करके उसमें स्ट्रीट लाईट लगाएंगे।

प्रदेश में 19 हजार तालाब हैं। पहले फेज में 6 हजार तालाबों का सुधारीणकरण करेंगे। प्रदेश सरकार द्वारा सभी गांव में समान रूप से विकास कार्यों के लिए बजट दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को मकान दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व रणदीप सुरजेवाला अभी सदमें है। वह अभी सदमें से बाहर नहीं आए हैं। जो व्यक्ति सदमें में होता है वह अनाप शनाप ब्यान देता है। पंचायत मंत्री ने कहा कि प्रशासनिक बैठकों में वहीं व्यक्ति बैठेगा जो उस पद पर विराजमान हैं। अगर सरपंच पत्नी है तो वहीं बैठक में बेठेगी। ऐसा नहीं कि उनकी जगह उनका पति प्रतिनिधि बनकर बैठेगा और वहीं बैठक में बोलेगा। कई जगहों पर तो डीसी ने उन्हें स्वयं बोले देते हैं।

रोहतक में किसानों व मजदूरों ने किया चेतावनी प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

रोहतक। संयुक्त किसान मोर्चा व केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर विभिन्न किसान मजूदरों व कर्मचारी संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर शहर में प्रदर्शन किया और प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। किसान सभा जिला प्रधान प्रीत सिंह ने बताया कि आज ही के दिन किसानों ने अपनी मांगों को लेकर दिल्ली कूच किया था और आंदोलन 13 महीने चला, जिसके बाद केन्द्र सरकार व किसानों के बीच लिखित में समझौता हुआ था, लेकिन आज तक सरकार ने स्वीकृत समझौते को लागू नहीं किया है, जिसके चलते संयुक्त किसान मोर्चा व केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर सरकार के खिलाफ चेतावनी दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इसी के तहत आज यह रोष प्रदर्शन कर सरकार को चेताया गया है कि अगर जल्द स्वीकृत मांगों को पूरा नहीं किया तो आंदोलन दोबारा से शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकारी विभागों का तेजी से निजीकरण कर रही है, जिसे किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन में सीटू से भगत सिंह, बीकेयू से जयभगवान, राजेंद्र तोमर, खेत मजदूर यूनियन से रामचंद्र बैंसी, किसानी प्रतिष्ठा मंच से सुशीला , सर्व कर्मचारी संघ से सुमेर सिवाच, वीरेंद्र सिंगरोहा सहित काफी संख्या में किसान व मजदूर शामिल हुए। किसान व मजदूरों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में सभी फसलों के लिए सी-2+50त्न पर एमएसपी घोषित करने, चार लेबर कोड को रद्द, सभी मजदूरों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 26 हजार रुपये प्रति माह का न्यूनतम वेतन, निर्माण मजदूर के लिए बने कल्याण बोर्ड में लगाई जा रही मनमानी शर्तों और भ्रष्टतंत्र पर सख्त कार्रवाई करने एवं सभी निर्माण एवं मनरेगा मजदूरों का बोर्ड के तहत पंजीकरण सुनिश्चित करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए सर्वसमावेशी ऋण मुक्ति, किसानों और मजदूरों के लिए कम ब्याज दरों पर ऋण सुविधाएं सुनिश्चित करने, घरेलू उपयोगकर्ताओं और दुकानों को प्रतिमाह तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली देने, डिजिटल कृषि मिशन, राष्ट्रीय सहयोग नीति और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ आईसीएआर समझौते, जो राज्य सरकारों के अधिकारों का अतिक्रमण करते हैं और कृषि के निगमीकरण को बढ़ावा देते हैं।

रुपया दो पैसे फिसला

एजेंसी
मुंबई। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आयात पर टैरिफ लगाने के वादे से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मज़बूत होने के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया दो पैसे फिसलकर 84.32 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 84.30 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरूआती कारोबार में रुपया चार पैसे की बढ़त लेकर 84.26 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली होने से 84.23 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली के दबाव में यह 84.35 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 84.32 रुपये प्रति डॉलर की तुलने में दो पैसे फिसलकर 84.32 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया।

शक्कर में उठाव, खाद्य तेलों गिरावट, दलहन नरम, उड़द मोगर सस्ती, चावल यथावत

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव बढ़ा बताया गया। खाद्य तेलों में गिरावट हुई। आज मूंगफली तेल नीचा होकर बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली रही। दलहन मांग कमजोर होने से नरम रहे। आज चना कांटा नीचा होकर बिका। दालों में उठाव सुस्ती से उड़द मोगर में भाव कम हुए। चावल में कामकाज बना रहा।

किराना बाजार
सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव बताया गया। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा दिसावर के साथ मजबूत रहा। खोपरा गोला तथा हल्दी में मांग रही।

तेल-तिलहन
खाद्य तेलों में मांग कमी से भाव में गिरावट दर्ज की गई। आज मूंगफली तेल सस्ता होकर बिका। तिलहन में सरसों में खरीदी बनी रही।?

दाल-दलहन
संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज नरमी लिए रहा। आज चना कांटा सहित प्रमुख दलहन? मंदे का ध्यान लगाए बताएं गए। दालों में गिरावट रही। उड़द मोगर सस्ती बिकी। चावल में लिवाली बनी बताई गई।

टोटल एनर्जीज के साथ किसी नई वित्तीय प्रतिबद्धता पर चर्चा नही : एजीईएल

मुंबई । उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने फ्रांस स्थित टोटलएनर्जीज का भारत में अडानी समूह से संबंधित निवेश को लेकर जारी बयान पर आज स्पष्ट किया कि वह टोटलएनर्जीज के साथ किसी नई वित्तीय प्रतिबद्धता पर चर्चा नहीं कर रहा है।

एजीईएल ने शेयर बाजार को जारी अपने स्पष्टीकरण में कहा, टोटलएनर्जीज ने 25 नवंबर, 2024 को अपनी वेबसाइट पर 'टोटलएनर्जीज का भारत में अडानी समूह से संबंधित निवेश पर वक्तव्य' शीर्षक से जारी बयान मीडिया में प्रकाशित और प्रसारित हुई है। कंपनी ने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि टोटलएनर्जीज के साथ किसी नई वित्तीय प्रतिबद्धता पर चर्चा नहीं हो रही है। इसलिए, प्रेस विज्ञप्ति का कंपनी के संचालन या इसकी विकास योजना पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और उनका स्वास्थ्य अच्छा है, आरबीआई के प्रवक्ता ने मीडिया को यह जानकारी दी। दास को पहले निगरानी के लिए चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रवक्ता ने सुबह कहा था, 'भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास को एसिडिटी की शिकायत थी और उन्हें निगरानी के लिए चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उनकी तबीयत ठीक है और अगले 2-3 घंटों में उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। चिंता की कोई बात नहीं है।'

वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग और आर्थिक मामलों के विभाग के पूर्व सचिव शक्तिकांत दास ने 12 दिसंबर, 2018 को भारतीय रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर के रूप में पदभार संभाला था। अपनी वर्तमान भूमिका से पहले, उन्होंने 15वें वित्त आयोग के सदस्य और भारत के जी20 शेरपा के रूप में कार्य किया। दास को शासन में चार दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है, उन्होंने वित्त, कराधान, उद्योग और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों में प्रमुख पदों पर कार्य किया है। वित्त मंत्रालय में अपने कार्यकाल के दौरान, वे आठ केंद्रीय बजट की तैयारी में निकटता से शामिल रहे। शक्तिकांत दास दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से स्नातकोत्तर हैं।

सीईए ने हाइड्रो श्रेणी की स्वदेश में विकसित एसएचकेटी प्रौद्योगिकी को मान्यता दी

एजेंसी
नई दिल्ली केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने हाइड्रो श्रेणी की स्वदेश में विकसित सतही हाइड्रोकाइनेटिक टरबाइन प्रौद्योगिकी को मान्यता दी है। इसका उद्देश्य शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करना, देश के बिजली क्षेत्र में सतत विकास को सुनिश्चित करना और नवाचारों को बढ़ावा देना है। विद्युत मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने, देश के बिजली क्षेत्र में सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने तथा वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों की खोज करने के लिए हाइड्रो श्रेणी के तहत सतह हाइड्रोकाइनेटिक टर्बाइन (एसएचकेटी) प्रौद्योगिकी को अपनी मान्यता दे दी है। मंत्रालय के

मुताबिक एसएचकेटी विद्युत ऊर्जा के उत्पादन के लिए व्यावहारिक रूप से शून्य खिंचाव हेड के साथ बहते पानी की गतिज ऊर्जा का उपयोग करता है, जबकि पारंपरिक इकाइयां आवश्यक 'हेड' के निर्माण के लिए बांध, डायवर्सन वियर और बैराज जैसे उपयुक्त सिविल संरचनाओं के निर्माण के माध्यम से पानी की संभावित ऊर्जा का उपयोग करती हैं। ये तकनीक एक ऐसा समाधान है, जो बिजली क्षेत्र को बेस-लोड, चौबीसों घंटे अक्षय ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायता मिल सकती है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां ग्रिड की पहुंच कम है। सरफेस हाइड्रोकाइनेटिक टर्बाइन को लगाना आसान है और यह लागत प्रभावी है, जिसकी उत्पादन लागत 2-3 रुपये प्रति यूनिट है। यह तकनीक अक्षय ऊर्जा के खरीदारों और निर्माताओं दोनों के लिए फायदा पहुंचाती है। विद्युत मंत्रालय ने कहा कि एसएचकेटी तकनीक को अपनाना, भारत की नहरों, जलविद्युत टेल्रेस चैनल के व्यापक जल अवसंरचना को स्थायी ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस तकनीक में गीगावाट पैमाने पर अपार संभावनाएं हैं, जिसमें अक्षय ऊर्जा से लाभ लेने के बहुत से अवसर हैं, जिससे बिजली क्षेत्र का समग्र विकास होगा।

सरकार ने कोयला विधेयक के मसौदे पर सुझाव व प्रतिक्रियाएं आमंत्रित कीं

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) संशोधन विधेयक, 2024 के मसौदे पर जनता से सुझाव और प्रतिक्रियाएं आमंत्रित की है।

कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) संशोधन विधेयक, 2024 के मसौदे पर प्रतिक्रियाएं आमंत्रित की गई हैं। यह सुझाव एवं प्रतिक्रियाएं जनता से सार्वजनिक परामर्श अभ्यास के हिस्से के रूप में आमंत्रित की गई हैं। मंत्रालय के मुताबिक कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) संशोधन विधेयक, 2024 और संशोधित किए जाने वाले मौजूदा प्रावधानों और संबंधित प्रस्तावित संशोधनों को सारणीबद्ध करने वाला विवरण मंत्रालय की वेबसाइट https://coal.nic.in पर अपलोड कर दिया गया है। प्रस्तावित मसौदा विधेयक पर प्रतिक्रियाएं dk.solanki[at]nic[dot]in और arvind.kumar|®[at]nic[dot]in पर ईमेल द्वारा 27 दिसंबर, 2024 तक भेजी जा सकती हैं।

भारत ने रियाद डिजाइन कानून संधि के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने रियाद डिजाइन कानून संधि (डीएलटी) के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं, जो समावेशी विकास को बढ़ावा देने और अपने बौद्धिक संपदा (आईपी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के सदस्य देशों ने करीब दो दशकों के गहन विचार-विमर्श के बाद ऐतिहासिक डिजाइन कानून संधि (डीएलटी) को अपनाया है। इस संधि का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर औद्योगिक डिजाइन संरक्षण प्रक्रियाओं में सामंजस्य स्थापित करना है, जिससे लघु और मध्यम उद्यमों सहित सभी उद्योगों के हितधारकों को लाभ पहुंचे। मंत्रालय ने कहा कि रियाद डिजाइन कानून संधि के निर्णायक अधिनियम पर हस्ताक्षर करके भारत अपनी प्रगति को आगे बढ़ाते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा देने तथा बौद्धिक संपदा संरक्षण तक न्यायसंगत पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस संधि का उद्देश्य औद्योगिक डिजाइन

संरक्षण के लिए प्रक्रियात्मक प्रारूप को सुसंगत बनाते हुए कई अधिकार क्षेत्रों में पंजीकरण प्रक्रियाओं की दक्षता और पहुंच में सुधार करना है। मंत्रालय ने कहा कि डीएलटी औद्योगिक डिजाइन पंजीकरण के लिए एक मानकीकृत ढांचा पेश करता है, जिससे प्रक्रियागत जटिलताओं और आवेदकों के लिए प्रशासनिक बोझ में उल्लेखनीय कमी आती है। विभिन्न अधिकार क्षेत्रों में पंजीकरण आवश्यकताओं को सरेखित करके, संधि का उद्देश्य छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई), स्टार्टअप और स्वतंत्र डिजाइनरों को सशक्त बनाते हुए नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम और स्टार्टअप बौद्धिक संपदा संरक्षण (एसआईपीपी) योजना जैसी पहलों के साथ संयुक्त होने पर ये प्रावधान स्टार्टअप और एसएमई को वैश्विक स्तर पर डिजाइन अधिकार सुरक्षित करने, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के साथ-साथ बाजार के विकास का समर्थन करने में सहायता प्रदान करेंगी। दरअसल, रचनात्मकता और शिल्प कौशल की अपनी समृद्ध विरासत के साथ भारत ने लंबे समय से दीर्घकालिक आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में डिजाइन की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचाना है। नवाचार के उत्प्रेरक के रूप में डिजाइन संरक्षण पर देश की नीति ने प्रभावशाली परिणाम दिए हैं। पिछले दशक में भारत में डिजाइन पंजीकरण तीन गुना बढ़ गए हैं, पिछले दो वर्षों में सिर्फ घरेलू दाखिलों में 120 फीसदी की वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय रूप से पिछले वर्ष डिजाइन आवेदनों में 25 फीसदी की वृद्धि हुई।

मौजूदा पैन कार्ड धारकों को पैन 2.0 के तहत दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आज स्पष्ट किया कि मौजूदा पैन (स्थायी खाता संख्या) कार्ड धारकों को केंद्र सरकार की उन्नत प्रणाली पैन 2.0 के तहत नए पैन के लिए आवेदन करने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 25 नवंबर 2024 को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने आयकर विभाग की पैन 2.0 परियोजना को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य मौजूदा पैन प्रणाली को अपग्रेड करना और इसे उपयोगकर्ता के लिए और अधिक अनुकूल बनाना है। सीबीडीटी ने बयान जारी कर कहा कि पैन 2.0 परियोजना का उद्देश्य पैन और टैन (कर कटौती और संग्रह खाता संख्या) जारी करने और प्रबंधित करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाना है ताकि इसे उपयोगकर्ता के लिए और अधिक अनुकूल और कुशल बनाया जा सके। सीबीडीटी ने आज जारी अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) में कहा, मौजूदा पैन कार्ड धारकों को उन्नत प्रणाली (पैन 2.0) के तहत नए पैन के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।÷ उसने कहा कि 78 करोड़ पैन और 73.28 लाख टैन के मौजूदा

पैन डेटाबेस के साथ पैन 2.0 परियोजना करदाताओं की आवश्यकताओं को संबोधित करती है, जिसमें कई प्लेटफार्मों एवं पोर्टलों के एकीकरण और पैन-टैन धारकों को कुशल सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वर्तमान में पैन से संबंधित सेवाएं तीन अलग-अलग प्लेटफार्मों पर उपलब्ध हैं। पैन 2.0 के कार्यान्वयन के साथ ये सभी सेवाएं एक ही पोर्टल में एकीकृत हो जाएंगी। सीबीडीटी ने कहा, ÷यह वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म पैन और टैन से संबंधित मुद्दों एवं मामलों को व्यापक रूप से संभालेगा, जिसमें आवेदन, अपडेट, सुधार, आधार-पैन लिंकिंग, पुनः जारी करने के अनुरोध और यहां तक कि पैन का ऑनलाइन सत्यापन भी शामिल है। ऐसा करके आयकर विभाग प्रक्रियाओं को सरल बनाने, विलंब को खत्म करने और शिकायत निवारण तंत्र में सुधार करने का प्रयास कर रहा है।

केंद्र को कोल ऑफ इंडिया से मिला 6128 करोड़ रुपये का लाभांश

एजेंसी
नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने केंद्र सरकार को लाभांश किश्त के रूप में 6128 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वित्त मंत्रालय के निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सचिव ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार को लाभांश किश्त के रूप में कोल इंडिया लिमिटेड से करीब 6128 करोड़ रुपये का प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि कोल इंडिया लिमिटेड सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी है। यह नवंबर 1975 में अस्तित्व में आई थी। कोयला मंत्रालय के अधीन कार्यरत सीआईएल आज दुनिया में सबसे बड़ा कोयला उत्पादक है।

विश्व बैंक ने त्रिपुरा, नागालैंड में वन प्रबंध में सुधार की 22.55 करोड़ डॉलर की परियोजना मंजूर की

एजेंसी
नई दिल्ली। विश्व बैंक ने त्रिपुरा और नागालैंड के 400 से अधिक गांवों में वन, आर्द्र भूमि आदि के अच्छे प्रबंध तथा लकड़ी को छोड़ कर वन आधारित अन्य प्रकार की आर्थिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए 22.55 करोड़ डॉलर की परियोजना के वित्त पोषणा के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

विश्व बैंक के यहां स्थानीय कार्यालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार उसके कार्यकारी निदेशक मंडल ने सोमवार को इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी। इस परियोजना से एक लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र का प्रबंध बेहतर होगा और वनों पर आश्रित सात लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा। बयान में कहा गया है कि इस परियोजना का उद्देश्य निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में अगरवुड, बांस और शहद जैसे वन उत्पादों के माध्यम से समुदायों के लिए आर्थिक अवसर खोलना है।

परियोजना के लिए विश्व बैंक की रियायती वित्तपोषण एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आईबीआरडी) से 12 वर्ष की परिपक्वता का कर्ज मिलेगा। जिसमें 4.5 वर्ष की छूट अवधि शामिल है। परियोजना को अंतराष्ट्रीय प्रोग्रीन कार्यक्रम के तहत 24 लाख डालर के अनुदान का लाभ भी लाभ होगा।भारत में विश्व बैंक के निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा, ÷यह परियोजना लकड़ी को छोड़ कर वन पर आधारित अन्य आर्थिक गतिविधियों में निजी क्षेत्र द्वारा संचालित रोजगार सृजन के लिए वनों का लाभ उठाने, वन की कार्बन सिंक क्षमता को बढ़ाने और अंततः त्रिपुरा और नागालैंड में आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण में योगदान करने में योगदान देगी।

विज्ञप्ति के मुताबिक वन परिदृश्य प्रबंधन की एन्हांसिंग लैंडस्केप एंड इकोसिस्टम मैनेजमेंट (एलीमेंट) परियोजना एक लाख हेक्टेयर से अधिक वन को संरक्षित और पुनर्स्थापित करने में मदद करेगी, जिससे आर्थिक परिवर्तन के लिए वन-आधारित उत्पादन श्रृंखलाओं को बढ़ावा मिलेगा और प्रति वर्ष लगभग 435,000 टन कार्बन उत्सर्जन से बचा जा सकेगा। इस परियोजना से मृदा संरक्षण प्रणाली भी सशक्त होगी और जल उपलब्धता बढ़ेगी। बयान के मुताबिक इस परियोजना के तहत परियोजना का उद्देश्य पर्यटन और प्रकृति गाइडों के लिए प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से वन-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवाओं और महिलाओं के लिए 60,000 नौकरियां पैदा करने का भी लक्ष्य है। बयान में कहा गया है इन दोनों प्रदेशों में लगभग 15 लाख क्षेत्र फैला वन क्षेत्र वहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनकी आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से की आजीविका का आधार है, लेकिन पिछले एक दशक में, राज्यों ने वन क्षेत्र में कमी का अनुभव किया है, जिससे जैव विविधता और वन-निर्भर समुदायों के हितों को खतरा है। परियोजना के लिए टास्क टीम के नेता पीयूष डोगरा और राज गांगुली ने कहा, इस परियोजना में पारंपरिक वनों से आगे बढ़कर घास के मैदानों, आर्द्रभूमि और कृषि भूमि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

मूडीज ने अडाणी समूह के सात कंपनियों की रेटिंग घटाकर 'नेगेटिव' किया

एजेंसी
नई दिल्ली। अडाणी समूह की मुश्किलें कम होने की बजाय दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। अमेरिकी अदालत में लगे आरोपों के बाद ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अडाणी समूह की सात कंपनियों का आउटलुक 'स्थिर' से घटाकर 'नेगेटिव' कर दिया है। शेयर बाजार में भी अडाणी सूमह की कंपनियों के शेयरों में चौतरफा बिकवाली देखी गई, जबकि सबसे ज्यादा गिरावट अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आई।

मूडीज ने कहा कि अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के चेयरमैन गौतम अडाणी और समूह के प्रबंधन के वरिष्ठ सदस्यों पर कथित रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद अडाणी समूह की सात इकाइयों के साख परिदृश्य को

'स्थिर' से घटाकर 'नकारात्मक' कर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इन कंपनियों में अडाणी ग्रीन एनर्जी और अडाणी ट्रांसमिशन की दो-दो यूनिट, अडाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) और अडाणी इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल हैं। अमेरिकी अभियोजकों ने उद्योगपति गौतम अडाणी पर कथिच तौर पर सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ अमेरिकी (करीब 2100 करोड़ रुपये) से अधिक की रिश्वत देने की योजना का हिस्सा होने का आरोप लगाया है। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने उन पर आपराधिक मामला दर्ज किया है, जबकि अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने समूह के खिलाफ दीवानी मामला दायर किया है।

दो दिन मजबूत होकर फिर लाल निशान पर बाजार; सेंसेक्स 105 अंक फिसला, निफ्टी 24200 से नीचे

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों को लेकर चिंता के बीच कमजोर वैश्विक बाजार रुख के अनुरूप सेंसेक्स और निफ्टी में दो दिन की तेजी थम गई और ये गिरावट के साथ बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 105.79 अंक या 0.13 प्रतिशत गिरकर 80,004.06 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 311.18 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 79,798.67 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 27.40 अंक या 0.11 प्रतिशत गिरकर 24,194.50 अंक पर आ गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो और पावर ग्रिड सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। एशियन पेंट्स, इंफोसिस,

जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक लाभ में रहे। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की इस टिप्पणी से उत्पन्न चिंताओं के कारण वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट आई कि 20 जनवरी को पदभार ग्रहण करते ही वे मैक्सिको, कनाडा और चीन पर नये टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं।

एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और शंघाई में गिरावट दर्ज की गई जबकि हांगकांग में तेजी रही। यूरोपीय बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। अदाणी समूह के सभी शेयरों में गिरावट रही, जिसमें अडानी ग्रीन एनर्जी में 7.05 प्रतिशत की गिरावट आई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत बढ़कर 73.58 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बेंचमार्क शेयर सूचकांक में तेजी आई, जिसमें भाजपा द्वारा महाराष्ट्र में शानदार प्रदर्शन करने, रिकॉर्ड संख्या में सीटें जीतने और पार्टी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को भारी जीत दिलाने से मदद मिली। सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 992.74 अंक या 1.25 प्रतिशत बढ़कर 80,109.85 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 314.65 अंक या 1.32 प्रतिशत बढ़कर 24,221.90 अंक पर बंद हुआ था। पिछले कई दिनों से जारी बिकवाली के बाद सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने खरीदारी की। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने 9,947.55 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गौतम-सागर अदाणी पर लगे आरोपों को समूह ने नकारा; कहा- अमेरिकी कोर्ट में FCPA के उल्लंघन का आरोप नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। जानेमाने कारोबारी और अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर लगे आरोपों को अदाणी समूह ने सिरे से खारिज कर दिया। अदाणी समूह ने बुधवार को कहा कि गौतम अदाणी और उनके भतीजे पर रिश्वतखोरी का कोई आरोप नहीं है। इसके अलावा उन पर एक मामले में अमेरिकी अधिकारियों की ओर से कोर्ट में दायर अभियोग में अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के किसी भी उल्लंघन का आरोप भी नहीं लगाया गया है।

रिश्वतखोरी के आरोपों से घिरी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि तीनों पर एफसीपीए उल्लंघन का आरोप लगाने वाली रिपोर्ट गलत हैं। उन पर ऐसे अपराधों का आरोप लगाया गया है, जो मौद्रिक जुर्माना या सजा के साथ दंडनीय हैं। गौतम अदाणी, सागर अदाणी और विनीत जैन पर यूएस डीओजे के अभियोग या यूएस एसईसी की सिविल शिकायत में निर्धारित एफसीपीए के किसी भी उल्लंघन का आरोप नहीं लगाया गया है। फाइलिंग में कहा गया कि इन निदेशकों पर आपराधिक अभियोग में तीन मामलों में आरोप लगाए गए हैं, पहला- कथित प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश, दूसरा- कथित वायर धोखाधड़ी की साजिश, और तीसरा- कथित प्रतिभूति धोखाधड़ी। अदाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि वह अपने बचाव के लिए हर संभव कानूनी कदम उठाएगा। गौतम अदाणी, सागर अदाणी और विनीत जैन के खिलाफ अमेरिका के मामले में न्याय विभाग की ओर से न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के संयुक्त राज्य जिला न्यायालय के सामने एक आपराधिक अभियोग दायर किया गया है। कंपनी ने कहा कि अभियोग में किसी भी जुर्माने या दंड को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया गया है। यानी कितनी सजा का प्रावधान है या कितने जुर्माने का प्रावधान है? यह तय नहीं किया गया है। सिविल शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अधिकारियों ने प्रतिभूति अधिनियम 1933 और प्रतिभूति अधिनियम 1934 की कुछ धाराओं का उल्लंघन किया और और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को अधिनियमों के उल्लंघन के लिए उकसाया। हालांकि, शिकायत में प्रतिवादियों को नागरिक मौद्रिक दंड का भुगतान करने का निर्देश देने के लिए एक आदेश की मांग की गई है, लेकिन यह दंड की राशि को निर्धारित नहीं करता है। अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अदाणी (62), उनके भतीजे सागर अदाणी और अन्य पर सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 2020 से 2024 के बीच भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। अदाणी पर 2,029 करोड़ रुपये (265 मिलियन डॉलर) की रिश्वतखोरी का आरोप लगा है। एक अनुमान के अनुसार इससे समूह को संभावित रूप से दो अरब डॉलर से अधिक का लाभ हो सकता है। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया कि यह सब उन अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छुपाया गया, जिनसे अदाणी समूह ने इस परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। कुछ रिपोर्ट्स में किए गए दावों के अनुसार, गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी ब्रायन पीस ने बयान में कहा था, प्रतिवादियों ने अरबों डॉलर के अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की एक विस्तृत साजिश रची। विभिन्न कारोबारों से जुड़े अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी, उनके भतीजे एवं अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी और कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रहे विनीत जैन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी, प्रतिभूति धोखाधड़ी साजिश और वायर धोखाधड़ी की साजिश का आरोप लगाया गया है।

सर्दियों की ये सब्जियां खूब खाएं, नहीं बढ़ेगा वजनज्बीमारियां भी रहेंगी दूर

सर्दी के दिनों में वजन बढ़ने का डर सता रहा है, क्योंकि ठंड बढ़ने पर कई बार वर्कआउट या सुबह की स्किप हो जाती है, तो अपनी डाइट को बैलेंस बनाना फिट रहने का सबसे बढ़िया तरीका है. सर्दियों की कुछ ऐसी सब्जियां हैं जो कम तेल और कम मसाले में पकाई जाती हैं, साथ ही इनमें पोषक तत्व भी भरपूर मात्रा में होते हैं.

सर्दी के दिनों में लोगों को वजन बढ़ने की काफी चिंता रहती है, क्योंकि इन दिनों रूटीन थोड़ा सुस्त हो जाता है. ठंड की वजह से लोग व्यायाम भी कई बार स्किप कर देते हैं. ऐसे में डाइट हेल्दी रखने की जरूरत होती है, ताकि बढ़ते वजन को कंट्रोल में रखा जा सके. सर्दी के सीजन में मार्केट में कई ऐसी सब्जियां आती हैं जो न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होती हैं और आपको हेल्दी रखने के साथ भी फिट रखने में भी हेल्प करती हैं, क्योंकि इन सब्जियों को ज्यादा मसाले या फिर तेल में पकाने की जरूरत नहीं होती है. इस विंटर अगर आप भी हेल्दी और फिट रहना चाहते हैं तो डाइट में सर्दियों की इन सब्जियों को शामिल करें और अनहेल्दी फूड को कहें बाय-बाय.

मौसम कोई भी हो अनहेल्दी फूड्स जहां आपके शरीर में कई बीमारियों की वजह बन सकते हैं तो वहीं मौसमी सब्जियां और फल हेल्दी रखने में हेल्प करते हैं तो चलिए जान लेते हैं सर्दी के सीजन में आने वाली न्यूट्रिशन रिच सब्जियों के बारे में जो न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होती हैं और कम मसाले और तेल में बन जाती हैं.

गाजर का करें सेवन

सर्दी के दिनों में गाजर खूब आती है और ये सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद रहती है. गाजर में विटामिन ए होता है जो आंखों के लिए फायदेमंद रहता है. वेट कंट्रोल करना है तो खाने के साथ इसका सलाद की तरह खा सकते हैं या फिर ब्रेकफास्ट में कम तेल वाला चीला बनाकर खाया जा सकता है. गाजर को कद्दूकस करके बेसन के बेटर में मिला लें और टेस्टी चीला बनाएं. मटर, गाजर की सब्जी कम तेल में बनाई जा सकती है.

हरे साग खाएं

सर्दी के दिनों में मार्केट में हरी पत्तेदार सब्जियां खूब आती हैं और ज्यादातर पत्तेदार सब्जियां बहुत ही कम मिर्च मसाले और कम तेल में ही बनती हैं. पालक से लेकर सरसों का साग, चौलाई, मेथी का साग, नारी का साग, चना का साग, बथुआ. ये खाने में न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं. इन साग को आप बाजरे, ज्वार, रागी आदि अनाजों की रोटी के साथ खा सकते हैं. ये कॉम्बिनेशन और भी ज्यादा हेल्दी हो जाती है.

शलजम है फायदेमंद

सर्दी के दिनों में आने वाली शलजम भी कम तेल और कम मसाले में बनने वाली सब्जी है. इसे भी आप अपनी डाइट में आसानी से शामिल कर सकते हैं. भले ही ज्यादा लोगों को शलजम की सब्जी पसंद नहीं आती है, लेकिन ये कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम जैसे मिरल्स से भरपूर होने के साथ ही विटामिन सी, बी6 और बी कॉम्प्लेक्स के कुछ विटामिन से भरपूर होती है. इसके अलावा इसमें फाइबर और प्रोटीन भी पाया जाता है.

ब्रोकली है गुणों का खजाना

ठंडे मौसम की सब्जी ब्रोकली भी न्यूट्रिएंट्स का खजाना होती है और वेट लॉस करने वालों के लिए एक फायदेमंद सब्जी है. इसे हल्का ब्लांच करके खाया जा सकता है. इसके अलावा ब्रोकली का सूप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं.

हरा प्याज और लहसुन

सर्दी के दिनों में मार्केट में हरा प्याज और हरा लहसुन भी खूब बिकता है. इसकी सब्जी बनाने से लेकर सलाद में स्प्रिंकलर करके भी खाया जा सकता है और किसी भी सब्जी को इससे गार्निश कर सकते हैं साथ ही तड़के में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है.

संभल : देश को कौन जला रहा है

दुर्भाग्य ये यह सब एक प्रकार से सुप्रीम कोर्ट की शह से ही हो रहा है। याद रहे कि काशी की ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर इस तरह से विवाद खड़ा किए जाने का मुद्दा जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा था और इस तरह की कार्रवाइयों को 1991 के धार्मिक स्थल कानून के आधार पर चुनौती दी गयी थी, डीवीइ चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस तकनीकी तर्क के आधार पर सर्वे का अनुमोदन कर दिया था कि सर्वे की मांग, सिर्फ यह जानने की मांग है कि क्या वहां कोई मंदिर रहा था? और यह मांग, धार्मिक स्थल की प्रकृति को बदलने की मांग से अलग है, जो कि 1991 के कानून के अंतर्गत प्रतिबंधित है।उत्तर प्रदेश में संभल के दुखद घटनाक्रम के संबंध में, एक प्रभावशाली राय यह है कि यह दंगा जान-बूझकर शासन के इशारे पर कराया गया था, जिससे एक दिन पहले ही गाढ़े रंग से रेखांकित होकर सामने आये प्रदेश में नौ विधानसभाई सीटों के उपचुनाव में खुली धांधली के सवालों की ओर से ध्यान हटाया जा सके। सभी जानते हैं कि उप-चुनावों में 23 नवंबर को घोषित नतीजों में, भाजपा ने सपा से तीन सीटें छीन ली हैं। इन नतीजों में मुरादाबाद की कुंदरकी की सीट जैसे चमत्कार भी शामिल हैं, जहां करीब 65 फीसद मुस्लिम मतदाताओं के बावजूद और मुस्लिम वोटों में किसी खास विभाजन के न होने के बावजूद, भाजपा के उम्मीदवार को एक लाख से ज्यादा वोटों से विजयी घोषित किया गया है।

वैसे इन उपचुनावों के सिलसिले में यह उल्लेखनीय है कि मतदान के दिन, 20 नवंबर को ही समाजवादी पार्टी ने कुंदरकी के अलावा भी कम से कम तीन चुनाव क्षेत्रों–अंबेडकर नगर में कटेहरी, मुजफ्फरनगर में मीरापुर तथा कानपुर में सीमामऊ–में बड़े पैमाने पर चुनाव धांधली और खासतौर पर मुस्लिम मतदाताओं को पुलिस द्वारा रोके, डराए-धमकाए जाने और उन पर लाठियां बरसाए जाने के, सप्रमाण आरोप लगाए थे। यहां तक कि प्राय- विपक्ष की शिकायतों को अनसुना करने वाले चुनाव आयोग तक को, अलग-अलग चुनाव क्षेत्रों में करीब आधा दर्जन पुलिस अधिकारियों के निलंबन के आदेश जारी करने पड़े थे। मतगणना के बाद, विपक्ष चुनाव धांधली की इन शिकायतों को जोरदार तरीके से उठाता, उससे पहले ही अगली सुबह संभल में दंगा करा दिया गया, जिसमें इन पंक्तियों के लिखे जाने तक चार और कई खबरों के अनुसार एक ही समुदाय के पांच लोगों की जान जा चुकी थी और पुलिसवालों समेत भारी संख्या में लोग घायल हो गए थे।खैर! संभल की त्रासदी किसी षडयंत्र के अर्थ में भले ही जान-बूझकर नहीं करायी गयी हो, लेकिन दंगा जिस तरह से भड़काया गया है, उस अर्थ में जरूर यह दंगा प्रशासन की मिलीभगत से कराया गया है। यह संयोग ही नहीं है कि एकाएक एक जिला अदालत द्वारा इस कस्बे के सबसे पुराने स्मारक, साढ़े चार सौ साल पुरानी शाही मस्जिद में यह पता लगाने के लिए कि क्या वहां पहले मंदिर रहा था, सर्वे कराने के आदेश दे दिए। आश्चर्यजनक रूप से ये आदेश मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति में, अल्पसंख्यकों के लिए बिना किसी पूर्व-सूचना के ही जारी कर दिए गए। फिर भी यह सर्वे बिना किसी अप्रिय घटना के हो भी गया। लेकिन, आश्चर्यजनक रूप से 24 तारीख की सुबह सर्वेक्षण टीम, पुलिस की सुरक्षा में और जय श्रीराम के नारे लगाते समूह के साथ, दोबारा सर्वेक्षण के लिए पहुंच गयी। बताया जाता है कि दोबारा सर्वे करने के लिए किसी प्रकार का अदालती आदेश तक नहीं था। उसके बाद वही हुआ जो सकता था। सर्वेक्षण के पक्ष और विरोध में तनाव पैदा होने लगा। विरोध में भीड़ जमा हो गयी और जल्द ही भीड़ और पुलिस के बीच झड़प की नौबत आ गयी। और फिर वह हुआ, जो उत्तर प्रदेश में योगी राज में हर बार होता है–पुलिस ने मुसलमानों के खिलाफ युद्ध जैसा छेड़ दिया। ज्यादातर जानें पुलिस की गोलीबारी में गयी हैं, हालांकि पुलिस ने गोली चलाने से इंकार ही किया है। पुलिस ने 2,500 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की बताते हैं।दुर्भाग्य से उत्तर प्रदेश पुलिस की इन जुल्म-ज्यादतियों को चूंकि वर्तमान शासन का पूरा-पूरा अनुमोदन हासिल है बल्कि शासन द्वारा इन्हें बढ़ावा ही दिया जाता है, इसलिए न सिर्फ इन पर रोक-टोक का कोई दरवाजा नहीं है, मुसलमानों की किसी भी तरह की सुनवाई की उम्मीद ही तेजी से खत्म होती जा रही है। कहने की जरूरत नहीं है कि इस हताशा ने भी संभल के दंगे की आग में घी डालने का काम किया है। यह नाउम्मीदी इस बात से और भी मुकम्मल हो जाती है कि बढ़ते पैमाने पर अदालतें, समस्या के समाधान का साधन बनने के बजाए, समस्या भड़काने का ही साधन बनती जा रही हैं। यह संयोग ही नहीं है कि तथाकथित सर्वे के अदालती आदेश के जरिए, अकारण सांप्रदायिक झगड़ा खड़ा करने और तनाव पैदा करने का यही पैटर्न काशी में ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में और मथुरा में ईदगाह मस्जिद के मामले में, नये सिरे से विवाद खड़े करने के रूप में भी देखने को मिला है। हैरानी की बात नहीं होगी कि आगे-आगे निचली अदालतों के सहारे और भी मुस्लिम धार्मिक स्थलों को लेकर, इसी तरह के झगड़े खड़े किए जाएं।दुर्भाग्य ये यह सब एक प्रकार से सुप्रीम कोर्ट की शह से ही हो रहा है। याद रहे कि काशी की ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर इस तरह से विवाद खड़ा किए जाने का मुद्दा जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा था और इस तरह की कार्रवाइयों को 1991 के धार्मिक स्थल कानून के आधार पर चुनौती दी गयी थी, डीवीइ चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस तकनीकी तर्क के आधार पर सर्वे का अनुमोदन कर दिया था कि सर्वे की मांग, सिर्फ यह जानने की मांग है कि क्या वहां कोई मंदिर रहा था? और यह मांग, धार्मिक स्थल की प्रकृति को बदलने की मांग से अलग है, जो कि 1991 के कानून के अंतर्गत प्रतिबंधित है। उसके बाद से, निचली अदालत द्वारा 1991 के कानून के आधार पर ही खारिज कर दिए गए, मथुरा के ईदगाह मस्जिद विवाद को भी पुनर्जीवित किया जा चुका है। आज, संभल इसी आग में जल रहा है।दुर्भाग्य से शासन में उच्चतम स्तर से इस सब को बढ़ावा मिल रहा है। जब हम उच्चतम स्तर कहते हैं, तो हमारा आशय सिर्फ प्रदेश में उच्चतम स्तर से ही नहीं, देश में उच्चतम स्तर से भी है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि आम चुनाव के बाद गुजरे लगभग छ- महीनों में, देश ने बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिकता का बढ़ता हुआ ज्वार ही देखा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के नेतृत्व में तो सबसे बढ़कर एक यही काम हो रहा है और बंटोगे तो कटोगे जैसे नये-नये विभाजनकारी नारे दिए जा रहे हैं। बेशक, यह आम चुनाव में संघ-भाजपा को लगे तगड़े झटके को देखते हुए, कई लोगों ने मोदी निजाम से सांप्रदायिक ताप में कमी लाने की जो उम्मीदें लगा ली थीं, यह सब उनसे उलट है। लेकिन, यही सच है। आम चुनाव के तुरंत बाद, इसने इसके आम सांप्रदायिक प्रचार का रूप ले लिया कि मुसलमानों ने भाजपा के खिलाफ वोट दिया था। फौरन कुछ भाजपा नेताओं ने मुसलमानों को इसके लिए दंडित करने, सरकार द्वारा उनके काम नहीं किए जाने, आदि की पुकारें करनी शुरू कर दीं। इन्हीं पुकारों को हमने, महाराष्ट्र के हाल के विधानसभाई चुनाव में बहुत ही आक्रामक तरीके से तथाकथित वोट जिहाद के विरोध के नाम पर, एक उग्र विभाजनकारी अभियान तक पहुंचाते जाते देखा, जिसके अगुवा देवेंद्र फडनवीस थे। आदित्यनाथ के बटोगे तो कटोगे और प्रधानमंत्री के एक रहोगे तो सेफ रहोगे के नारों में मुस्लिमविरोधी स्वर में जो परोक्षता थी, उसकी कमी को वोट जिहाद का मुकाबला करने की पुकार की प्रत्यक्षता से भरा जा रहा था। वोट जिहाद की संज्ञा से ही साफ था कि किस के खिलाफ एक होना है!महाराष्ट्र विधानभाई चुनाव में भाजपा की झाड़ूमार किंतु संदिग्ध जीत के जश्न में, दिल्ली में भाजपा के मुख्यालय में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इसके पर्याप्त संकेत दे दिए हैं कि इस सांप्रदायिक मुहिम को ढीला नहीं पड़ने दिया जाएगा। इस मुहिम का नया हथियार है, वक्फ कानून का विवाद। प्रधानमंत्री ने विजेता की मुद्रा में अपने संबोधन में वक्फ कानून कोसंविधान विरोधी ही करार दे दिया और घोषित कर दिया कि यह कानून तुष्टिकरणण के लिए ही बनाया गया था। साफ है कि संयुक्त संसदीय समिति द्वारा जांच-परख का स्वांग जल्द ही समेटकर और सारे विरोध को दरकिनार करते हुए, मोदी सरकार वक्फ कानून में संशोधन थोप दे। ऐन मुमकिन है कि फिलहाल इस कानून में संशोधन भर करने को भी मुसलमानों के लिए एक बड़ी रियायत के रूप में पेश किया जाए, क्योंकि सर्वोच्च नेता ने तो इसे संविधान-विरोधी ही करार दे दिया है!

पहले हरियाणा और अब महाराष्ट्र में विधानसभाई चुनाव में संदिग्ध जीत के बाद, भाजपा जाहिर है कि मोदी की अजेयता के संसदीय चुनाव में टूट-फूट गए मिथक को, दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर रही है। यह दूसरी बात है कि इसी बीच आ पड़ा अडानी संकट, इस कोशिश के लिए नई उलझनें पैदा कर रहा है। लेकिन, बहराइच के बाद अब संभल के घटनाक्रम पर और उत्तराखंड तथा हिमाचल प्रदेश में मुस्लिम-विरोधी अभियानों पर प्रधानमंत्री की सुचिंतित चुप्पी यही इशारा करती है कि मोदी का कॉन्फीडेंस कमजोर हो जाए तब भी और ऊपर उठ जाए तब भी, हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक अभियान तेज से तेजतर ही होने जा रहा है। इस पर अंकुश तो तभी लगेगा, जब जनता उनके हाथ से सत्ता छीन लेगी।

संपादकीय

संभल के पीछे की नीयत

बंटेंगे तो कटेंगे। एक हैं तो सेफ हैं। अयोध्या तो झांकी, काशी, मथुरा बाकी है। भाजपा के दिए ये तमाम नारे संविधान को ठेंगा दिखाकर भारत की जनता को चिढ़ाने वाले हैं कि तुम लोग हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं, जैसे पुराने दौर को याद करते रहो और हम तुम्हारी नजरों के सामने न्यू इंडिया बना कर दिखा देंगे, जिसमें न संविधान की कोई इज्जत रहेगी, न लोकतंत्र की कोई मर्यादा होगी। उत्तरप्रदेश के संभल में फिलहाल जो माहौल बना हुआ है, कम से कम उसे देखकर यही नजर आ रहा है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हिंदुत्व की उग्रता का और क्रूर चेहरा देखने मिलेगा।

इसी उत्तरप्रदेश में 5 सौ साल पुरानी बाबरी मस्जिद को तोड़ने के लिए भाजपा ने पूरी व्यूह रचना की थी। लालकृष्ण आडवानी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा निकाली। जिन राज्यों से आडवानी का आधुनिक रथ निकला, वहां दंगे भड़कने की जमीन तैयार हुई। बिहार में लालू प्रसाद ने हिम्मत दिखाई, वहां रथ नहीं निकलने दिया तो सांप्रदायिक हिंसा से लंबे वक्त तक बिहार बचा रहा। हालांकि अब देश का कोई भी राज्य इस जहर से अछूता नहीं है, क्योंकि भाजपा ने पिछले तीस सालों में अपने हाथ-पैर सब तरफ फैला दिए हैं।

इस फैलाव को सियासत की भाषा में सत्ता कहते हैं। भाजपा गर्व से दिखाती है कि हिंदुस्तान के कितने राज्य अब भगवा रंग में रंगे जा चुके हैं। और देश प्रेम का दावा करने वाले पलट कर पूछते भी नहीं कि तिरंगे के बाकी दो रंग और बीच के चक्र में जो नीला रंग है, उसके लिए जगह क्यों नहीं बन रही। आडवानी की रथ यात्रा के कारण भाजपा को सत्ता में आने का मौका मिल गया, फिर मोदी के गुजरात और गुजरात में गोधरा के कारण केंद्र की सत्ता फिर से मिली, तीन बार लगातार मिली, लेकिन इसमें भारत के पास आखिर में बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे ही बचे हुए दिख रहे हैं। या फिर नजर आ रही है बाबरी मस्जिद के बाद देश की बाकी मस्जिदों पर शक की निगाहें।बाबरी मस्जिद को तोड़ना गलत था, यानी अपराध था, ये बात सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में कही गई, लेकिन इसके अपराधियों को देश ने सजा पाते नहीं देखा, उल्टे सर्वोच्च अलंकरणों से सम्मानित होते देखा। राम मंदिर बन गया तो हिंदुत्व ब्रिगेड के हौसले और बुलंद हो गए। बाबरी मस्जिद तोड़ने के बाद ही नरसिंह राव सरकार ने धार्मिक स्थल कानून बनाया, उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991, नामक इस कानून के तहत 15 अगस्त, 1947 से पहले बने किसी भी धार्मिक स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। दूसरे धर्म के कब्जे के सबूत पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। और इस कानून का उल्लंघन करने पर तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। इस कानून के बावजूद काशी में ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश हुआ और अब संभल में भी इसी तरह शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के आदेश अदालत ने दिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के वकील विष्णु शंकर जैन ने एक शिकायत में दावा किया कि मस्जिद के स्थान पर कभी हरिहर मंदिर नामक मंदिर हुआ करता था और मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में इसे आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया था। ध्यान रहे कि विष्णु जैन और उनके पिता हरि शंकर जैन ने ज्ञानवापी-काशी विश्वनाथ विवाद समेत पूजा स्थलों से जुड़े कई मामलों में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व किया है। शिकायत के बाद अदालत ने सर्वे का आदेश दिया था और इसी को लेकर सर्वे टीम मस्जिद पहुँची थी। एक सर्वे 19 नवंबर को हो चुका था और रविवार को दूसरे सर्वे के लिए टीम फिर पहुंची, तो इस दौरान हिंसा भड़क गई।पुलिस का कहना है कि सर्वे दल पर पथराव हुआ, माहौल हिंसक हो गया। लेकिन यह स्पष्टीकरण कोई नहीं दे रहा कि सर्वे जैसे काम में जय श्री राम के नारे लगने का क्या मतलब है। क्यों यह सर्वे सुबह के वक्त करने का फैसला लिया गया। ऐसा नहीं है कि पहले सर्वे के वक्त से हालात सामान्य थे। किसी के घर पर अचानक कोई आकर दावा करने लगे और आनन-फानन में सारे सबूत जुटाने की तैयारी होने लगे, तो माहौल बिगड़ेगा ही। उत्तरप्रदेश पहले से सांप्रदायिक तौर पर संवेदनशील राज्य रहा है, इसके बावजूद प्रशासन की तरफ से जो लापरवाही बरती गई उसकी जिम्मेदार सीधे-सीधे योगी सरकार है।

उपचुनावों में तृणमूल की जीत से ममता की इंडिया ब्लॉक में स्थिति मजबूत

विपक्षी दलों, खासकर वामपंथियों को उम्मीद थी कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार को निशाना बनाकर किये गये इस उभार का छह निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों के चुनावी मूड पर वामपंथियों के पक्ष में असर पड़ेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसके बजाय, मतदाताओं ने टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के पक्ष में अपने जनादेश का इस्तेमाल किया। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि वामपंथी उम्मीदवारों की न केवल जमानत जब्त हुई, बल्कि 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में मतदान के आंकड़े भी काफी कम रहे।पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों की जीत तृणमूल नेतृत्व की उम्मीदों से भी शानदार रही। 2021 के विधानसभा चुनावों में छह सीटों में से एक मदारीहाट सीट भाजपा के पास थी, जबकि अन्य पांच सीटें तृणमूल के पास थीं। उपचुनावों में जिसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गए, टीएमसी ने न केवल अपनी पांच सीटों को बहुत बड़े अंतर से बरकरार रखा, बल्कि भाजपा की सीट पर उसके उम्मीदवार को 30,000 से अधिक मतों से हराकर सभी छह सीटों पर कब्जा कर लिया। 2021 के चुनावों में भाजपा ने टीएमसी को 29,000 मतों से हराकर मदारीहाट सीट जीती थी।आरजी कार कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या से संबंधित दुखद घटना के बाद मतदान हुआ, जिसके कारण डॉक्टरों और आम लोगों की भावनाओं में अभूतपूर्व उछाल आया और पीड़िता के लिए न्याय की मांग की गयी। इस उभार ने एक व्यापक आंदोलन का रूप ले लिया जिसमें वामपंथी दलों, विशेष रूप से सीपीआई (एम) ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 9 अगस्त से शुरू हुआ आंदोलन 21 अक्टूबर तक जारी रहा, जिस दिन डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद अपनी भूख हड़ताल वापस ले ली।विपक्षी दलों, खासकर वामपंथियों को उम्मीद थी कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार को निशाना बनाकर किये गये इस उभार का छह निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों के चुनावी मूड पर वामपंथियों के पक्ष में असर पड़ेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसके बजाय, मतदाताओं ने टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के पक्ष में अपने जनादेश का इस्तेमाल किया। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि वामपंथी उम्मीदवारों की न केवल जमानत जब्त हुई, बल्कि 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में मतदान के आंकड़े भी काफी कम रहे।वाम मोर्चे के नेता सीपीआई (एम) केवल एक सीट पर चुनाव लड़ी और 2021 की अपनी दो अन्य सीटों पर, पार्टी ने हरोआ में आईएसएफ और नैहाटी में सीपीआई (एमएल) लिबरेशन को चुनाव लड़ने दिया। पार्टी को तलडांगा सीट पर सबसे खराब स्थिति का सामना करना पड़ा, जहां वह चुनाव लड़ी थी। इसका वोट शेयर 4 प्रतिशत से भी कम था। विडंबना यह है कि हरोआ में केवल आईएसएफ उम्मीदवार ही अपनी जमानत बचा सका। इस परिणामों ने वामपंथियों को पूरी तरह से चुनावी जंगल में डाल दिया लगता है।जहां तक भाजपा का सवाल है,राज्य पार्टी नेतृत्व के पास कोई बहाना नहीं है। टीएमसी के खिलाफ उसके सारे अभियान कोई नतीजा नहीं दे पाये, हालांकि एक को छोड़कर, भाजपा वोटिंग के आंकड़ों के मामले में टीएमसी के बाद दूसरे नंबर की पार्टी बनी हुई है। लेकिन वह दूसरा नंबर बहुत दूर भारी मतों के अन्तर से है। मदारीहाट की इस हार के साथ, राज्य विधानसभा में भाजपा की ताकत 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद मिले 77 के मूल स्तर से घटकर लगभग 69 रह गयी है। भाजपा के पास बंगाल में पेश करने के लिए कोई नया कार्यक्रम नहीं है, सिवाय मोदी की गारंटी की बात करने और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में हालिया जीत पर खुशी मनाने के। बंगाल में अगला विधानसभा चुनाव अप्रैल/मई 2026 में होना है। भाजपा को कुछ समझ नहीं आ रहा है। उसके पास 2026 के चुनावों में आक्रामक टीएमसी से लड़ने का कोई रोडमैप नहीं है।

सीपीआई(एम) के बारे में, जिसके पास अभी भी वामपंथी दलों के बीच संगठन का कुछ सादृश्य बचा हुआ है, स्थिति हर साल खराब होती जा रही है। मतदान प्रतिशत कम हो रहा है और नेतृत्व जिस तरह की बात कर रहा है, उसमें कोई बदलाव की संभावना नहीं है। पार्टी कांग्रेस की पूर्व संध्या पर राज्य माकपा सम्मेलन फरवरी 2025 में होने वाला है। पार्टी में और अधिक युवा लोगों को लाने की योजना है, लेकिन अब तक के नतीजे निराशाजनक हैं।हाल के वर्षों में शामिल हुए माकपा के कुछ युवा सदस्य शहर केंद्रित हैं और आंदोलन में भाग लेने के बजाय सोशल मीडिया के माध्यम से टीएमसी के खिलाफ अपनी लड़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। पार्टी अल्पसंख्यक जनता के साथ-साथ महिलाओं और उपेक्षित लोगों से भी कट गयी है, जो 1977 में वाम मोर्चे के सत्ता में आने के बाद पहले दो दशकों में पार्टी का प्राथमिक आधार था। पार्टी के पूरे राज्य में बड़े आधुनिक पार्टी कार्यालय हैं, लेकिन बहुत कम पूर्णकालिक सदस्य हैं। यह आकलन करने का कोई ईमानदार प्रयास नहीं किया गया है कि टीएमसी कार्यकर्ताओं में व्याप्त भ्रष्टाचार के बावजूद कोई अन्य दल को सत्ता क्यों नहीं मिल रही, और मजदूरों सहित हाशिए पर पड़े लोग अभी भी ममता बनर्जी से क्यों चिपके हुए हैं। पार्टी का राज्य नेतृत्व दिशाहीन है।तृणमूल कांग्रेस की हालिया जीत से पता चलता है कि टीएमसी इंडिया ब्लॉक भागीदारों में एकमात्र पार्टी है जो हाल के वर्षों में सभी चुनावों में लगातार भाजपा को हरा रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 37 सीटें हासिल कीं और लोकसभा में कांग्रेस के बाद भाजपा के खिलाफ चुनावी तौर पर बड़ी ताकत बनकर उभरी। इस बार हुए उपचुनावों में सपा को दो सीटें भी गंवानी पड़ीं। लेकिन 2011 के विधानसभा चुनाव के बाद से टीएमसी का रिकॉर्ड बेदाग है। इस तरह ममता भाजपा के खिलाफ एक बड़ी लड़ाकू के तौर पर इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के बीच मजबूत होकर उभरी हैं।यह बहुत संभव है कि कांग्रेस आने वाले महीनों में पार्टी हाईकमान टीएमसी के साथ और अधिक समन्वय करेगा और 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और टीएमसी का गठबंधन हो सकता है। उत्तर बंगाल के चार जिलों में कांग्रेस का कुछ प्रभाव है। टीएमसी और कांग्रेस मिलकर 2026 के चुनावों में उत्तर बंगाल में भाजपा की विधानसभा सीटों को कम करने की स्थिति में हैं। उत्तर बंगाल राज्य में भाजपा का गढ़ है।टीएमसी नेतृत्व का सकारात्मक पक्ष यह है कि शीर्ष नेता खासकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी किसी भी उलटफेर के बाद कमजोरियों की पहचान करते हैं और सुधारात्मक कार्रवाई करते हैं। संगठनात्मक स्तर पर एक सक्रिय मशीनरी है जिसे सलाहकार आई-पैक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। पार्टी ने पहले ही 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की पहचान करने और जमीनी स्तर से मूल्यांकन के आधार पर पार्टी अभियान में किन कार्यक्रमों पर अधिक ध्यान देना चाहिए, इसके लिए बुनियादी काम शुरू कर दिया है। इस दृष्टिकोण ने टीएमसी को चुनावी तैयारियों में उसके आकलन ने भाजपा और माकपा जैसे अन्य विपक्षी दलों से काफी आगे रहने में मदद की है।राज्य की माकपा आखिरकार 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति तैयार करने में मदद के लिए बाहर से सलाहकारों की भर्ती करना चाह रही है। माकपा और वामपंथियों के पास ऐसा कोई चेहरा नहीं है जो ममता बनर्जी की स्वीकार्यता के आसपास भी आ सके। आम लोगों का ध्यान खींचने के लिए पार्टी को एक नये आख्यान के साथ लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा।बंगाल में वामपंथी परंपरा है। तृणमूल में भी कई लोग वामपंथी अतीत के हैं और अभी भी वामपंथी दृष्टिकोण से चिपके हुए हैं। यदि माकपा का आगामी फरवरी सम्मेलन स्थिति के वस्तुनिष्ठ आकलन के आधार पर एक व्यवहार्य रोडमैप तैयार कर सकता है, तो इससे कम से कम माकपा को 2026 के विधानसभा चुनावों में अपनी स्थिति को शून्य से कुछ सीटों तक सुधारने में मदद मिलेगी। माकपा और वामपंथियों को मध्यम अवधि में राज्य में मुख्य विपक्षी दल के रूप में भाजपा को हटाने का लक्ष्य रखना चाहिए। हो सकता है कि 2026 के चुनावों में ऐसा न हो, लेकिन निश्चित रूप से, यदि उचित अनुवर्ती कार्रवाई की जाये तो वामपंथी 2029 के लोकसभा चुनावों और 2031 के विधानसभा चुनावों में बदलाव की उम्मीद कर सकते हैं।

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरूक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुन: पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुन:जन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह : गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह : क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह : प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवत: यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। >

कछुआ व्यूह : इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह : अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह : मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह : चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह : महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थी। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह : वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह : पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह : कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवत: इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

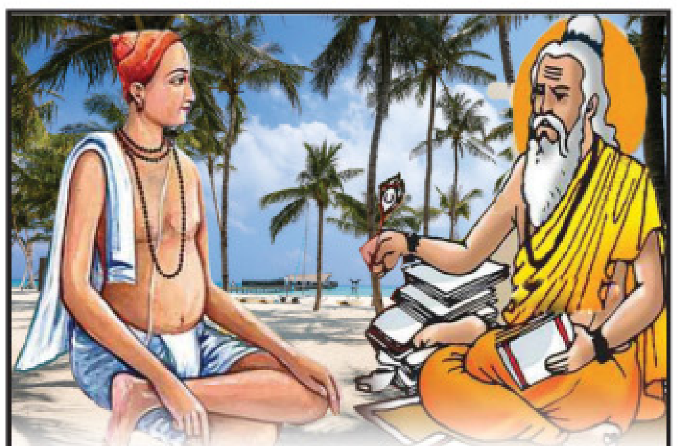

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अत: उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्राय: एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुन: आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्राय: बन्द ही हो गया।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थी। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अत: तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतर्ध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्धा था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

लटकते पेट को सपाट कर देंगे पोषण से भरे ये 3 फ्रूट्स और ये एक योग

वजन को कम करने के लिए सबसे पहले आपको अपने खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है। आपको यह ध्यान रखना होगा कि आप कितनी मात्रा में कैलोरी ले रहे हैं। अगर आप अत्यधिक कैलोरी वाले फूड्स का सेवन करते हैं तो यह आपका वजन बढ़ाते हैं। ऐसे में आप अपने ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में हेल्दी फूड को शामिल करें। सुबह के नाश्ते में अंकुरित अनाज, ड्राई फ्रूट्स, पोहा, उत्तपम और फलों का सेवन जरूर करें। सुबह खाली पेट गुनगुना पानी या नींबू पानी शहद के साथ जरूर पिएं। लंच में भी दाल और सब्जी का सेवन करें। रोटी और चावल कम मात्रा में लें। दिन में स्नैक्स के तौर पर फल खाएं। रात का खाना हल्का रखें तले-भुने और जंक फूड से दूरी बनाएं। इसके अलावा यहां हम आपको 3 ऐसे फलों के बारे में बता रहे हैं जो आपका वजन कम करने में मदद करेंगे।

क्या आपका वजन बढ़ गया है, और अब उसे कम करना चाहते/चाहती हैं? ठीक है, तो इसके लिए आपको सबसे पहले ये देखना होगा कि आपका बॉडी मास इंडेक्स या बीएमआई क्या है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मानकों के अनुसार सामान्य बीएमआई 23 से कम है, ओवरवेट 23 से ज्यादा है और 25 से ज्यादा बीएमआई वालों को मोटापे की श्रेणी में रखा गया है। अगर आपकी बीएमआई रेट सामान्य से अधिक है तो आपको इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। आपको अपना वजन कम करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके लिए हम आपकी मदद कर सकते हैं।

1. सेब

कैलोरी में कम और फाइबर से भरपूर होने के कारण सेब आपको प्रभावी रूप से वजन कम करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं ये तृप्ति भी बढ़ा सकते हैं और आपको अधिक खाने से भी रोक सकते हैं। एकेडमी ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, सेब फैट बर्न करने और भूख को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए भी जाना जाता है।

2. चकोतरा

विटामिन सी से युक्त चकोतरा आपको एक वर्कआउट सेशन के वसा को कम करने में काफी मदद कर सकता है। इसके साथ ही, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण, यह आपके रक्त में काफी धीरे-धीरे शर्करा छोड़ता है और वजन कम करने में मदद करता है। फूड साइंस और न्यूट्रीशन में प्रकाशित शोध के अनुसार, ग्रेपफ्रूट्स खाने से इंसुलिन नामक फैट-स्टोरेज हार्मोन के स्तर को कम किया जा सकता है। इसके अलावा, पानी से भरा हुआ, ग्रेपफ्रूट्स आपको लंबे समय तक तृप्त रख सकता है।

3. बेरीज

एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होने के कारण बेरीज सूजन को रोकता है, जो पहले से ही वजन बढ़ाने के साथ जुड़ा हुआ है। इतना ही नहीं यह आपके पेट को भी भरा रखता है। इसलिए आपको अधिक खाने से रोक सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरीज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर और रक्तचाप को कम करने में भी काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

उत्तान पादासन

उत्तान पादासन बहुत ही आसान और अच्छा योगासन है। इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल मैट पर लेट जाएं। दोनों हथेलियों को जांघों के बराबर में रखें। अब दोनों पैरों के घुटनों, एड़ियों और अंगूठों को मिलाएं और टांगों को सीधी रेखा में तानकर रखें। अब सांस लेते हुए दोनों पैरों को 45 डिग्री पर ले जाएं। शुरुआत में ऐसा करना काफी दर्द भरा हो सकता है, लेकिन, धीरे-धीरे ये सही हो जाएगा। जैसे-जैसे पैर ऊपर उठते जाएं इसे 90 डिग्री तक ले जा सकते हैं। इस योगासन को करने से पहले स्ट्रेचिंग व्यायाम जरूर कर लें। यह योग आपकी कमर, कूल्हों और जांघों की चर्बी को खत्म करने में मदद करेगा। इसके और भी कई फायदे हैं।

रेसिपी

सूजी पास्ता

सामग्री

- सूजी: 1 कप ■ 1 टमाटर
- 11/2 शिमला मिर्च ■ 1 गाजर
- 1 प्याज ■ टोमैटो सॉस: 1 टेबलस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- हल्दी: 1/2 टीस्पून ■ तेल ■ पानी: 1 कप
- चाट मसाला: 1/2 टीस्पून
- हरा धनिया: 2 टेबलस्पून ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ सजावट के लिए धनियापत्ती

विधि

एक बर्तन में सूजी लें। इसमें नमक और 2 चम्मच तेल मिक्स कर लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंद लें और 10-15 मिनट रख दें। तय समय बाद देखेंगे तो सूजी फूल चुकी होगी, इसमें थोड़ा तेल डालकर हाथेलियों से मसल लें। अब आटे से छोटी-छोटी लोई तोड़कर मनचाहे आकार में डिजाइन दे दें। इसी तरह सारी लोई को पास्ता के डिजाइन में बना लें। अब एक बड़ी छलनी के ऊपर तेल लगाकर सारे पास्ता को रख दें। मीडियम आंच पर पैन में पानी गर्म होने रख दें। इस पर पास्ता वाली छलनी ढककर 15-20 मिनट रख दें। यानी हमें सूजी के पास्ता को स्टीम करना है। तय समय बाद गैस बंद कर दें और देखें कि सूजी के पास्ता पक चुके हैं। इन्हें निकालकर अलग रख दें। अब प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर और हरा धनिया बारीक काट लें। मीडियम आंच पर पैन में तेल गर्म करें। इसमें प्याज डालकर भून लें। अब शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर डालकर हल्का भून लें। अब टोमैटो सॉस डालकर 1-2 मिनट तक पका लें। इसमें हल्दी पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर मसाले को पका लें। अब पास्ता डालकर मिक्स कर लें। आंच बंद कर दें और धनियापत्ती से गार्निश कर लें। तैयार है स्वादिष्ट सूजी पास्ता।

हल्दी के लड्डू

सामग्री

- कच्ची हल्दी: 500 ग्राम
- गुड़: 500 ग्राम
- बारीक कटे (बादाम, काजू, किशमिश और पिस्ता): 1 कटोरी
- देसी घी: 2 टेबलस्पून

विधि

हल्दी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले हल्दी की गांठ को छील लें। हल्दी को कद्दूकस कर लें। आप चाहें तो बारीक पीस भी सकते हैं। इसके बाद पैन में एक चम्मच घी गर्म करें और इसमें हल्दी डालकर 4-5 मिनट तक चलाते हुए भून लें। जब हल्दी का पानी सूख जाए तो इसमें एक और चम्मच घी डालें। साथ ही बारीक कटे मेवे भी डालकर भून लें। पैन को आंच से उतार लें और इसें गुड़ को कद्दूकस करके मिला लें। गुड़ डालने के बाद तुरंत अच्छी तरह मिलाएं लड्डू तैयार करते जाएं। सारे मिश्रण से लड्डू तैयार कर एयरटाइट डिब्बे में रख लें। रात को एक लड्डू खाने के बाद एक गिलास दूध पीने से ठंड में काफी लाभ मिलता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2660

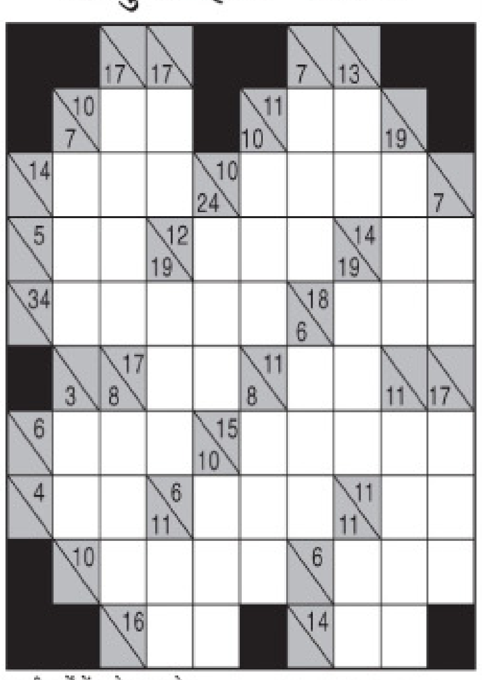

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 2659 का हल

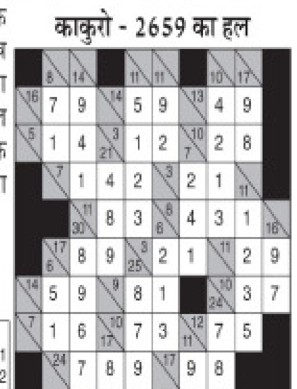

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज, ''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उसकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2660

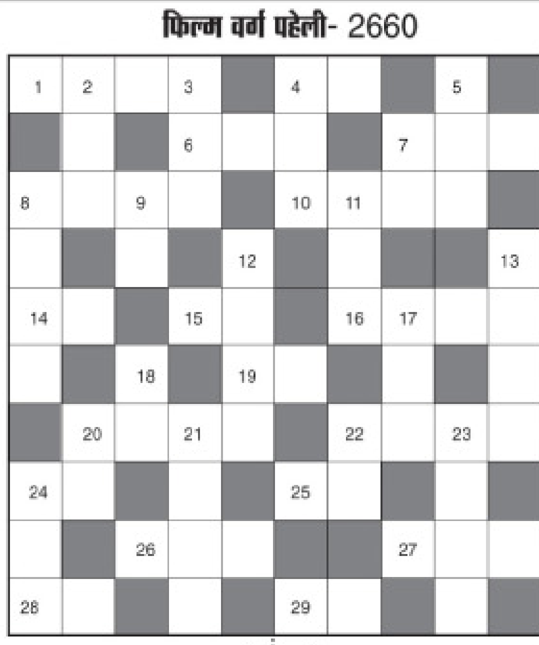

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजो थारो लाडा' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उड़ाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरुण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

सूडोकु -2660

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2659 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 2660

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2659 का हल

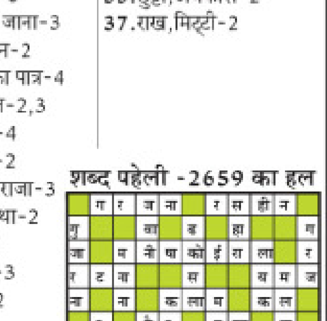

समाजवादी पार्टी ने उपचुनाव में मिली हार से बौखलाकर संभल में रची साजिश : आचार्य प्रमोद कृष्णम

एजेंसी

गाजियाबाद। संभल में रविवार (24 नवंबर) को हुई हिंसा पर श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर संभल में हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने खास बातचीत के दौरान कहा, ÷संभल को दंगों की आग में झोंकने वाले कौन लोग हैं? समाजवादी पार्टी के नेताओं ने उपचुनाव में मिली हार से बौखलाकर षड़्यंत्र के तहत ये काम किया है। उन्हें ये गलतफहमी है कि उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में भाजपा की जो प्रचंड जीत हुई है, इसमें पुलिस-प्रशासन का हाथ है। उनसे बदला लेने के लिए ही उन्होंने ये साजिश की है। सपा को एक-एक गुनाह और सवाल का जवाब देना होगा। उन्होंने आगे कहा, समाजवादी पार्टी ने ही कल्कि धाम के निर्माण पर रोक लगाने का काम किया। किसी अदालत ने नहीं कहा था कि कल्कि धाम का निर्माण नहीं होना चाहिए, लेकिन उन्होंने राजनीतिक फायदे और वोटबैंक की राजनीति करने के लिए कल्कि धाम के निर्माण पर रोक लगाई। देश की जनता, संविधान, कानून और अदालत सच के आधार पर फैसला करेगी। मैं संभल की जनता से अपील करता हूं कि वह शांति बनाए रखें।उन्होंने सज्जाद नोमानी द्वारा माफी मांगने पर कहा, मैं उनसे यही पूछना चाहता हूं कि वह किस-किस मुद्दे पर माफी मांगेगें। बहुत सारी ऐसी बातें हैं, जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

ईवीएम पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा,संदेह दूर किया जाना चाहिए

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनको लेकर उठ रहे सवालों और जनता के बीच पैदा हो रहे संदेह पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि EVM पर उठाए जा रहे सभी सवालों और शंकाओं का समाधान होना चाहिए ताकि लोकतंत्र पर जनता का विश्वास बरकरार रहे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा,...संदेह दूर किया जाना चाहिए। किसी भी तकनीक को हैक किया जा सकता है। यहां तक कि एलन मस्क ने भी यह कहा है। इसलिए संदेह दूर करने के लिए बैलेट पेपर पर चुनाव कराए जा सकते हैं।

जबलपुर पहुंचे भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री, बोले- पराली जलाने से अच्छी होती है फसल, कीड़े मरते हैं

जबलपुर/भोपाल। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र जबलपुर पहुंचे। यहां उन्होंने पराली जलाने को लेकर जिला प्रशासन और मप्र हाइकोर्ट बार एसोसिएशन के आदेश के खिलाफ पलटवार किया। उन्होंने आदेशों को किसानों के खिलाफ साजिश बताया और कहा कि पराली जलाने से खेत की उर्वरक क्षमता कम नहीं होती है, बल्कि इससे कीड़े-मकोड़े नष्ट हो जाते हैं। किसानों को अच्छी फसल मिलती है। दरअसल, हाल ही में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने पराली जलाने के आरोपी किसानों का केस नहीं लड़ने का प्रस्ताव पारित किया है। जिला प्रशासन ने भी जबलपुर में पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश जारी किए हैं। जबलपुर पहुंचे भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मिश्र ने यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जिला प्रशासन और वकीलों ने निर्णय जल्दबाजी में लिए हैं। किसानों के खिलाफ यह एक तरह की साजिश है, क्योंकि पराली जलाने से जितना प्रदूषण नहीं होता, उससे 240 गुना ज्यादा वायु प्रदूषण थर्मल पावर प्लांट से होता है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा प्रदूषण उद्योगों और वाहनों से होता है। खेतों में पराली जलाने से महज सात प्रतिशत प्रदूषण होता है जो कुछ ही समय में छंट जाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या जिला प्रशासन और हाइकोर्ट बार एसोसिएशन उद्योगों के खिलाफ भी ऐसे ही आदेश जारी करेगा? उन्होंने कहा कि कई सालों से कृषि वैज्ञानिक पराली जलाने की सलाह देते रहे हैं। किसानों को बताया गया कि पराली जलाने से खेत का कचरा और फसल को नुकसान पहुंचाने वाले कीट मर जाते हैं, जिससे अगली फसल बहुत बेहतर होती है।

एफएटीएफ की ब्लैकलिस्ट से बाहर आने में ईरान को तकनीकी सहयोग देगा भारत

इंदौर। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) द्वारा भारत को दी गई फालोअप रेटिंग के बाद यूरेशियन समूह (ईएजी) के अन्य देश अपनी रेटिंग बेहतर करने के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। एफएटीएफ ने ईरान को ब्लैकलिस्ट कर रखा है। ऐसे में इंदौर में आयोजित यूरेशियन समूह की बैठक में आब्जर्वर के रूप में पहुंचे ईरान के प्रतिनिधि ने ईएजी के साथ भारत से भी अपने देश को एफएटीएफ की ब्लैकलिस्ट से बाहर निकालने के लिए सहयोग मांगा है। इसके लिए भारत की ओर से तकनीकी सहयोग का आश्वासन दिया गया है। भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव एवं भारतीय प्रतिनिधि संघ के प्रमुख विवेक अग्रवाल ने बताया कि इस संबंध में ईरान के प्रतिनिधियों की भारतीय दल के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हो चुकी है। भारत ईएजी के फ्रेमवर्क में रहते हुए तकनीकी रूप से ईरान का सहयोग करेगा। पाकिस्तान द्वारा जो सरहद पार आतंकी गतिविधियां संचालित की जा रही है, उसका मुद्दा भी ईएजी की बैठक में उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ईएजी समूह में शामिल देशों ने हमारी बेहतर रैंकिंग पर तारीफ की है। ये देश चाहते हैं कि भारत के तकनीकी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में वे भी अपनी कैटेगरी को बेहतर कर सकें।

सेना प्रमुख ने भावी कमांडरों से किया सैन्य सोच में बड़े बदलाव का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय सेना के युवा सैन्य कमांडरों और अगली पीढ़ी के सैन्य अधिकारियों से युद्ध के उभरते तौर-तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भारत के संदर्भ में उभरते खतरों और चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए परिवर्तन की निरंतर गति और समय के साथ आगे चलने की आवश्यकता पर जोर दिया। सैन्य सोच में बड़े बदलाव का आह्वान करते हुए सीओएएस ने अधिकारियों से युद्ध के हथियारों और नई तकनीक अपनाने का आग्रह किया। जनरल द्विवेदी ने पुणे के रक्षा सेवा तकनीकी स्टाफ कोर्स (डीएसटीएससी) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों को गिरिनगर स्थित सैन्य प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईएलआईटी) के मेहरा

ऑडिटोरियम में भारतीय सेना के युवा सैन्य कमांडरों और अगली पीढ़ी के सैन्य अधिकारियों को संबोधित किया तो माहौल जीवंत हो उठा। सेना प्रमुख के दूरदर्शी शब्दों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों पर अमिट प्रभाव छोड़ा, जिससे उन्हें दृढ़ संकल्प और अथक उत्साह के साथ आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने की ऊर्जा मिली। अपने भावपूर्ण संबोधन में जनरल द्विवेदी ने युद्ध के उभरते तौर तरीकों पर विस्तार से चर्चा की।उन्होंने परिवर्तन की निरंतर गति और समय के साथ आगे चलने की आवश्यकता पर जोर दिया। सेना प्रमुख ने रक्षा तैयारियों को केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि कला, रणनीति और सटीकता का संयोजन बताया। भारत के संदर्भ में उभरते खतरों और चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए जनरल द्विवेदी ने भारतीय सेना की परिवर्तनकारी पहलों पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से अभियान के अनुरूप बहुमुखी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प की भावना को अपनाने का आग्रह किया। सेना प्रमुख ने राष्ट्र निर्माण में भारतीय सेना के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता प्रदान करने, निराशा के समय में सांत्वना और आशा जगाने में सेना की बेजोड़ भूमिका के बारे में गर्व के साथ बात की।

डेयोरा क्लब और सेविले बार एंड लाउंज में बम बलास्ट, लॉरेंस गैंग के बदमाश गोल्डी बराड़ ने ली जिम्मेवारी

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चंडीगढ़ दौरे के महज एक सप्ताह पहले सैक्टर-26 थाने व ऑपरेशन सेल के चंद कदमों की दूरी पर मशहूर गायक व रैपर बादशाह के सैक्टर-26 स्थित बार सहित एक क्लब में बम धमाके हुए। ये धमाके 26 नवंबर को तड़के 3.15 बजे सैक्टर-26 स्थित डेयोरा क्लब व सेविले बार एंड लाउंज में बम बलास्ट हुए। जिससे की क्लबों के शीशे तक टूट गए। वारदात के बाद पूरी इलाके में सनसनी का माहौल पैदा हो गया। मामले के बारे में पता चलते ही पुलिस तुरंत टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी थी। जानकारी के मुताबिक, सैक्टर-26 स्थित डेयोरा क्लब व सेविले बार के बाहर दो युवक बाइक पर आए और विस्फोट करके फरार हो गए। वहीं, पुलिस के अलावा फोरेंसिक एक्सपर्ट के साथ कई अन्य जांच एजेंसियां भी मौके पर पहुंच गई थीं। पंजाब की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) भी घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही थी, जिसमें कई सारी जानकारियां मिली हैं। जांच में पता चला है कि बम जूट की रस्सियों के बने थे। उनको ही फैंककर हमला किया गया है। सैक्टर-26 के एससीओ नंबर 23 के पास तेज आवाज की सूचना मिली थी। जिसके बाद ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई थी। इस वारदात के बाद पुलिस की लापरवाही भी सामने आ रही है। क्योंकि ये वारदात देर रात 3 बजकर 15 मिनट की, जिस समय पूरे शहर में रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक पुलिस का नाइट चैकिंग भी रहती है।

एनआईए ने प्रियांगु पांडे के काफिले पर हमले के मामले में 12 आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के भाटपाड़ा क्षेत्र में अगस्त 2024 में भाजपा नेता प्रियांगु पांडे और उनके सहयोगियों के काफिले पर हुए हमले के मामले में 12 व्यक्तियों के खिलाफ विशेष एनआईए अदालत, कोलकाता में आरोप पत्र दाखिल किया है।

इस हमले में प्रियांगु पांडे के चालक रवि वर्मा और करीबी सहयोगी रबी सिंह को गोली लगी थी। यह हमला उस समय हुआ था, जब काफिला पूर्व सांसद अर्जुन सिंह के आवास की ओर जा रहा था। एनआईए ने अपने एक बयान में बताया कि जांच में यह सामने आया है कि इस हमले के पीछे गहरी साजिश थी, जिसमें सभी 12 आरोपितों ने सक्रिय भूमिका निभाई। आरोप पत्र में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं। हमलावरों ने काफिले पर आग्नेयास्त्रों और विस्फोटकों से हमला किया था, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। एनआईए ने आरोप पत्र में जिन आरोपितों को नामित किया है, उनमें मोहम्मद आबेद खान उर्फ बंटी,

मोहम्मद आरिफ, वसीमुद्दीन अंसारी उर्फ भूमा, मोहम्मद नसीम, फिरदौस इकबाल, मोहम्मद तनवीर, संजय शॉ, मोहम्मद चांद, आकाश सिंह, मोहम्मद सोहैब अख्तर, मोहम्मद अकबर और सागर सिंह शामिल हैं। एनआईए ने बताया कि जांच अभी भी जारी है और इस साजिश के पीछे के अन्य अपराधियों की भूमिका का पता लगाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। एनआईए ने इस हमले को लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ गंभीर अपराध करार दिया है और कहा कि इस तरह की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। यह घटना पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति और राजनीतिक-सामाजिक परिदृश्य में अपराधियों के दखल पर सवाल उठाती है। एनआईए ने अपनी जांच में और तथ्य सामने लाने का भरोसा जताया है।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के चेयरमैन को पाकिस्तान से मिली जान से मारने की धमकी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सलीम राज को जान से मार देने की फोन के माध्यम से धमकी पाकिस्तान से मिली है। उनके नंबर पर एक कॉल आई थी। कॉलर ने उनको जान से मार देने की धमकी दी। जिसके बाद सलीम ने आजाद चौक थाने को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। डॉ. सलीम राज ने जानकारी दी कि वफ्फ बोर्ड के आदेश के बाद लगातार ये धमकियां मिल रही हैं। विदेशी नंबरों से भी धमकियां मिली हैं। नंबर के आधार पर बताया जा रहा है कि पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, जम्मू कश्मीर और केरल के नंबरों से ये धमकियां मिली हैं। उनसे एक कॉलर ने कहा कि तुमको 6 इंच छोटा कर देंगे। नीचे से छोटा होना है या ऊपर गर्दन से, बता दो। डॉ. सलीम ने कहा कि उनको जो धमकियां मिल रही हैं, वे डरने वाले नहीं हैं। डॉ. सलीम खान के अनुसार उन्होंने जो नियम बनाए हैं, वे समाज और देशहित के लिए हैं। डॉ सलीम ने इस मामले में सीएम विष्णुदेव साय, गृह मंत्री और इंटेलिजेंस चीफ अमित कुमार को भी अवगत कराया है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने मामले की जांच

शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि डॉ. सलीम राज ने दो सप्ताह पहले ही जुमे की तकरीर की विषय वस्तु की बोर्ड से मंजूरी लेने का आदेश जारी किया था। सलीम राज ने निर्देश में कहा था कि छत्तीसगढ़ की मस्जिदों में जुमे की नमाज (शुक्रवार की नमाज) के बाद होने वाली तकरीर (बातचीत) के टॉपिक के लिए वक्फ बोर्ड की इजाजत लेनी होगी।टॉपिक विवादित ना हो, इसलिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के सदस्यों ने यह निर्णय लिया है। मुतवल्ली (मस्जिद की संपत्ति का प्रबंध करने वाला) इस नियम का पालन नहीं करेगा तो उसके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाएगा। पहले सप्ताह 22 नवंबर को करीब 142 मस्जिदों ने अनुमति भी ली थी। इस आदेश को लेकर हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के साथ राज्य के मुस्लिम नेताओं ने विरोध किया था। जबकि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, यूपी के सीएम योगी आदित्य नाथ, सीएम विष्णु देव साय ने स्वागत किया था।

ईवीएम के विरोध में राज्य सहित देश में लड़ाई लड़ेंगे : शरद पवार

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने पार्टी पदाधिकारियों को ईवीएम के विरोध में राज्य सहित देश में लड़ाई तेज करने को कहा है। उन्होंने इस लड़ाई को कानूनी तरीके से लड़ने के लिए राज्य स्तर और देश स्तर पर वकीलों की टीम गठित करने का निर्देश भी पार्टी नेताओं को दिया है। इसी कड़ी में आज शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भी पराजित उम्मीदवारों को हर विधानसभा क्षेत्र में शिकायत करने का आदेश दिया है।

महाराष्ट्र में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद शरद पवार ने अपने पार्टी के नेताओं पराजित उम्मीदवारों की बैठ मुंबई के वाई बी प्रतिष्ठान में बुलाई थी। इस बैठक में लगभग सभी पराजित उम्मीदवारों ने ईवीएम पर संदेह व्यक्त किया। ईवीएम में चुनाव के बाद वोटों के आंकड़े और मतगणना के बाद वोटों के आंकड़े में जमीन आसमान का फर्क है। पराजित उम्मीदवार प्रशांत जगताप ने कहा कि ईवीएम में सत्ताधारी दलों के लिए पहले ही सेफ

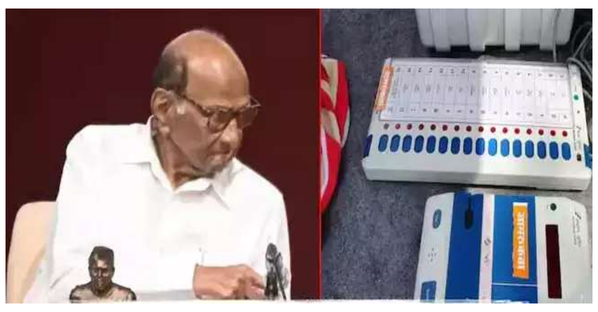

कर दिए गए थे। इसी तरह चुनाव जीते जीतेंद्र आव्हाड ने कहा कि उन्होंने एक लाख से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीता है। फिर भी वे ईवीएम को लेकर सहमत नहीं है। ईवीएम की सेटिंग छोटे राज्यों में नहीं की जाती, जबकि बड़े राज्यों में ईवीएम की सेटिंग की जाती है। इसके बाद यह तर्क दिया जाता है कि देखों वहां ईवीएम की वजह से विपक्ष जीता है। जबकि यह सब बहुत बड़ा ईवीएम घोटाला है। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भी आज मुंबई में शिवसेना पदाधिकारियों और पराजित उम्मीदवारों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में उद्धव ठाकरे के समक्ष पराजित उम्मीदवारों ने ईवीएम में सेटिंग किए जाने का आरोप लगाया। पराजित उम्मीदवार सुधाकर भीका बडगुजर ने बताया कि उन्होंने नासिक जिला चुनाव रिटर्निंग अधिकारी के पास ईवीएम को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि सभी को अपने क्षेत्रों में ईवीएम और वीवीपैट के सत्यापन की मांग करनी चाहिए। इसी तरह सोमवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने भी पराजित उम्मीदवारों की बैठक अध्यक्ष राज ठाकरे ने बुलाई थी। इस बैठक में भी ईवीएम विरोध देखने को मिला था। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी की वजह से उनके आला नेता चुनाव हार गए। जीतेंद्र आव्हाड के व्यक्तव्य को नाना पटोले ने दोहराते हुए कहा कि ईवीएम में वोट डालने पर पता ही नहीं चलता कि वोट किसे गया। इस मामले में कोर्ट में जनभावना का आदर नहीं कर रही है। इसलिए ईवीएम विरोधी लड़ाई कोर्ट के साथ-साथ सडक़ों पर भी लड़ी जाएगी।

मप्र के मैहर में बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर खाई में पलटी, चार की मौत

एजेंसी

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में मंगलवार तड़के एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा कर खाई में पलट गई। इस हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चारों पन्ना जिले देवेन्द्रनगर के रहने वाले थे और कटनी में एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस अपने गृह नगर लौट रहे थे। इसी दौरान राष्?ट्रीय राजमार्ग-30 पर यह हादसा हो गया। तीन मृतक आपस में चचेरे भाई और एक उनका भतीजा था। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हादसा तड़के करीब साढ़े तीन बजे राष्?ट्रीय राजमार्ग-30 पर घुसडू नदी से पास हुआ। यहां कटनी से पन्ना की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार क्रमांक एमपी 35, सीए 5631 अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलटी खाते हुए सड़क से उतरकर 15 फीट नीचे गड्?ढे में पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार का कांच तोड़ शवों को बाहर निकाला। यहां से चारों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए मैहर सिविल अस्पताल भेजा दिया गया है। मैहर के पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने बताया कि हादसे में मरने वाले चारों लोगों की पहचान सुखविधान सिंह (45), दामोदर सिंह (44), शिवराज सिंह (34) और अरविंद सिंह (47) के रूप में हुई है। चारों पन्ना जिले के देवेंद्रनगर तहसील अंतर्गत सिमरी गांव के रहने वाले थे। मृतकों में सुखविधान सिंह, दामोदर सिंह, अरविंद सिंह आपस में चचेरे भाई थे। वहीं, शिवराज सिंह उनका भतीजा था।

मप्र के गुना में शरारती तत्वों ने बंजारा बस्ती में लगाई आग, 8 से 10 घर जलकर राख

एजेंसी

तैनातगुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में फतेहगढ़ थाना इलाके में स्थित बंजारा बस्ती में कुछ शरारती तत्वों ने आग लगा दी गई। इससे आठ से 10 घर पूरी तरह जल गए। आग से बस्ती में रखे ट्रैक्टर, बाइक, दूसरे सामान, अनाज और सर्दी के कपड़े भी जलकर राख हो गए। आरोपितों ने पुलिस बल पर भी हमला किया, उनको भागकर जान बचानी पड़ी। आगजनी और हमले का आरोप भील समाज पर लगाया जा रहा है। घटना के समय ग्रामीण खेतों में मजदूरी के लिए गए थे अन्यथा माल के साथ जनहानि भी हो सकती थी। इस सूचना पर बड़ी संख्या में पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। फिलहाल हालात नाजुक बने हुए हैं। घटना फतेहगढ़ इलाके के

ग्राम पन्हेटी की है। बताया जा रहा है कि बमोरी तहसील के पन्हेटी गांव में वनभूमि पर कब्जे को लेकर भील और बंजारा समुदाय के बीच विवाद चला आ रहा है। दीपावली के दिन भी दोनों समुदाय आमने-सामने हुए थे, जिसमें दोनों पक्ष से दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। गल सिंह भील का इंदौर और कल्लू बंजारा का भोपाल में इलाज चल रहा था। सोमवार रात गल सिंह भील की इंदौर में मौत हो गई। आरोप है कि गल सिंह की मौत से गुस्साए भील समुदाय के 30-35 लोगों ने मंगलवार सुबह लगभग 11 बजे बंजारा समाज के घरों व टपरों में आग लगा दी। इससे दो ट्रैक्टर, पांच बाइक, राशन, सर्दी के कपड़े और खलिहान में रखी फसल जलकर राख हो गई। इतना ही नहीं, पानी के बोरों को भी पूर दिया गया। सूचना पर फतेहगढ़ थाना पुलिस गांव पहुंची, तो घुसने नहीं दिया और पुलिस वाहनों पर पथराव कर दिया, इससे उसे वापस लौटाना पड़ा। इसके बाद जिला मुख्यालय के अलावा आसपास के थानों से बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव में भेजा गया, तब जाकर वहां के हालात को कुछ काबू में किया जा सका है । हालांकि भील समुदाय के लोगों का गांव के मंदिर पर एकत्रित होने से हालात फिलहाल नाजुक बने हुए हैं, जिसके चलते गांव में बड़ी संख्या में पुलिस ने भी अपनी तैयारी कर रखी है। पुलिस के पहुंचने से पहले लगा दी थी घरों में आग-एसडीओपी विवेक अष्ठाना ने बताया कि गत 31 अक्टूबर को बंजारा और भील समुदाय में वनभूमि पर कब्जे को लेकर आमने-सामने हुए थे। इस दौरान पुलिस ने आठ नामजद और अज्ञात के खिलाफ क्रास मामला दर्ज किया था। सोमवार रात उक्त मारपीट में घायल और इंदौर में उपचाररत गलसिंह भील की मौत हो गई। इस सूचना पर पन्हेटी गांव में आसपास के थानों का बल गांव में पहुंचाया था, लेकिन उससे पहले भील समुदाय के करीब 30-35 लोगों ने बंजारा समाज के घरों में आग लगा दी। इस दौरान बंजारा समाज के लोग खेतों में मजदूरी को गए थे। फिलहाल गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। जिन घरों में नुकसान हुआ है, उनकी तरफ से रिपोर्ट कराने पर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना करेंगे।

अहमदाबाद के ख्याति हॉस्पिटल प्रकरण में तीन और आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर के ख्याति हॉस्पिटल प्रकरण में एक बड़ी खबर सामने आ रही है। हॉस्पिटल प्रबंधन ने पीएमजेएवाई योजना का लाभ लेने के लिए मरीजों का गैरजरूरी उपचार करवाया। इस मामले की जांच कर रही अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने तीन और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक चार आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि तीन आरोपित अभी फरार हैं।अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के मुताबिक इस मामले में सात आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। डॉ. प्रशांत वजीरानी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन अन्य छह आरोपित भूमिगत थे। इनमें से अस्पताल के सीईओ चिराग राजपूत,

राहुल जैन और मिलिंद पटेल को गिरफ्तार किया गया है। चिराग राजपूत को खेड़ा से जबकि मिलिंद और राहुल को उदयपुर से गिरफ्तार किया गया। इन तीनों आरोपितों के साथ रहे दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। इस मामले में अब तक चार आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अस्पताल के चेयरमैन कार्तिक पटेल, राजश्री कोठारी और डॉ. संजय पटोलिया फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी के मुताबिक, तीनों आरोपितों को अहमदाबाद लाया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। अन्य फरार आरोपितों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए हैं ताकि पुलिस उन तक नहीं पहुंच सके। अधिकारी ने बताया कि 11 नवंबर को कड़ी तहसील के ग्राम बोरिसाना के 19 निवासियों की एंजियोग्राफी हुई और उनमें से 7 की अहमदाबाद स्थि ख्याति मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में एंजियोप्लास्टी की गयी।

एकनाथ शिंदे को केंद्रीय मंत्री बनाकर देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाएं : रामदास आठवले

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव परिणाम आने के तीन दिन बाद भी मुख्यमंत्री का नाम तय न हो पाने के बीच केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले के एक बयान ने राज्य का राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे को केंद्र में काम करना चाहिए और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। इससे राज्य के विकास में तेजी आएगी। रामदास आठवले ने आज एक बयान में कहा कि केंद्रीय भाजपा इसी रणनीति पर काम कर रही है और एकनाथ शिंदे को केंद्र में जाने के लिए मनाने का काम चल रहा है, बहुत जल्द इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी। रामदास आठवले ने यह भी कहा कि अजीत पवार और भाजपा के विधायकों की संख्या बहुमत से काफी ज्यादा है, इसलिए एकनाथ को अब केंद्र में लेना एनडीए के लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। आठवले ने कहा कि एकनाथ शिंदे ने सीएम के तौर पर बहुत अच्छा काम किया है, इस काम को देवेंद्र फडणवीस आगे जारी रखेंगे।रामदास आठवले के इस बयान को शिंदे समूह की शिवसेना के प्रवक्ता ने उनका निजी बयान बताते हुए कहा कि महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन ने एकनाथ शिंदे के ही नेतृत्व में चुनाव लड़ा। उनके ही नेतृत्व में ही एनडीए को बंपर बहुमत हासिल हुआ है, इसलिए एकनाथ को ही सीएम बनना चाहिए। हालांकि, प्रवक्ता ने यह भी कहा कि केंद्रीय भाजपा जो निर्णय लेगी, उसका स्वागत किया जाएगा। भाजपा नेता रावसाहेब दानवे ने कहा कि भाजपा ने किसी को मुख्यमंत्री पद का आश्वासन नहीं दिया है। बहुत जल्द भाजपा विधायकों की बैठक ली जाएगी और भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा। सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के पास सरकार बनाने के लिए बहुमत है, लेकिन आगामी राजनीति के बारे में विचार करने के बाद ही मुख्यमंत्री पद का निर्णय लेगी।

रक्षा मंत्री 8-10 दिसंबर को रूस यात्रा पर, जंगी जहाज 'तुशील' को नौसेना में शामिल करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 8-10 दिसंबर को रूस यात्रा पर जाएंगे। मॉस्को और कैलिनिनग्राद का दौरा करके 9 दिसंबर को गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तुशील को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल करेंगे। यह युद्धपोत भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे चार फ्रिगेट में से पहला होगा। इसके शामिल होने से इंडो-पैसिफिक में उभरती रणनीतिक चुनौतियों के बीच इससे भारत की नौसैनिक शक्ति को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। राजनाथ सिंह इस दौरान अपने रूसी समकक्ष एंड्री बेलौसोव के साथ बातचीत करेंगे।भारत ने रूस से चार गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट को लेकर 2016 में डील की थी। पहले दो फ्रिगेट की सीधी खरीद के लिए 1 बिलियन डॉलर का अनुबंध अंतिम रूप दिया गया था। इसके बाद नवंबर, 2018 में भारतीय साझेदारी के माध्यम से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने शेष दो जहाजों को घरेलू स्तर पर बनाने के लिए सामग्री, डिजाइन और तकनीकी सहायता के लिए रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ 500 मिलियन डॉलर का सौदा किया था। भारतीय रक्षा मंत्रालय और जीएसएल के बीच औपचारिक अनुबंध जनवरी, 2019 में हस्ताक्षरित किया गया था। अनुबंध के मुताबिक रूस दो फ्रिगेट आईएनएस तुशील और आईएनएस तमाला की आपूर्ति करेगा, जबकि अन्य दो का निर्माण रूस के तकनीकी सहयोग से भारत में किया जाएगा। आईएनएस तुशील तलवार क्लास का स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है। इसे प्रोजेक्ट 11356 के नाम से भी जाना जाता है। इसे भारतीय नौसेना के लिए रूस ने डिजाइन और निर्मित किया है। तलवार क्लास के गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट का इस्तेमाल रूसी तटरक्षक बल करता है। तुशील सहित सभी चार फ्रिगेट में यूक्रेनी की कंपनी ज़ोर्या-मैशप्रोक्ट के इंजन लगाए गए हैं। जीएसएल के मुताबिक आईएनएस तुशील को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 दिसंबर को भारतीय नौसेना में शामिल करेंगे। यह युद्धपोत भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे चार फ्रिगेट में से पहला होगा।

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान

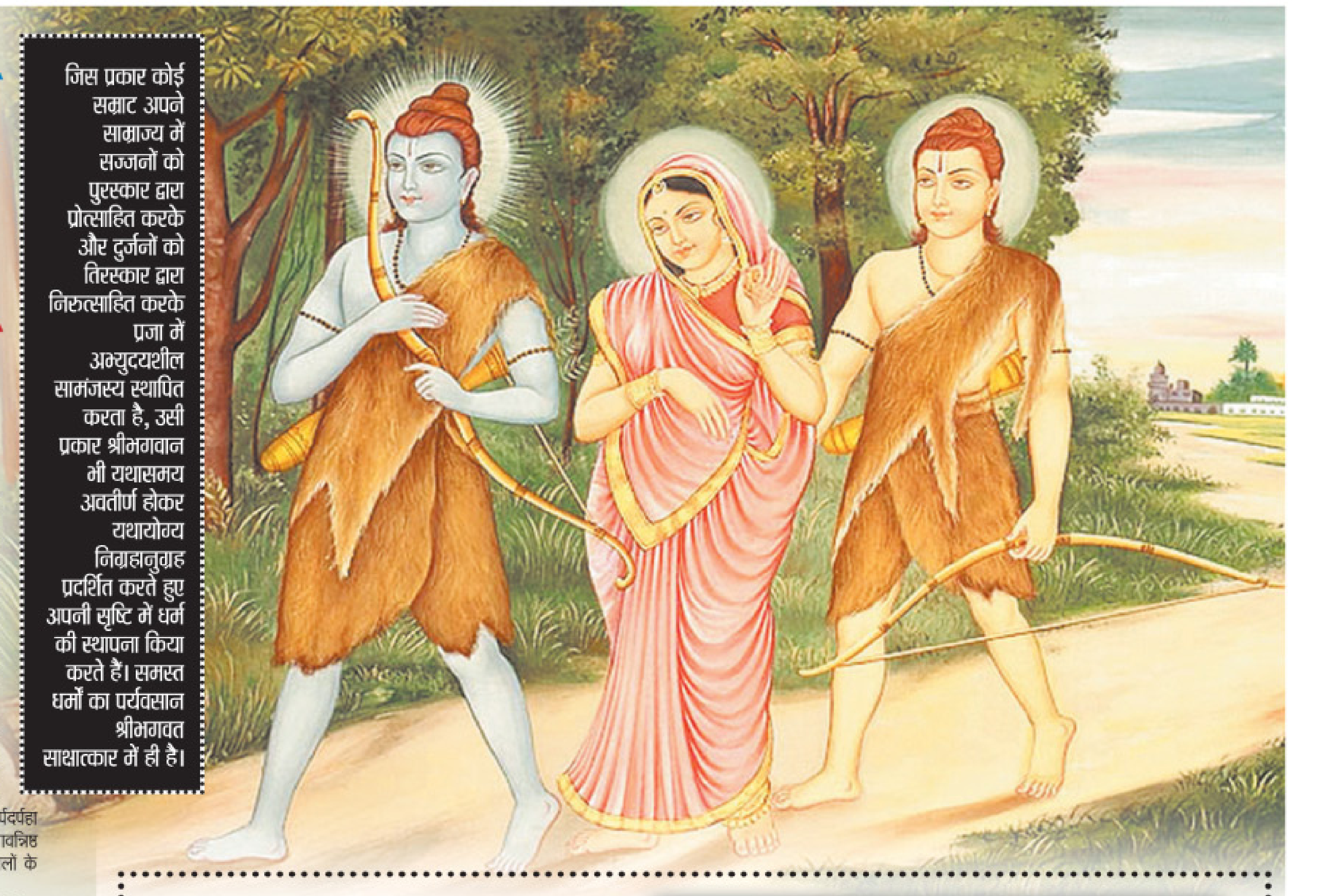

जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं– पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी–ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरागी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान–विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सकें, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन–दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि–कन्दर्पदर्पहा श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभव कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर–नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि– ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और हयग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं– स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम।

जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।

बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उतथ्य व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया।

महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अतः तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनों और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नज़दीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

सरल उपाय अपनाएं शर्तिया वास्तुदोष भगाएं

- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते–बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे–फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्चर क्यों कहलाते हैं?

सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वंय के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को क्रू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह हैं क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्चर भी कहा जाता है क्योंकि ये श्नै: श्नै: चलते हैं।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र– ऊँ गं गणपतये नमः का जप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को आर्पित करें।
- व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
- चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र को पढकर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
- अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।

इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋणहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है ।

चैंपियंस ट्रॉफी पर फैसले के लिये आईसीसी शुक्रवार को करेगा बैठक

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी के अयोजन पर फैसले के लिए बोर्ड की बैठक बुलाई है।29 नवंबर को होने वाली इस बैठक में पाकिस्तान द्वारा हाइब्रिड मॉडल को खारिज करने और भारतीय टीम के पाकिस्तान नहीं जाने मसले के हल निकालने का प्रयास किया जायेगा। यह बैठक वर्चुअल होगी और इस पर अंतिम फैसला आईसीसी बोर्ड करेगा। उल्लेखनीय है कि आठ टीमों वाला चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट 19 फरवरी से मार्च तक खेला जाना है। अभी तक औपचारिक तौर पर टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की गई है। आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट शुरू होने से 100 दिन पहले उसके कार्यक्रम की घोषणा करता रहा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर पैदा हुए गतिरोध पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। आईसीसी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को इस बैठक की पुष्टि की लेकिन पीसीबी ने इस संबंध में अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

नाडा ने डोपिंग रोधी संहिता के उल्लंघन के लिए बजरंग पुनिया को चार साल के लिए किया निलंबित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) नेबजरंग पुनिया को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान 10 मार्च को डोप परीक्षण के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर चार साल के लिए निलंबित कर दिया है। नाडा ने टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता पहलवान को इस अपराध के लिए सबसे पहले 23 अप्रैल को निलंबित किया था, जिसके बाद विश्व शासी निकाय यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था बजरंग ने अनंतिम निलंबन के खिलाफ अपील की थी, और नाडा के अनुशासन-विरोधी डोपिंग पैनल (एडीडीपी) ने 31 मई को इसे रद्द कर दिया था, जब तक कि नाडा ने आरोप का नोटिस जारी नहीं कर दिया। इसके बाद नाडा ने 23 जून को पहलवान को नोटिस दिया। साथी पहलवान विनेश फोगट के साथ कांग्रेस में शामिल हुए बजरंग को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का प्रभार दिया गया था। उन्होंने 11 जुलाई को लिखित रूप से आरोप को चुनौती दी थी, जिसके बाद 20 सितंबर और 4 अक्टूबर को सुनवाई हुई थी। एडीडीपी ने अपने आदेश में कहा, पैनल का मानना है कि एथलीट अनुच्छेद 10.3.1 के तहत प्रतिबंधों के लिए उत्तरदायी है और 4 साल की अवधि के लिए अयोग्य है। वर्तमान मामले में, चूंकि एथलीट को अनंतिम रूप से निलंबित कर दिया गया था, इसलिए पैनल तदनुसार मानता है कि एथलीट की चार साल की अवधि के लिए अयोग्यता की अवधि उस तारीख से शुरू होगी, जिस दिन अधिसूचना भेजी गई थी, यानी 23.04.2024।

आईएसएल में पहली घरेलू जीत तलाश रहे मोहम्मडन एससी का सामना बेंगलुरू एफसी से

कोलकाता। मोहम्मडन एससी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में अपनी पहली घरेलू जीत तलाश रही है, जिसके लिए ब्लैक पैंथर्स अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में बेंगलुरू एफसी भिड़ेंगे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग शीर्ष स्तर की इस लीग में पहली बार अभियान में उतरी है, लेकिन वो सात मैचों में एक जीत, दो ड्रा और चार हार से पांच अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, ब्लूज ने इस सीजन में जोरदार वापसी की है। बेंगलुरू एफसी आठ मैचों में पांच जीत, दो ड्रा और एक हार से 17 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है। मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में अपने घरेलू मैदान पर शुरुआती चार मुकाबलों में एक ड्रा खेला और तीन हारे हैं। कोई भी टीम शुरुआती पांच घरेलू मैचों में जीत के बिना नहीं रही है, यह ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड होगा जिसे एंड्री चेर्निशोव और उनके ब्लैक पैंथर्स बुधवार को बचना चाहेंगे। मोहम्मडन ने मैचों के शुरुआती 15 मिनट में चार गोल खाए हैं, जो आईएसएल 2024-25 सीजन में सभी टीम में सबसे अधिक है। वहीं, बेंगलुरू एफसी ने इस अवधि में चार गोल किए हैं।

पालिका स्टेडियम में दूधिया रोशनी में हो सकेंगे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच

कानपुर। शहर के बीचोबीच स्थित खस्ताहाल पालिका स्टेडियम ने अपने भव्य जीर्णोद्धार के बाद एक नई पहचान बनाई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नगर निगम की सकारात्मक पहल से पुनर्निर्मित द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) का मैदान अब क्रिकेट को नई पहचान दे रहा है। आधुनिक सुविधाओं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित यह मैदान अब न केवल स्थानीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के आयोजन के लिए भी तैयार है। इस ऐतिहासिक मैदान में उज्बेकिस्तान देश की क्रिकेट टीम ने पुलिस आयुक्त अखिल कुमार की कप्तानी वाली सीपी इलेवन के खिलाफ मैच खेला। इस मैच ने न केवल कानपुर बल्कि पूरे प्रदेश को गर्वित किया। पालिका स्टेडियम में अब डे-नाइट मैचों का आयोजन सम्भव हो गया है। उच्च गुणवत्ता वाली फ्लड लाइटों ने मैदान को दूधिया रोशनी में सराबोर कर दिया, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों को बेहतरीन अनुभव मिल रहा है। मैदान में 120 मीटर का वृत्ताकार आउटफील्ड, हाई-टेक ड्रेनेज और स्प्रिंकलर सिस्टम, तीन नई पिच और चार प्रैक्टिस नेट इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाते हैं। 19 अक्टूबर को हुए उद्घाटन मैच ने ही साबित कर दिया था कि टीएसएच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार है। बीते अगस्त माह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीआईसी मैदान में आयोजित सभा के दौरान पालिका स्टेडियम का लोकार्पण किया था।

बी.सुमित रेड्डी व सिकी रेड्डी, ध्रुव व तनीषा मिश्रित युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। भारत के बी.सुमित रेड्डी व सिकी रेड्डी की शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में मिश्रित युगल में शानदार जीत से अपना अभियान शुरू करते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में पहले दिन मुख्य ड्रा में मिश्रित युगल के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। चैंपियनशिप में बुधवार को मुख्य ड्रा के अन्य वर्गो के मुकाबलों की शुरुआत होगी। आज खेले गए मिश्रित युगल के मुकाबलों में भारत के पांचवी वरीय ध्रुव कपिला व तनीषा क्रैस्टो, सातवीं वरीय रोहन कपूर व रूत्विका शिवानी गड्डे ने भी अंतिम 16 में जगह बना ली। पहले दौर में भारत की आठवीं वरीय असिथ सूर्या व अमृता पी.की जोड़ी को उलटफेर का सामना करना पड़ा। आज खेले गए मुकाबले में बी.सुमित रेड्डी व सिकी रेड्डी की शीर्ष

वरीय जोड़ी ने भारत के ही एस.संजीथ व गौरी क़ृष्णा टीआर की जोड़ी को सीधे गेम में 21-10, 21-18 से हराया। इस जोड़ी ने उम्दा कोर्ट कवरेज के सहारे जीत अपने नाम की।भारत के पांचवी वरीय ध्रुव कपिला व तनीषा क्रैस्टो ने चीन के झांग हान यू व बाओ ली जिंग को 12-21, 21-15, 21-17 से हराया। चीनी जोड़ी ने पहले गेम में जीत दर्ज की। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने कोर्ट पर शानदार जुगलबंदी का प्रदर्शन किया और दूसरे व तीसरे गेम में जीत अपने नाम कर ली। मिश्रित युगल के पहले दौर के अन्य मुकाबलों में भारत के सातवीं वरीय रोहन कपूर व रूत्विका शिवानी गड्डे ने भारत के नितिन एचवी व अनघा अरविंदा पी को 21-14, 21-12 से हराया। इंग्लैंड के रोरी ईस्टन व लिज्जी टालमैन ने मलेशिया के लियू झून व जू पेई की को 21-11, 18-21, 21-14 से हराया। चीन के झोऊ जी हांग व यांग जिया यी ने भारत के सात्विक रेड्डी कनापुरम व वैष्णवी खडेकर को 21-9, 21-12 से हराया। वहीं भारत के आयुष अग्रवाल व श्रुति मिश्रा की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। इस जोड़ी को थाईलैंड के फुअनात एच व फुंगफा के ने तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-14, 19-21, 21-17 से हराया। पहले गेम में थाई जोड़ी ने जीत दर्ज की। दूसरा गेम आयुष व श्रुति ने जीता लेकिन तीसरे गेम में लय कायम नहीं रख सके। भारत की गैर वरीय दीप रांभिया व सिमरन सिंघी की जोड़ी ने हमवतन आठवीं वरीय असिथ सूर्या व अमृता पी.की जोड़ी को 21-15, 10-21, 23-21 से हराकर उलटफेर किया। भारत के चयनित जोशी व काव्या गुप्ता ने हमवतन नवनीत बोक्का व रितिका ठाकेर को 21-19, 22-20 से हराया।

राष्ट्रीय स्कूल एथलेटिक्स का पहला स्वर्ण पदक उत्तराखण्ड के नाम

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुरु हुयी अंडर-17 आयु वर्ग के बालक बालिकाओं की 68वीं राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2024-25 में पहला स्वर्ण पदक उत्तराखंड के नाम रहा। गुरु गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज कुर्सी रोड में आयोजित प्रतियोगिता में बालक वर्ग में 5000 मीटर पैदल दौड में उत्तराख्ंड के तुषार पनवार ने स्वर्ण पदक जीता जबकि झारखंड के प्रशांत कुमार को रजत और उत्तराखंड के अमन ठाकुर को कांस्य पदक मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल महोदया आनंदीबेन पटेल ने किया। इस मौके पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बेसिक शिक्षा संदीप सिंह उपस्थित रहे।इस प्रतियोगिता में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, केरल, दमन दीव व दादर नागर हवेली, लक्षदीप, उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत 38 राज्यों,केन्द्र शासित प्रदेशों के अलावा संगठन और सोसाइटीज की टीमों के लगभग 1500 बालक-बालिकाएं हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन बालक बालिकाओं के 100 मी, 800 मी दौड़, 3000 मी शॉटपुट, ऊंची कूद प्रतियोगिताओं के प्रथम चरण एवं क्वालिफिकेशन राउंड सम्पन्न हुये।

तमिल थलाइवाज ने हार का सिलसिला तोड़ा, यूपी योद्धाज को 14 अंक से हराया

एजेंसी

नोएडा। तमिल थलाइवाज ने अपने हरफनमौला खेल की बदौलत दो मैचों से चला आ रहा हार का सिलसिला तोड़ दिया है। थलाइवाज ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 77वें मैच में मेजबान यूपी योद्धाज को 40-26 के अंतर से हराया। इस जीत के साथ ही थलाइवाज ने इस सीजन के पिछले मैच में यूपी से मिली हार का हिसाब भी चुका लिया। थलाइवाज को 13 मैचों में पांचवीं जीत दिलाने में मोइन शफागी (8), नरेंदर (6), मसानामुत्थु (6) और डिफेंस में नितेश (3) ने योगदान दिया जबकि यूपी के लिए गगन गौड़ा (8) और आशू (हाई-5) ने ही प्रभावित किया। यूपी को 13 मैचों में छठी हार मिली।नरेंदर कंडोला ने तीन रेड में तीन अंक लिए लेकिन यूपी को दूसरे मिनट में ही डू ओर डाई रेड करना पड़ा। गगन आए और एक अंक लेकर लौटे। तीन मिनट बाद थलाइवाज 3-1 से आगे थे। फिर डिफेंस ने भवानी को डैश कर स्कोर 4-1 कर दिया। इसके बाद नरेंदर ने डुबकी के साथ यूपी को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। साहिल

ने गगन को लपक यूपी को आलआउट की ओर धकेला लेकिन आशू ने नरेंदर को सुपर टैकल कर स्कोर 3-6 कर दिया। यूपी ने हालांकि इसके बाद वापसी की राह पकड़ी और 10 मिनट बीतने के साथ ही स्कोर 6-7 कर दिया। ब्रेक के बाद यूपी ने 1 के मुकाबले दो अंक लेकर स्कोर बराबर कर दिया। अब थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन था। इसी बीच मसानामुत्थु ने डू ओर डाई रेड पर हितेश को आउट कर यह स्थिति टाल दी लेकिन गगन ने इसी तरह की रेड पर बस्तामी को बाहर का रास्ता दिखा दिया। 9-9 के स्कोर पर सुमित ने मसानामुत्थु को डैश कर थलाइवाज को आलआउट की ओर धकेला। गगन ने अगली रेड पर थलाइवाज को सूपड़ा साफ कर यूपी को 14-9 की लीड दिला दी। नरेंदर ने हालांकि आलइन के बाद लगातार दो अंक लेकर फासला 3 का कर दिया लेकिन अगली रेड पर वह लपक लिए गए। नितेश ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर गगन को लपक नरेंदर को रिवाइव करा लिया।

इंटर मियामी ने लियोनेल मेसी के पूर्व साथी जेवियर मास्चेरानो को नया कोच नियुक्त किया

एजेंसी

फोर्ट लौडरडेल। लियोनेल मेसी और जेवियर मास्चेरानो फिर से एक साथ हैं। इंटर मियामी ने लियोनेल मेसी के पूर्व साथी जेवियर मास्चेरानो को क्लब का नया कोच नियुक्त किया है। मास्चेरानो गेरार्डो टाटा मार्टिनो की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सप्ताह व्यक्तिगत कारणों से पद छोड़ दिया था। हाल ही में मास्चेरानो अर्जेंटीना की अंडर-20 टीम और ओलंपिक कोच थे। उन्होंने तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और वह अपने काम के कागजी काम पूरे होने के बाद पदभार संभालेंगे। इंटर मियामी के प्रबंध मालिक जॉर्ज मास ने कहा, इस नौकरी के लिए ऐसे अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है जो हमारी प्रतिभा के अनूठे संग्रह को अधिकतम करने में सक्षम हो - हमारे वैश्विक सुपरस्टार से लेकर हमारे उभरते हुए घरेलू खिलाड़ियों, हमारे युवा अंतरराष्ट्रीय संभावनाओं और बीच की हर चीज तक। यह सिर्फ़ मेसी ही नहीं है जिसके साथ मास्चेरानो फिर से जुड़ रहे हैं। जब मास्चेरानो बार्सिलोना के साथ थे, तब उन्होंने संगठन की निर्विवाद महत्वाकांक्षा और इसे समर्थन देने के लिए इसके बुनियादी ढांचे से आकर्षित हुआ। मैं

इंटर मियामी के मौजूदा स्टार जोर्डी अल्बा, सर्जियो बुस्केट्स और लुइस सुआरेज़ के साथ भी खेला था - इन सभी के 2025 सीज़न में वापस आने की उम्मीद है। मास्चेरानो ने कहा, इंटर मियामी जैसे क्लब का नेतृत्व करने में सक्षम होना मेरे लिए सम्मान की बात है, और यह एक विशेषाधिकार है जिसका मैं पूरा फ़ायदा उठाने का प्रयास करूँगा। मैं क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने और प्रशंसकों को और भी अविस्मरणीय पल देने में मदद करने के लिए इंटर मियामी के लोगों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूँ। जेवियर ने अपने करियर में दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर खेलने से लेकर युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग करने तक का बेजोड़ अनुभव हासिल किया है।

सईम अयूब का नाबाद शतक, पाकिस्तानी ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हराया

एजेंसी

बुलावायो। अबरार अहमद (चार विकेट) और आगा सलमान (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद सईम अयूब (नाबाद 113) और अब्दुल्ला शफीक (नाबाद 32) की आतिशी पारियों की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली हैं। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज सईम अयूब आतिशी तथा अब्दुल्ला शफीक धैर्यपूर्ण खेल का मुजाहिरा किया। सईम अयूब ने 62 गेंदों में 17 चौके और तीन छक्के लगाते हुये तूफानी

अंदाज में (नाबाद 113) रनों की पारी खेली। वहीं अब्दुल्ला शफीक ने 48 गेंदों में चार चौकों की मदद से (नाबाद 32) रन बनाये। पाकिस्तान ने 18.2 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 148 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। इससे पहले आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और उसने 23 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। जॉयलोर्ड गम्बी (पांच) और टी मारुमनी (चार) रन बनाकर आउट हुये। डायोन मायर्स और कप्तान क्रेग एर्विन ने पारी संभालने का प्रयास किया। 13वें ओवर में आगा सलमान ने क्रेग एर्विन (18) को आउट कर जिम्बाब्वे को तीसरा झटका दिया। डायोन मायर्स ने टीम के लिये सर्वाधिक (33) रन बनाये। पाकिस्तानी गेंदबाजों के आगे जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। एस विलियम्स (31), सिकंदर रजा (17), ब्रायन बेनेट (14) और बी मुजरबानी (11) रन बनाकर आउट हुये। ब्रैंडन मावुता (तीन) और रिचर्ड नगारवा (दो) रन बनाकर आउट हुये। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 32.3 ओवर में 145 रन पर ढ़ेर कर दिया। पाकिस्तान की ओर से अबरार अहमद ने चार विकेट लिये। आगा सलमान को तीन विकेट मिले।

गुकेश ने डिंग लिरेन को दूसरी बाजी मे 23 चालों में ड्रा पर रोका

एजेंसी

सिंगापुर। भारतीय युवा चैलेंजर डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैम्पियनशिप के दूसरे गेम में चीन के डिंग लिरेन को ड्रॉ पर रोका। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने आज काले मोहरों के साथ खेलते हुए विश्व शतरंज चैम्पियनशिप की दूसरी बाजी में गत चैंपियन डिंग लिरेन से ड्रा खेला। दोनों खिलाड़ियों ने 23 चालों के बाद मुकाबला ड्रॉ करने पर सहमति जताई। पहला मुकाबला जीतने वाले लिरेन के पास अब 1.5-0.5 की बढ़त है। मुकाबला ड्रॉ खेलने के बाद गुकेश कहा विश्व चैम्पियनशिप मैच में काले मोहरों के साथ ड्रा हमेशा अच्छा होता है। यह मैच अभी शुरुआती चरण में है और हमारे पास अभी काफी समय है।मैच का तीसरा गेम होगा और गुकेश सफेद मोहरों से खेलेंगे।

यूपी की मानसी सिंह महिला एकल के मुख्य ड्रा में

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की प्रतिभाशाली शटलर मानसी सिंह ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में दमदार प्रदर्शन के साथ महिला एकल के मुख्य ड्रा मे जगह बना ली। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 2,10,000 अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाली चैंपियनशिप में योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में क्वालीफायर मुकाबले खेले गए।

मानसी सिंह ने क्वालीफायर में भारत की ही प्रशंसा बोनम को तीन गेम तक चले मैच में 21-11, 22-24, 21-12 से हराया। मानसी सिंह का अब महिला एकल के मुख्य ड्रा के पहले दौर में थाईलैंड की चौथी वरीय पोर्नपिचा चोइइकेवोंग से मुकाबला होगा। मानसी सिंह ने इस जीत के बाद

खुशी जताते हुए कहा कि अपने घरेलू कोर्ट मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करुंगी।टूर्नामेंट में क्वालीफायर मुकाबलों के खत्म होने के बाद महिला एकल में मानसी सिंह के साथ चीन की हान कियान शी, भारत की तन्वी शर्मा व भारत की ही नव्या कंडेरी भी मुख्य ड्रा के पहले दौर में पहुंच गई। पुरुष एकल में भारत के सिद्धार्थ प्रताप सिंह, सनीथ दयानंद, आरएस संजीवी कुमार और मलेशिया के शोलेह ऐदिल भी मुख्य ड्रा में पहुंच गए।

महिला युगल में भारत की काव्या गुप्ता व राधिका शर्मा, कनिका कंवल व भारती पाल, चीन की केंग शू लियांग व वांग तिंग जी और चीन की ली हुआ झोऊ व वांग जी मिंग की जोड़ी मुख्य ड्रा में इंट्री करने में सफल रही। पुरुष युगल में भारत के यश रैकवार व टी.हेम नागेंद्र बाबू, भारत के विप्लव कुवाले व विराज कुवाले के अलावा चीन के चेन झू जून व गुओ रो हान, थाईलैंड के फ़रान्यू काओसमांग व टैनडान पी. ने भी मुख्य ड्रा में स्थान सुरक्षित कर लिया।मिश्रित युगल में भारत के राम भार्गव अरिगेला व वेन्नाला कलगोटला, गणेश विट्ठल जी व शिवानी संतोष सिंह, टी.हेम नागेंद्र बाबू व कनिका कंवल मुख्य ड्रा में जगह बनाने में सफल रहे।

पहले टेस्ट में बंगलादेश हार की कगार पर

एजेंसी

एंटीगुआ। केमर रोच, जेडन सील्स (तीन-तीन) की शानदार गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन बंगलादेश की दूसरी पारी 109 रन पर सात विकेट झटक कर उसे हार की कगार पर पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज जीत से महज तीन विकेट दूर है। वहीं पांचवें दिन बंगलादेश को 225 रन बनाने असंभव सा दिख रहा है।

दूसरी पारी में बंगलादेश की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 23 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये। पहले ही ओवर में केमर रोच ने जाकिर हसन (शून्य) को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद चौथे ओवर में जेडन सील्स ने महमूदुल हसन जॉय (छह) को आउटकर बंगलादेश को दूसरा झटका दिया। शहादत हुसैन (चार), मोमिनुल हक (11) रन पर आउट हुये।

इसके बाद लिटन दास और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पारी संभालने का प्रयास किया। शमार जोसफ ने लिटन दास (22) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। जेडन सील्स ने मेहदी हसन मिराज (45) को आउट कर बंगलादेश को बड़ा झटका दिया। तैजुल इस्लाम (चार) रन सातवें विकेट के रूप में आउट हुये।

चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय बंगलादेश ने 31 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 109 रन बना लिये है और उसे जीत के लिए अभी 225 रनों की जरुरत है। जाकिर अली (15) और हसन महमूद (शन्यू) पर क्रीज पर मौजूद हैं। वेस्टइंडीज की ओर से केमर रोच और जेडन सील्स ने तीन-तीन विकेट लिये। शमार जोसफ ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने पहली पारी में जस्टिन ग्रीव्स (नाबाद115), मिकाइल लुइस (97) और एलिक अथानाजे (90) की शानदार पारियों के दम पर नौ विकेट पर 450 रन पर पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश ने नौ विकेट 269 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दी थी।वेस्टइंडीज ने पहली पारी के आधार पर मिली 181 रनों की बढ़त के बाद दूसरी पारी में 152 रन बनाकर बंगलादेश को जीत के लिए 334 रनों का लक्ष्य दिया था।

दबंग दिल्ली केसी ने पटना पाइरेट्स के मुंह से जीत खींची, मुकाबला 39-39 से टाई कराया

एजेंसी

नोएडा। दबंग दिल्ली केसी ने पटना पाइरेट्स के मुंह से जीत को खींचते हुए नोएडा इंडोर स्टेडियम में रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 78वें मैच को 39-39 से टाई करा लिया। यह इस सीजन का कुल सातवां, दिल्ली का तीसरा और पटना का पहला टाई है। 30वें मिनट तक पटना 33-25 से आगे चल रहे थे लेकिन फिर दिल्ली ने आशीष के सुपर रेड की बदौलत वापसी की राह पकड़ी और पटना को आलआउट करते हुए लीड भी ले ली लेकिन फिर पटना ने संयम बनाए रखते हुए मैच टाई करा लिया। पटना के लिए देवांक ने 15 अंक बनाए जबकि दीपक और अंकित ने क्रमशः 7 और 5 अंक लिए। दिल्ली के लिए आशू ने एक बार फिर सुपर-10 लगाया जबकि सुपर रेड के साथ आशीष ने सात अंक बटोरे। नवीन ने भी 6 अंक का योगदान दिया। इस मैच के बाद दोनों टीमें क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर ही बनी हुई हैं। दोनों टीमों ने शानदार शुरुआत की। पांच मिनट बाद पटना 6-5 से आगे थे। इसमें देवांक के चार और सुपर रेड के साथ आशू के तीन अंक शामिल है। इस बीच आशीष ने पहली रेड पर आए अयान को लपक स्कोर 6-6 कर दिया। इस बीच अंकित ने डू ओर डाई रेड पर आशू का शिकार कर पटना को आगे कर दिया। आशीष ने हालांकि देवांक को एंकल होल्ड कर मामला बराबर कर दिया। इसके बाद पांच के डिफेंस में नवीन डू ओर डाई रेड पर आए लेकिन लपक लिए गए। 10 मिनट बाद पटना 8-7 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना दो अंक से आगे थे और दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन था, जिसका वे फायदा नहीं ले सके और आलआउट होकर 8-14 से पीछे हो गए।

आलइन के बाद पटना ने 1 के मुकाबले देवांक के मल्टी प्वाइंट रेड की बदौलत छह अंक लेकर फासला बढ़ा दिया। पटना ने इस तरह 20-9 स्कोर के साथ पाला बदला। देवांक अपना सुपर-10 पूरा कर चुके थे। दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन था लेकिन वे इसका फायदा नहीं ले सके और दूसरी बार आलआउट हुए। अब पटना 24-11 से आगे थे।

इसके बाद हालांकि आशू की बदौलत दिल्ली ने 1 के मुकाबले 4 अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। दिल्ली के डिफेंस ने फिर देवांक को लपक इस पर मुहर लगाई। अब पटना आलआउट की कगार पर थे, जिसे अंजाम देकर दिल्ली ने स्कोर 21-28 कर दिया। इस बीच अंकित ने आशू को लपक हाई-5 पूरा किया।

अगली रेड पर देवांक ने दो अंक लेकर फासला 31-22 कर दिया। दिल्ली ने इसके बाद 3 अंक लेकर वापसी की गुंजाइश बनाए रखी लेकिन लगातार दो अंक के साथ पटना ने 30 मिनट के खेल के बाद स्कोर 33-25 कर दिया। अपनी टीम को लगातार मुकाबले में बनाए रखने के प्रयास के तहत आशू ने सुपर-10 पूरा किया। दिल्ली ने इसके बाद अयान को सुपर टैकल कर दो अंक बटोर स्कोर 30-36 कर दिया। फिर नवीन ने एक शिकार कर फासला 5 का कर दिया। फिर आशीष ने फिर देवांक का शिकार कर फासला 4 का कर दिया। आशीष यही नहीं रुके और सुपर रेड के साथ न सिर्फ स्कोर 35-36 किया बल्कि पटना को आलआउट की ओर भी धकेल दिया। अब 1.20 मिनट बचे थे। इसके बाद दिल्ली ने आलआउट लेते हुए 38-37 की लीड ले ली लेकिन शुभम ने आशू को लपक स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद देवांक ने बोनस के साथ पटना को आगे कर दिया। फिर आशीष ने बोनस के साथ स्कोर बराबर कर दिया। मैच की अंतिम रेड पर देवांक आए और रेड वैलिड करके लौट गए। इस तरह यह मैच टाई पर समाप्त हुआ।

1000 करोड़ी फिल्में देने वाली दीपिका पादुकोण को खतरा!

रश्मिका मंदाना

इन 8 फिल्मों से बनेंगी बॉक्स ऑफिस की क्वीन

बॉक्स ऑफिस पर कब्जा करने के लिए रश्मिका मंदाना, आलिया भट्ट और कटरीना कैफ को दीपिका पादुकोण के रिकॉर्ड को तोड़ना होगा. दीपिका की क्वीन की गद्दी छीनने का फिलहाल बड़ा मौका रश्मिका मंदाना के पास है. उनकी आने वाली 8 फिल्में उन्हें इंडियन सिनेमा की क्वीन बना सकती हैं.

बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा करने के लिए सभी सितारे अपना-अपना जोर लगा रहे हैं. इस मामले में न केवल शाहरुख खान, प्रभास, सलमान खान जैसे बड़े-बड़े एक्टर्स शामिल हैं, बल्कि बॉक्स ऑफिस की क्वीन बनने का सपना दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और रश्मिका मंदाना जैसी एक्ट्रेसेस भी देख रही हैं. दीपिका पादुकोण इस वक्त बॉक्स ऑफिस क्वीन की गद्दी पर कब्जा किए हुए बैठी हैं. वजह है उनके खाते में एक या दो नहीं बल्कि 3-3 फिल्में ऐसी हैं, जिन्होंने 1000 करोड़ की कमाई की है. लेकिन अब इस गद्दी पर 'श्रीवल्ली' यानी रश्मिका मंदाना की नजरें टिकी हैं. अपनी आने वाली 8 फिल्मों के जरिए रश्मिका सभी को करारी मात देने वाली हैं.

रश्मिका मंदाना की आने वाली 8 बड़ी फिल्में

पुष्पा 2 – रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा 2' का जोरों-शोरों से हल्ला हो रहा है. इस फिल्म के लिए लोगों के बीच गजब का क्रेज है. इतना ही नहीं डायरेक्टर सुकुमार के डायरेक्शन में बनी रही 'पुष्पा 2' ने रिलीज से पहले ही करोड़ों का कारोबार भी कर लिया है. रश्मिका की इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं. 5 दिसंबर को ये फिल्म थिएटर में दस्तक देगी.

छावा – रश्मिका मंदाना ने 'एनिमल' के बाद से बॉलीवुड में भी अपने पैर जमा लिए हैं. 'पुष्पा 2' के साथ-साथ उनकी अगली ही फिल्म 'छावा' भी तुरंत आ रही है. पहले इन दोनों फिल्मों का क्लैश पक्का माना जा रहा था. लेकिन 'छावा' के मेकर्स ने अपनी फिल्म की रिलीज डेट बदलने का फैसला किया. विकी कौशल के साथ रश्मिका पहली बार काम करती हुई नजर आएंगी.

सिकंदर – रश्मिका मंदाना के हाथों में बड़ी फिल्म 'सिकंदर' भी हैं. सलमान खान के साथ बतौर लीड एक्ट्रेस रश्मिका नजर आने वाली हैं. सलमान खान के लिए भी 'सिकंदर' बेहद स्पेशल फिल्म हैं, जिसके लिए उन्होंने अपना पूरा जोर लगा रखा है. ऐसे में 'सिकंदर' से उम्मीद की जा रही है कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 700-800 करोड़ तो जरूर ही कमाएगी.

कुबेरा – साउथ सुपरस्टार धनुष और नागार्जुन के साथ रश्मिका मंदाना फिल्म 'कुबेरा' में भी दिखाई देंगी. ये एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म होने वाली है. मेकर्स ने फिल्म का टीजर पहले ही शेयर कर दिया है. अगले साल ये फिल्म रिलीज की जाएगी.

एनिमल पार्क – 'एनिमल' की शानदार सक्सेस के बाद अब सभी को इसके दूसरे पार्ट 'एनिमल पार्क' का इंतजार है. रणबीर कपूर के साथ एक बार फिर से रश्मिका मंदाना नजर आएंगी. 'एनिमल' रश्मिका के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म साबित हुई है. 2026 में 'एनिमल पार्क' रिलीज की जा सकती है.

थामा – रश्मिका मंदाना की हॉरर कॉमेडी थ्रिलर 'थामा' की अनाउंसमेंट दीवाली के मौके पर कर दी गई थी. इस फिल्म को दिनेश विजान बना रहे हैं. रश्मिका के साथ फिल्म में आयुष्मान खुराना भी होंगे. अगले साल दिवाली के मौके पर इस फिल्म को रिलीज किया जाएगा.

द गर्लफ्रेंड – रश्मिका मंदाना फिल्मों में अपने किरदार पर भी कुछ हटकर करने की कोशिश करती नजर आ रही हैं. मशहूर फिल्ममेकर अल्लू अरविंद की थ्रिलर लव स्टोरी 'द गर्लफ्रेंड' में रश्मिका नजर आएंगी. दीक्षित शेट्टी इस फिल्म के लीड एक्टर होंगे.

रेनबो – रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्मों की लिस्ट में शांतारूबन की फिल्म 'रेनबो' का नाम भी शामिल है. रश्मिका के साथ इस फिल्म में देव मोहन भी नजर आएंगे. पहले इस फिल्म के लिए समांथा रुख प्रभु का नाम सामने आया था.

कौन है वो, जिसको KISS करने के लिए सलमान खान ने ली थी मां सलमा से इजाजत?

सलमान खान अपनी मम्मी सलमा के लाडले बेटे हैं. भाईजान के लिए उनकी फैमली हमेशा फर्स्ट प्रायोरिटी रहती है. उन्हें कंपलीट फैमली मैन भी कहा जाता है. अपने भाई-बहनों के साथ सलमान खान हमेशा खड़े नजर आते हैं. खान फैमली के बच्चों के बीच काफी प्यार है. लेकिन सलमान खान अपनी मां सलमा खान के बेहद करीब हैं, वो उनसे अपने दिल की हर बात भी शेयर करते हैं. जितना सलमान अपनी मम्मी से प्यार करते हैं, उतना ही उनसे शर्माते भी हैं.

सोशल मीडिया पर सलमान खान का एक पुराना वीडियो सामने आया है. ये वीडियो बिग बॉस 13 के ग्रैंड फिनाले का है, जहां रोहित शेट्टी अपने खतरों के खिलाड़ियों के साथ पहुंचे थे. इस वायरल क्लीप में सलमान अपनी मम्मी से किसी को किस करने के लिए इजाजत मांगते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि मां सलमा की तरफ से न हां मिलती है और न ही मनाही होती है. ऐसे में सलमान खुद अपना फैसला ले लेते हैं.

'किस' करने से घबराए सलमान खान

वायरल क्लिप में अदा खान अपने हाथ में बड़ा-सा गिरगिट पकड़े हुए नजर आ रही हैं. उस गिरगिट को सलमान खान की तरफ बढ़ाते हुए अदा उनसे कहती हैं कि ये आपसे एक किस चाहती है बस. ये बात सुनकर सलमान घबरा से जाते हैं. पीछे से रोहित शेट्टी भी कहते हैं कि सर बस एक किस. सलमान घबराते हुए कहते हैं कि बढ़िया है, लेकिन किस नहीं. सलमान के चेहरे से साफ पता चल रहा है कि उन्हें इस गिरगिट को किस करने में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है.

सलमान ने मांगी मां सलमा से इजाजत

खुद को इस मुसीबत से बचाने के लिए सलमान कहते हैं कि वो मम्मी के सामने किस नहीं करते. सामने मौजूद सलमा खान भी हंसने लगती हैं. तभी रोहित शेट्टी, सलमान खान की मम्मी से परमिशन लेते हैं और कहते हैं कि कर दीजिए बस एक किस अब तो. सलमान खुद अपनी मम्मी से कहते हैं कि क्या आप चाहती हो कि मैं इसे किस करूं? हालांकि सलमा खान बस हंसती हैं, वो कुछ कहती नहीं हैं. सलमान अंत में ये कहकर अपनी पीछा छुड़ाते हैं कि अपनी मम्मी के सामने किस नहीं करते.

27 साल पहले जिस फिल्म में दबे-कुचले लोगों के मसीहा बने सनी देओल, उसकी पहली पसंद था ये एक्टर

अक्सर बॉलीवुड में देखा गया है कि किसी एक एक्टर की न किसी दूसरे एक्टर के लिए लकी साबित होती है. बड़े-बड़े सितारे अक्सर फिल्मों को ये सोचकर ठोकर मार देते हैं कि ये क्या ही चलेगी? वहीं कुछ एक्टर्स उन्हें करने के लिए न केवल हामी भरते हैं, बल्कि वो अपनी दमदार एक्टिंग के जरिए उस फिल्म को ब्लॉकबस्टर भी बनाते हैं. ऐसी ही एक ठुकराई हुई फिल्म सनी देओल (Sunny Deol) की झोली में भी आ गिरी थी, जिसने उनकी किस्मत को चमका दिया था.

90 के दशक में सनी देओल की एक से बढ़कर एक फिल्में रिलीज हुई थीं. इन फिल्मों ने सनी देओल को बॉक्स ऑफिस का किंग भी बना दिया था. इतना ही नहीं सनी की फिल्में जैसे ही रिलीज हुआ करती थीं, बच्चों-बच्चों की जुबान पर उनके बोले गए डायलॉग्स हुआ करते थे. बड़ों से लेकर बच्चे तक सनी देओल के

डायलॉग्स को रट लिया करते थे. 17 साल पहले उनकी एक फिल्म रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अपने बजट के मुकाबले 4 गुना से ज्यादा की कमाई कर डाली थी. हालांकि इस फिल्म के लिए वो पहली पसंद नहीं थे.

मिथुन चक्रवर्ती ने ठुकरा दिया था ऑफर

ये फिल्म को और नहीं, बल्कि 'जिद्दी' थी. साल 1997 में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की थी. इस फिल्म के लिए मेकर्स ने पहले मिथुन चक्रवर्ती को ऑफर दिया था और लीड एक्ट्रेस के लिए ममता कुलकर्णी को. लेकिन मिथुन और ममता दोनों ने ही 'जिद्दी' करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद ये फिल्म सनी देओल और रवीना टंडन की झोली में जा गिरी.

साउथ में बना सनी की फिल्म का रीमेक

'जिद्दी' को बनाने के लिए मेकर्स 7.5 करोड़ का खर्चा किया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 32 करोड़ की कमाई कर मेकर्स को मालामाल कर दिया था. 27 साल पहले ये रिकॉर्ड काफी बड़ा था. फिल्म में सनी दबे-कुचले लोग, कमजोर और बेबस लोगों की मदद करते हुए नजर आए थे. इस फिल्म के ब्लॉकबस्टर होते ही साउथ मेकर्स ने भी इससे इंस्पायर्ड फिल्में बना डालीं. सनी की इस फिल्म का तमिल और बांग्ला में रीमेक बना था.

सुपरस्टार बनते ही घमंडी हो गए थे रवि किशन

करते थे बदतमीजी, इस शख्स के कहने पर जाना पड़ा था बिग बॉस

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार रवि किशन अपनी एक्टिंग से हर बार फैन्स का दिल जीत लेते हैं. इस साल कई फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आए. उनके दमदार अभिनय की काफी तारीफें भी होती हैं. इस वक्त 'बिग बॉस 18' में वो एक स्पेशल सेगमेंट होस्ट कर रहे हैं. इसी बीच उन्होंने खुद को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है.

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार रवि किशन अपने अभिनय से अक्सर इम्प्रेस करते रहे हैं. भोजपुरी सिनेमा के अलावा बॉलीवुड फिल्मों और वेब सीरीज में भी धमाल मचा चुके हैं. 'लापता लेडीज' हो या फिर 'सिंघम अगेन', अपने अभिनय को लेकर चर्चा में रहे हैं. इस वक्त वो 'बिग बॉस 18' में एक स्पेशल सेगमेंट होस्ट कर रहे हैं, जिसमें खूब धमाल मचाते भी नजर आए हैं. अब उन्होंने खुद को लेकर बहुत बड़ा खुलासा कर दिया है.

दरअसल रवि किशन 'बिग बॉस 1' का हिस्सा रह चुके हैं. हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में रवि किशन ने बताया कि जब वो 'बिग बॉस' के अंदर गए थे, तब उनमें पैसों और स्टारडम का काफी घमंड आ गया था. दरअसल उस वक्त रवि किशन भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार बन गए थे. ऐसे में एक्टर ने खुद में हुए बदलाव को लेकर बात की.

"मुझ में पैसे का घमंड", रवि किशन का खुलासा

रवि किशन ने 'बिग बॉस सीजन 1' का किस्सा शेयर किया है. यानी बात 2006 की है. इस सीजन के विनर राहुल रॉय रहे थे. लेकिन शो में रहने का रवि किशन पर काफी पॉजिटिव असर पड़ा था. उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि, मेरी फिल्में 17वें फ्लोर पर होती थी, नया-नया सुपरस्टार बना था तो मुझ पर घमंड आ गया था. उस वक्त उन्हें अपनी जिंदगी को लेकर कुछ जवाब चाहिए थे. उन्होंने बताया कि वो 'बिग बॉस' में जाना ही नहीं चाहते थे. पत्नी के कहने पर उन्हें वहां जाना पड़ा था.

रवि किशन ने खुद ही बताया कि वो 'बिग बॉस' के घर में काफी घमंडी हो गए थे. गुस्से में रहते थे और चीजें तोड़ते रहते थे. इतना ही नहीं माइक तक चबा जाते थे. इस दौरान एक्सेप्ट किया कि बिग बॉस से बदतमीजी भी कर चुके हैं. लेकिन वहां रहने के 15 दिन बाद उनमें एक बदलाव आ गया. दरअसल वो काफी शांत हो गए थे. उन्होंने बताया कि मेरे अंदर का एक चंचल बच्चा बाहर आ गया था, जिसने खुद भी मजे लिए और जनता को भी अपने खेल से मजे दिए. यही सब वो 'बिग बॉस सीजन 18' के कंटेस्टेंट के अंदर से निकालना चाहते हैं.